हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • गुरुवार • 23.07.2026 • वर्ष : 17 • अंक : 356 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

झारखंड में फिल्म निर्माण की अपार संभावनाएं कलाकारों को मिलेगी उड़ान : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के होनहार और क्रिएटिव युवाओं के लिए राज्य सरकार ने एक बेहतर प्लेटफार्म तैयार किया है। इस प्लेटफार्म का आज विधिवत रूप से झारखंड सरकार का एक अंग ₹झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड' और 'सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता' के सहयोग से स्थापित किया जा रहा है। हालांकि, इस संदर्भ में आगे काम कैसे होना है, कैसे इस संस्था को और इस प्लेटफार्म को विस्तारित किया जाएगा, इसी के लिए राज्य सरकार सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता का सहयोग ले रही है। निश्चित रूप से हम सभी लोग आज विभिन्न सोशल मीडिया, समाचार पत्रों और सूचना तंत्रों के माध्यम से कई कलाकारों की गतिविधियों को देख रहे हैं। कोई फिल्म बना रहा है, कोई रील बना रहा है, तो कोई अलग-अलग क्षेत्र में अपनी विशेषताओं को आमजनों तक पहुंचा रहा है। यूँ कहा जा सकता है कि यह एक बहुत ही क्रिएटिव क्षेत्र है, जो आपको छोटे स्तर से एक बड़े व्यावसायिक क्षेत्र तक ले जाता है, जहाँ आप कैमरे के सामने भी होते हैं और एक बहुत बड़ी फौज कैमरे के पीछे भी होती है। व्यस्त कार्यक्रमों के बीच भी कभी कानों से सुनने तो कभी आंखों से देखने का मौका मिलता है। उक्त बातें मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय सभागार में आयोजित झारखण्ड फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड और सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता के बीच एमओयू हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखण्ड फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड और सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता के बीच एमओयू हस्ताक्षर होना एक नई यात्रा की शुरूआत है। एक ऐसी यात्रा जो झारखण्ड के प्रतिभावान फिल्मकारों और कलाकारों को नई तकनीक, विश्वस्तरीय सुविधाएं और एक नया राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगी। यह एक अविस्मरणीय और ऐतिहासिक क्षण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में कई ऐसी प्रतिभाएं हैं जो आज भी अनछुई हैं। अभी हाल में ही एक संथाली मूवी 'आंगेन' को एक बहुत बड़ा अवार्ड मिला और वे फिल्मकार भी आज यहां मौजूद हैं।

राज्य सरकार की पहल का सकारात्मक परिणाम मिले यही उद्देश्य

मुख्यमंत्री ने SRFTI, कोलकाता का जिक्र करते हुए कहा कि एक अनुभवी संस्था, जिसकी पहचान सिर्फ देश में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में है, उसकी उपयोगिता और दायरा इतना बड़ा है कि आप अपने हुनर से अपने आसपास की चीजों में बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि आज यह एक शुरूआत है और हम चाहेंगे कि आने वाले दिनों में इसका सकारात्मक परिणाम भी हम सब देखें। जिस प्रकार खेल के जगत में हमारे राज्य के नौजवान और छात्र-छात्राएं बड़े पैमाने पर देश-दुनिया में नाम कमा रहे हैं, उसी प्रकार कला के क्षेत्र में भी संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने झारखंड के परिपेक्ष में कहा कि आज डॉ० रामदयाल मुंडा जी की वह पंक्ति याद आती है, "जे नाची से बाची"। इसका मतलब है कि इस राज्य के आम लोगों के अंदर कोई न कोई कलाकार छुपा हुआ है। कई कारणों से शायद वह छुपा कलाकार बाहर नहीं आ पाता।

मुख्यमंत्री ने इन्हें किया सम्मानित

सम्मानित होने वाले फिल्म कारों में तीन बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त बीजू टोप्पो ,झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के संथाल समुदाय से आने वाले रविराज मुर्मू, जिन्हें उनकी शॉर्ट फिल्म 'आंगेन' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की घोषणा की गई है, अनुज कुमार जिनकी बहुचर्चित फिल्म 'बिलोंगिंग टू अनटचेबल गॉड एवं दी टर्टल स्टोरी' के लिए इन्हें 'कैनेडियन लेबर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड' से सम्मानित किया जा चुका है इनके साथ कुडुख फिल्म 'एडपा काना' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से नवाजे गए निरंजन कुजूर को उत्कृष्ट, ईमानदार और शानदार कला-यात्रा के लिए सम्मानित किया गया ।

10 साल में 152 पेपर लीक, 7.5 करोड़ छात्र प्रभावित, आज तक एक को भी सजा नहीं : राहुल

एजेंसी

नयी दिल्ली : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। संबोधन से पहले राहुल गांधी ने एक वीडियो चलाया। उसमें पुलिस छात्रों पर लाठी चार्ज कर रही थी। इसके बाद उन्होंने सरकार को घेरना शुरू किया। इस दौरान उन्होंने कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि देश के छात्र शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें उठा रहे हैं, लेकिन उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है, जैसे उन्होंने कोई अपराध किया हो। राहुल गांधी ने कहा कि छात्र केवल एक निष्पक्ष शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, जो उनका अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई छात्र लगातार तनाव झेल रहे हैं और पेपर लीक जैसी घटनाओं के कारण कुछ छात्रों ने आत्महत्या तक कर ली। उनके अनुसार छात्रों की आवाज सुनने के बजाय उन्हें निराशा का सामना करना पड़ रहा है।

राहुल गांधी ने कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था कभी दुनिया की सबसे बेहतर व्यवस्थाओं में गिनी जाती थी, लेकिन अब यह पूरी तरह प्रभावित हो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में 152 बार प्रश्नपत्र लीक हुए हैं, यानी औसतन हर महीने एक पेपर लीक हुआ। उन्होंने कहा कि हर बार लाखों छात्रों को फिर से परीक्षा की तैयारी करनी पड़ती है और उन्हें दोबारा उसी मानसिक दबाव से गुजरना पड़ता है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की इस परेशानी को गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने कहा कि करीब 7.5 करोड़ छात्र और उनके परिवार इन घटनाओं से प्रभावित हुए हैं, जिनमें बड़ी संख्या मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों की है। राहुल गांधी ने कहा कि सबसे गंभीर बात यह है कि पिछले 10 वर्षों में 152 पेपर लीक की घटनाएं सामने आने के बावजूद एक भी मामले में किसी को भी एक सजा नहीं हुई।

राहुल गांधी की तीन प्रमुख मांगें-

- शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपने दायित्व निभाने में विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार पेपर लीक हो रहे हैं और उन्होंने भारत की शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है। इसलिए उन्हें पद से हटाया जाना चाहिए।
- छात्रों पर कार्रवाई का आदेश देने वाले और उसे लागू करने वाले सभी लोगों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाना चाहिए।
- पूरी शिक्षा व्यवस्था के लिए आखिरकार सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने मांग की कि छात्रों के साथ जो हुआ, उसके लिए सरकार को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उनसे माफी मांगनी चाहिए।

हजारीबाग केंद्रीय कारागार में एसपी ने किया औचक निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा जेल परिसर में किसी भी प्रकार की गैरकानूनी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने बुधवार को लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारागार, हजारीबाग का औचक निरीक्षण एवं छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान दंडाधिकारी, जिले के वरीय पुलिस पदाधिकारी तथा कारागार प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहे। अचानक हुई इस कार्रवाई से जेल प्रशासन में हलचल मच गई और पूरे परिसर की सघन तलाशी ली गई। छापेमारी का मुख्य उद्देश्य जेल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाना, नशीले पदार्थों, मोबाइल फोन, धारदार हथियार एवं अन्य प्रतिबंधित सामग्रियों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगाना तथा जेल के भीतर से संचालित होने वाली किसी भी संभावित आपराधिक गतिविधि पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना था। पुलिस टीम ने कारागार के विभिन्न वार्डों, बैरकों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का बारीकी से निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कारागार अपराध संचालन का केंद्र नहीं, बल्कि सुधार का केंद्र होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जेल परिसर के भीतर किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, संगठित अपराध या अपराधियों के नेटवर्क को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाए। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक गतिविधि पर सतत निगरानी रखी जाएगी। छापेमारी के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने कारागार प्रशासन एवं उपस्थित पुलिस अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक भी की। बैठक में जेल की आंतरिक सुरक्षा, बंदियों की नियमित निगरानी, संवेदनशील कैदियों पर विशेष नजर, आगंतुकों की जांच प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था तथा सुरक्षा मानकों को और अधिक प्रभावी बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जेल की सुरक्षा व्यवस्था को समय-समय पर अपडेट किया जाए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल वरीय अधिकारियों को दी जाए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि समाज की मुख्यधारा में लौटने की इच्छा रखने वाले बंदियों को सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना भी प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसलिए सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ सुधारात्मक गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि बंदी जेल से बाहर निकलने के बाद एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में समाज में अपनी नई पहचान बना सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि तलाशी अभियान पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष एवं मानवाधिकारों के अनुरूप संचालित किया जाए। किसी भी बंदी के साथ अभद्र व्यवहार न हो तथा उनके सम्मान, मानसिक स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाए।

एक नजर

खराब सड़क के कारण पलटा ट्रेलर चालक सुरक्षित

बरही : बरही गया रोड स्थित अंडरपास के समीप बुधवार करीब 10 बजे तार बंडल लदा टेलर पलट गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार टेलर संख्या आरजे29जीबी 1132 बंगाल से तार बंडल लेकर बुलंदशहर यूपी जा रहा था। इसी क्रम में गया रोड स्थित अंडरपास के समीप खराब सड़क के कारण टेलर अनियंत्रित होकर पलट गया, हालांकि दुर्घटना के बाद चालक सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहा। चालक मो इकबाल ने बताया कि सड़क के दाहिने और ज्यादा ऊंचाई होने के कारण टेलर बाईं और झुक गया, जिससे टेलर पलट गया। टेलर पलटने के बाद बायपास और गया रोड में जाम की लंबी कतार लग गई, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बरही पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद जाम को हटाया, जिससे वाहनों का आवागमन सामान्य हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क में बने छोटे - छोटे गड्ढे इन दिनों तालाब में तब्दील हो गई है। इस सड़क की स्थिति पिछले कई महीनों से जस की तस बनी हुई है, लेकिन संबंधित विभाग मूकदर्शक बना हुआ है। कई बार गड्ढे में वाहन फंसने से वाहनों के गुल्ले टूट जाते है, जिससे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं सांसद, विधायक, एसडीओ, बीडीओ एवं सीओ सहित कई नेता मंत्री इस रोड से गुजरते है। लेकिन किसी ने अब तक सड़क मरम्मत के लिए पहल नहीं की है, जबकि इनकी थोड़ी रुचि लेने से सड़क की मरम्मत हो सकती है।

हजारीबाग एसपी ने की बरही थाना के लंबित कांडों की समीक्षा

बरही : पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग अमन कुमार ने बरही थाना में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही राधा प्रेम किशोर की उपस्थिति में थाना प्रभारी बरही बिनोद कुमार एवं थाना के सभी पुलिस पदाधिकारियों के साथ नए-पुराने सभी कांडों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान वर्ष 2025 के पूर्व एवं वर्तमान में लंबित सभी कांडों को प्राथमिकता के आधार पर अविलंब निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। साथ ही बरही थाना में लंबित सभी जमानती तथा गैरजमानती वारंट, इश्तेहार एवं कुर्की-जब्ती के निष्पादन हेतु विशेष अभियान चलाने का आदेश दिया गया। प्रत्येक सोमवार को थाना में सभी पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर लंबित मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया। अवैध मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री वाले स्थानों को चिन्हित कर उसमें शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। वहीं जमीन विवाद से संबंधित लंबित मामलों की थाना दिवस में समीक्षा कर संबंधित अंचलाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी को पत्राचार कर अग्रतर कार्रवाई करने को कहा गया।

चयकला में घर-घर पहुंचा एसआईआर अभियान

चौपारण : प्रखंड पंचायत चयकला गांव में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मतदाता सूची के अद्यतन कार्य में तेजी लाई जा रही है। इस अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) अल्पसंख्यक मोर्चा, हजारीबाग जिला समिति के जिला उपाध्यक्ष मो० अब्दुल सलाम ने ग्रामीणों के साथ मिलकर एसआईआर फॉर्म भरवाए तथा लोगों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने और संशोधन कराने के प्रति जागरूक किया। मो० अब्दुल सलाम ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर एसआईआर फॉर्म भरकर आवश्यक दस्तावेज संबंधित अधिकारियों के पास जमा करें, ताकि कोई भी योग्य मतदाता अपने मतदान अधिकार से वंचित न रहे।

मतदाता सूची शुद्धिकरण को लेकर बूथों पर विशेष बैठक, सत्यापन कार्य संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत बुधवार को बरही प्रखंड के पंचमाधव बसरिया बेसिक स्कूल स्थित मतदान केंद्रों पर विशेष बैठक आयोजित की गई। इस दौरान बूथ संख्या 332, 333 एवं 334 पर मतदाता सूची के शुद्धिकरण, सत्यापन एवं आवश्यक संशोधन का कार्य किया गया। बैठक में बूथ संख्या 333 की बीएलओ पूनम देवी, बूथ संख्या 334 की बीएलओ आशा रजक तथा बूथ संख्या 332 की बीएलओ अनीता देवी ने मतदाता सूची का गहन सत्यापन कर आवश्यक प्रविष्टियों का मिलान एवं संशोधन कराया। अभियान को सफल बनाने में वॉलिंटियर दामोदर शाह, सरस्वती देवी एवं मनोज घोष ने सक्रिय सहयोग किया। सत्यापन कार्य पूर्ण होने के बाद संशोधित मतदाता सूची संबंधित बैठक में उपस्थित लोगों के बीच प्रेषित की गई। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के बीएलए भी उपस्थित रहे। इनमें धीरेंद्र यादव, संतोष रजक एवं प्रकाश यादव शामिल थे। सभी ने मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से अपने सुझाव दिए तथा मतदाता सूची के शुद्धिकरण अभियान में सहयोग का भरोसा जताया।

मतदान केंद्र 156 व 157 पर चुनाव पाठशाला आयोजित, त्रुटिहीन मतदाता सूची पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : कांडतरी पंचायत के ग्राम महुदी के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में 22 जुलाई 2026 को मतदान केंद्र संख्या-156 और 157 पर बीएलओ, बीएलए-2, आम मतदाताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पूर्व पोलिंग एजेंटों एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की तृतीय बैठक सह चुनाव पाठशाला का आयोजन किया गया। बैठक में गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता सूची से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान अनुपस्थित, मृत तथा डुप्लीकेट मतदाताओं से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई। साथ ही ऐसे मतदाताओं के मामलों पर भी विचार-विमर्श किया गया, जिनकी मतदाता सूची मैपिंग अब तक पूरी नहीं हो सकी है। बैठक में उपस्थित सभी लोगों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों से अवगत कराते हुए बताया गया कि आयोग का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक की सही पहचान सुनिश्चित करना तथा पूरी तरह त्रुटिहीन, पारदर्शी एवं अद्यतन मतदाता सूची तैयार करना है। इसके लिए सभी संबंधित पक्षों से सहयोग करने और आवश्यक जानकारी समय पर उपलब्ध कराने की अपील की गई। इस अवसर पर मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता सूची के महत्व, नाम जोड़ने, संशोधन एवं विलोपन की प्रक्रिया सहित अन्य आवश्यक जानकारियां भी दी गईं। उपस्थित लोगों ने भी अपने सुझाव एवं समस्याएं साझा कीं, जिन पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

महुदी-पलांडू सड़क बदहाल, जर्जर पुलियों से हादसे का खतरा बढ़ा

ईश्वर कुमार

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड को हेंदेगिर रेलवे स्टेशन से जुड़ने वाली मुख्य कालीकरण सड़क एवं कई पुलिया काफी जर्जर हो गई है। ग्राम महुदी से लेकर पलांडू तक यह मुख्य सड़क बड़े-बड़े गड्ढे में तब्दील हो गई है, जिससे लोगों के साथ-साथ खासकर स्कूली बच्चे - बच्चियों को आवागमन करने में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य रूप से ग्राम महुदी, सतबहिया, पलांडू, कुंदरू, चेलंदाग, लोहरसा, हेंदेगिर आदि दर्जनों गांव के बच्चों को इसी एक मात्र सड़क के सहारे शिवाडीह उच्च विद्यालय या बड़कागांव उच्च विद्यालय पढ़ाई-लिखाई करने के लिए आना-जाना करना पड़ता है। पर दर्जनों स्थानों पर सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं और गड्ढों में बरसात का पानी भर गया है। जिससे आए दिन आवागमन करने वाले कई राहगीर गिर जाते हैं। उन्हें चोट के साथ-साथ उनके कपड़े भी गंदे हो जाते हैं। और खास करके स्कूली बच्चों का ड्रेस भी गंदा हो जाता है। जिससे काफी परेशानी होती है। वहीं इस सड़क में कई पुल पुलिया ऐसे हैं जो पूरी तरह से जर्जर हो गया है। कभी भी पुलिया टूट सकती है और इससे आवागमन बंद हो सकता है। पीछे वर्ष भी सतबहिया डैम के पास एक पुलिया पूरी तरह से टूट गया था। जिससे कई दिनों तक आवागमन बंद हो गई थी। विधायक रोशन लाल चौधरी के पहल पर उक्त पुलिया को फिलहाल चलने लायक बनवाया गया। पर ऐसे कई पुलिया है जो पूरी तरह से जर्जर हो गया है। इसलिए मांग किया गया है कि उत्क्रमित मध्य विद्यालय महुदी से लेकर उत्क्रमित मध्य विद्यालय पलांडू तक सड़क के साथ-साथ जर्जर सभी पुल पुलिया का निर्माण कराया जाए। सड़क एवं पुल पुलिया निर्माण की मांग करने वालों में मुख्य रूप से तलसवार पंचायत मुखिया गीता देवी, कांडतरी पंचायत प्रभारी मुखिया राजदेव महतो, पूर्व मुखिया पारसनाथ प्रसाद, भवानी प्रसाद दांगी, सुरेंद्र प्रसाद दांगी, राजनाथ कुमार दांगी, मोहित कुमार दांगी, तनवीर आलम इमरान अंसारी, खेमलाल राम कामेश्वर महतो, नारायण ठाकुर बागेश्वर राणा शहीद दर्जनों लोगों ने सड़क मांग किया है।

बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक भोजन को दें प्राथमिकता : डॉ. अमन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : राष्ट्रीय जंक फूड दिवस के अवसर पर हजारीबाग के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ (चाइल्ड स्पेशलिस्ट) डॉ. अमन ने अभिभावकों से बच्चों के खान-पान को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आज के समय में बच्चों का झुकाव तेजी से जंक फूड की ओर बढ़ रहा है, जो उनके शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। यदि समय रहते इस आदत पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में बच्चों में कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। डॉ. अमन ने बताया कि बाजार में आसानी से मिलने वाले पिज्जा, बर्गर, फ्रेंच फ्राइज, चिप्स, नूडल्स, पैकेटबंद स्नैक्स, चॉकलेट, कैंडी, कोल्ड ड्रिंक और अधिक चीनी वाले पेय पदार्थ बच्चों को आकर्षित करते हैं। इनमें अत्यधिक मात्रा में नमक, चीनी, ट्रांस फैट, कृत्रिम रंग और प्रिजर्वेटिव मौजूद होते हैं, जो बच्चों के शरीर के लिए नुकसानदायक हैं। लगातार इनका सेवन करने से मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, दांतों की सड़न, पेट संबंधी समस्याएं, विटामिन और आयरन की कमी जैसी बीमारियां कम उम्र में ही देखने को मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के बेहतर विकास के लिए घर का ताजा और संतुलित भोजन सबसे उपयुक्त है। सुबह का पौष्टिक नाश्ता, दूध, दही, दाल, हरी सब्जियां, मौसमी फल, अंडा, अंकुरित अनाज, सूखे मेवे और पर्याप्त मात्रा में पानी बच्चों के दैनिक आहार का हिस्सा होना चाहिए।

अदाणी फाउंडेशन ने 80 टीबी मरीजों को वितरित की पोषण आहार किट

टीबी बीमारी से लड़ने में पौष्टिक आहार की भूमिका महत्वपूर्ण : सीएसआर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : गोंदुलपारा खनन परियोजना के तहत अदाणी फाउंडेशन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम टीबी न्यूट्रिशन किट वितरण शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से किया गया, जिसमें सीनियर टीबी सुपरवाइजर दीपक कुमार और परियोजना के सुरक्षा प्रमुख वीपी सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर 80 टीबी मरीजों के बीच पोषक आहार किट का वितरण किया गया। किट में मरीजों के बेहतर पोषण एवं शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के दौरान सीएसआर विभाग की ओर से बताया गया कि टीबी जैसी बीमारी से लड़ने में नियमित उपचार के साथ-साथ संतुलित एवं पौष्टिक आहार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस दौरान मरीजों से उपचार को बीच में न छोड़ने तथा टीबी के प्रति जागरूकता फैलाने का भी आग्रह किया। अदाणी फाउंडेशन की सीएसआर टीम ने स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर फाउंडेशन का उद्देश्य टीबी उन्मूलन अभियान को मजबूती प्रदान करते हुए स्थानीय समुदाय के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार लाना है। गौरतलब है कि गोंदुलपारा खनन परियोजना के तहत अदाणी फाउंडेशन बड़कागांव क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, महिला सशक्तिकरण एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। फाउंडेशन द्वारा टीबी पोषण किट वितरण, निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर, ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने की पहल, पेयजल एवं स्वच्छता संबंधी कार्य, कृषि एवं आजीविका संवर्धन कार्यक्रम, खेल एवं युवा विकास गतिविधियां तथा विभिन्न सरकारी विभागों के सहयोग से अनेक जनकल्याणकारी कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। अदाणी फाउंडेशन का उद्देश्य स्थानीय समुदाय के स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका को सुदृढ़ बनाते हुए क्षेत्र के समग्र एवं सतत विकास में सक्रिय योगदान देना है।

संक्षिप्त खबरें

नीट में परचम लहराने वाले संजीत कुमार के घर पहुंचे मुन्ना सिंह, किया सम्मानित

हजारीबाग : कड़ी मेहनत, अटूट लगन और बुलंद हौसलों से सफलता की नई इबारत लिखने वाले हजारीबाग जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत नगवां निवासी स्वर्गीय मंटू प्रसाद मेहता के सुपुत्र संजीत कुमार ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में शानदार सफलता हासिल कर न केवल अपने माता-पिता का सपना साकार किया, बल्कि पूरे हजारीबाग जिले का गौरव भी बढ़ाया है। संजीत की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी की लहर है और लगातार उन्हें शुभकामनाएं मिल रही हैं। इसी क्रम में पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह स्वयं संजीत कुमार के नगवां स्थित आवास पहुंचे। उन्होंने संजीत को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया, मिठाई खिलाकर बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर इस सफलता के लिए उन्हें भी शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। मुन्ना सिंह ने कहा कि आज के दौर में प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना आसान नहीं है। लाखों अभ्यर्थियों के बीच अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर स्थान बनाना बड़ी उपलब्धि है। संजीत कुमार ने यह साबित कर दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, मेहनत ईमानदार हो और आत्मविश्वास अटूट हो, तो कोई भी मंजिल असंभव नहीं रहती। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवेश से निकलकर राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में सफलता प्राप्त करना इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर या संसाधनों की मोहताज नहीं होती। सही दिशा, निरंतर प्रयास और परिवार का सहयोग मिले तो गांव का बेटा भी देश के सर्वोच्च संस्थानों तक पहुंच सकता है। मुन्ना सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि संजीत कुमार आने वाले समय में एक सफल चिकित्सक बनकर मानवता की सेवा करेंगे और अपने ज्ञान व समर्पण से समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज के उज्ज्वल भविष्य का सम्मान है। इस अवसर पर संजीत कुमार के परिजन, स्थानीय गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्र के अनेक लोग उपस्थित रहे। सभी ने उनकी सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं।

एसआईआर को लेकर बीएलओ, बीएलए की बैठक सह चुनाव पाठशाला का हुआ आयोजन

बरही : एसआईआर को लेकर परियोजना बालिका उच्च विद्यालय बरही में बीएलओ, बीएलए की बैठक सह चुनाव पाठशाला का आयोजन किया गया। बैठक सह चुनाव पाठशाला में शामिल होकर बीडीओ जयपाल महतो ने बैठक की कार्यवाही का निरीक्षण किया। बैठक में नियमों के तहत अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत मतदाताओं के नाम हटाने के बाद सभी नामों का सत्यापन कर सदस्यों को सुनाया गया। बीडीओ ने सभी बीएलओ को निर्देश दिया कि घर-घर जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करें। किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जाए। बैठक सह चुनाव पाठशाला में बीएलओ, बीएलए, प्रतिनिधि, शिक्षक एवं विद्यालय की छात्राएं मौजूद थीं। बीडीओ ने सभी बीएलओ से शत-प्रतिशत त्रुटिरहित मतदाता सूची निर्माण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। चुनाव पाठशाला के माध्यम से भावी मतदाताओं को लोकतंत्र, मतदान के महत्व तथा निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी देकर जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को मतदाता बनने की पात्रता, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया, नैतिक मतदान और जिम्मेदार नागरिक के कर्तव्यों के बारे में बताया गया।

बी.एम. मेमोरियल स्कूल में राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस मनाया गया

बड़कागांव : बड़कागांव बी.एम. मेमोरियल स्कूल में राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में कार्यक्रम की अध्यक्षता उप निदेशक दिनकर कुशवाहा व संचालन शिक्षक अभिषेक कश्यप ने किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रध्वज के सम्मान के साथ की गई। इसके बाद विद्यालय के सामाजिक विज्ञान के शिक्षक ऋषभ अग्रवाल ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास, महत्व एवं सम्मान से जुड़े नियमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया था, इसलिए यह दिन राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस के रूप में विशेष महत्व है। मौके पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, भाषण एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव की रक्षा करने तथा राष्ट्रीय ध्वज का सदैव सम्मान करने का संकल्प लिया। विद्यालय के प्राचार्य कैलाश कुमार एवं उपप्राचार्य पूनम कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता, शौर्य, त्याग और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए जिम्मेदार एवं आदर्श नागरिक बनने का आह्वान किया।

सरकार के खिलाफ भाजयुमो की जन आक्रोश रैली, कार्यकर्ताओं ने दिखाई एकजुटता

कटकमसांडी : भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की ओर से मंगलवार को राज्य सरकार की नीतियों एवं विभिन्न जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर जन आक्रोश रैली का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ताओं एवं भाजपा नेताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने हेमंत सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते हुए जनहित के विभिन्न मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया। रैली में कटकमसांडी पूर्वी मंडल की ओर से भी उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। कटकमसांडी पूर्वी मंडल अध्यक्ष प्रकाश कुशवाहा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल रैली में शामिल हुआ। उनके साथ दीपक मेहता, जितेंद्र प्रजापति, अजय राणा सहित मंडल के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर रैली में सहभागिता निभाई और संगठन की मजबूती का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकताओं ने राज्य सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपेक्षित गति से काम नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं, किसानों, महिलाओं और आम नागरिकों से जुड़े विषयों पर सरकार को गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता है। रैली के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने जनभावनाओं को सरकार तक पहुंचाने का प्रयास किया।

एक नजर

आईपीएस अन्नेपु विजयालक्ष्मी व चंदन कुमार झा का केंद्रीय प्रतिनियुक्ति

रांची : झारखंड कैडर के दो वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों का केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने के लिए राज्य सरकार ने विरमित कर दिया है। वर्ष 2006 बैच की आईपीएस अधिकारी अन्नेपु विजयालक्ष्मी और वर्ष 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी चंदन कुमार झा अब केंद्रीय सुरक्षा बलों में जिम्मेदारी संभालेंगे। गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश के बाद झारखंड पुलिस महानिदेशक कार्यालय की ओर से दोनों अधिकारियों को विरमित करने का आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है।
वर्तमान में झारखंड में आईजी प्रशिक्षण के पद पर कार्यरत 2006 बैच की आईपीएस अधिकारी अन्नेपु विजयालक्ष्मी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में आईजी के पद पर योगदान देंगी।

डीएसपीएमयू में सीट कटौती पर विवाद गहराया

रांची : डीएसपीएमयू में सीट कटौती को लेकर शुरू हुआ विवाद अब और गहरा गया है। बुधवार को विभिन्न छात्र संगठनों के कार्यकर्ता कुलपति कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए और कुलपति के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए सीटों की संख्या बढ़ाने तथा विश्वविद्यालय में कथित अनियमितताओं को दूर करने की मांग की। एक तरफ छात्र संगठन विश्वविद्यालय प्रशासन मुदार्बाद के नारे लगाए वहीं दूसरी तरफ विश्वविद्यालय शिक्षकों ने छात्र संघ मुदार्बाद के नारे लगाए। दूसरी ओर, विश्वविद्यालय के शिक्षक कुलपति के समर्थन में एकजुट होकर मौके पर पहुंचे।

NOTICE

I, **Mobin Ansari**, Son of Maniruddin Ansari, Resident of Road Side Bangla Toli, Pundag, Ranchi, Jharkhand – 834004, do hereby declare by Affidatvit no.- 23241, Sl no.- 12, Dated- 15-07-2026 are as follows:-
1. That my correct and actual name is **Mobin Ansari** and my correct Date of Birth is **01.01.1973**, as recorded in my Aadhaar Card (Aadhaar No. ending 4683).
2. In my Indian Passport bearing No. N5035511, my name has been erroneously mentioned as Movin Ansari and my Date of Birth has been incorrectly recorded as **05.03.1977**.
3. The my correct Name is Mobin Ansari and my Correct Date of Birth is **01.01.1973**.
4. Henceforth, I shall be known and identified as **Mobin Ansari**, Date of Birth **01.01.1973**, for all official and legal purposes.

NOTICE

I, **Kuraisa Khatun**, Wife of **Usman Ansari**, Resident of H. No. 104B, Near I.S.M. Char Gharwa, Pundag, Ranchi, Jharkhand – 834004, do hereby declare by Affidavit no.- 23242, sl no.- 13, Dated 15- 07-2026 are as follows:-
1. That my correct and actual name is **Kuraisa Khatun**.
2. In my Indian Passport bearing No. J4281320, my name has been mistakenly recorded as **Quraisha Khatoon** and my husband's name as **Mohammad Usman Ansari**.
3. My correct name is **Kuraisa Khatun** and my husband's correct name is **Usman Ansari**, as recorded in my Aadhaar Card no.- 271266750800. My actual Date of Birth is **01.01.1961.**
4. Henceforth, I shall be known and identified by the name **Kuraisa Khatun**, Wife of **Usman Ansari**, for all purposes.

झारखंड में जल्द शुरू होगा पूर्वी भारत का पहला सरकारी एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग संस्थान

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन नवंबर में राज्य स्थापना दिवस पर करेंगे पाठ्यक्रमों का शुभारंभ

- झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट और वेन्योर के बीच एमओयू, एयर होस्टेस प्रशिक्षण के लिए एआईएसईसीटी से भी करार
- झारखंड समेत पड़ोसी राज्यों के युवाओं को मिलेगा स्थानीय स्तर पर आधुनिक विमानन प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड जल्द ही पूर्वी भारत का पहला ऐसा राज्य बनने जा रहा है, जहां सरकारी स्तर पर एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग (एएमई) और एयर होस्टेस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित होंगे। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की पहल और मार्गदर्शन में झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट ने इन पाठ्यक्रमों की शुरूआत की तैयारी पूरी कर ली है। दोनों कोर्सों का औपचारिक शुभारंभ नवंबर में राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री करेंगे।

एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग (एएमई) पाठ्यक्रम के संचालन के लिए झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट ने दिल्ली की संस्था मेसर्स वेन्योर के साथ एमओयू किया है। वहीं, एयर होस्टेस प्रशिक्षण के लिए एआईएसईसीटी लिमिटेड, भोपाल के साथ करार किया गया है। इन पाठ्यक्रमों का संचालन धनबाद स्थित झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के आधारभूत ढांचे पर पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत किया जाएगा।
राज्य सरकार के अनुसार, इन पाठ्यक्रमों के शुरू होने से झारखंड के साथ-साथ बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ सहित पड़ोसी राज्यों के युवाओं को विमानन क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए दूर-दराज के राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी।
एएमई पाठ्यक्रम में 60 सीटें निर्धारित की गई हैं। यह तीन वर्षीय कोर्स होगा, जिसकी कुल फीस 6 लाख रुपये होगी। शुल्क का भुगतान तीन वार्षिक किस्तों में 2-2 लाख रुपये के रूप में किया जाएगा।
एयर होस्टेस प्रशिक्षण के तहत छह माह और 12 माह अवधि के दो पाठ्यक्रम संचालित होंगे। दोनों में 60-60 सीटें उपलब्ध रहेंगी। छह माह के कोर्स की फीस 1,00,500 रुपये तथा 12 माह के डिप्लोमा कोर्स की फीस 1,55,500 रुपये निर्धारित की गई है। इस शुल्क में ड्रेस, ग्रूमिंग किट और स्विमिंग प्रशिक्षण भी शामिल रहेगा।
पाठ्यक्रमों का संचालन नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की अनुमति मिलने के बाद शुरू किया जाएगा। एयर होस्टेस प्रशिक्षण के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 जुलाई निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट की वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।
झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के प्रबंध निदेशक कैप्टन एस.पी. सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर विमानन क्षेत्र में राज्य के युवाओं को नए अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग और एयर होस्टेस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम झारखंड के लिए मील का पत्थर साबित होंगे तथा देश में विमानन क्षेत्र के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

झारखंड के केवल सात जिलों में हुई सामान्य बारिश

रांची : झारखंड में मानसून की रफ्तार अब भी असमान बनी हुई है। राज्य के 24 जिलों में से अब तक केवल सात जिलों में सामान्य वर्षा दर्ज की गई है, जबकि छह जिलों में बारिश की स्थिति बेहद खराब बनी हुई है। इन जिलों में सामान्य से 40 से 60 प्रतिशत तक कम वर्षा रिकॉर्ड की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, रांची, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, साहिबगंज, दुमका और धनबाद ऐसे जिले हैं, जहां अब तक सामान्य वर्षा दर्ज की गई है। विभाग के मानकों के अनुसार सामान्य से 20 प्रतिशत तक कम वर्षा को सामान्य श्रेणी में माना जाता है। इसके विपरीत गढ़वा, चतरा, देवघर, गोड्डा, पाकुड़ और कोडरमा में वर्षा की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

रिम्स में एक साथ कई नई स्वास्थ्य सुविधाओं की शुरूआत, 94 सहायक प्राध्यापकों की होगी भर्ती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रिम्स में बुधवार को मरीजों और मेडिकल छात्रों के लिए कई नई सुविधाओं की शुरूआत की गई। नए अकादमिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में डिजिटल मैमोग्राफी, सेंट्रल लेबोरेटरी, BSNL की ओर से संचालित Wi-Fi और CCTV कमांड कंट्रोल रूम, ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी ऑपरेशन थिएटर, e-Sushrut HMIS Jharkhand और ऑनलाइन मरीज अपॉइंटमेंट सिस्टम का उद्घाटन किया गया। इस दौरान रिम्स में नई नियुक्ति पाने वाले फैकल्टी सदस्यों को नियुक्ति पत्र भी दिए गए।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य सरकार रिम्स को देश के प्रमुख मेडिकल संस्थानों में शामिल करना चाहती है। उन्होंने कहा कि नई फैकल्टी के आने से पढ़ाई और मरीजों के इलाज की गुणवत्ता बेहतर होगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जल्द ही 94 सहायक प्राध्यापकों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया जाएगा।
कांके विधायक और रिम्स गवर्निंग बॉडी के सदस्य सुरेश बैठा ने कहा कि रिम्स आज झारखंड की पहचान बन चुका है। उन्होंने कहा कि भविष्य की जरूरतों को देखते हुए रिम्स-2 की स्थापना जरूरी है। इससे राज्य के लोगों को और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।
स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि सरकार रिम्स में डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने, आधुनिक मशीनें लगाने, डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने पर लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नई नियुक्तियां और रिम्स-2 जैसी योजनाएं राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई पहचान देंगी।
रिम्स के निदेशक प्रो. (डॉ.) डी. के। सिन्हा ने कहा कि संस्थान लगातार चिकित्सा शिक्षा, शोध और मरीजों को बेहतर इलाज देने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि MBBS की 250 सीटों की मंजूरी, नई स्वास्थ्य सुविधाएं, फैकल्टी की नियुक्तियां और जल्द होने वाली 94 सहायक प्राध्यापकों की भर्ती रिम्स के विकास में अहम कदम हैं।

भाजयुमो ने 14वीं जेपीएससी परीक्षा के नतीजे रद करने और सीबीआई जांच की मांग को लेकर किया घेराव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) झारखंड प्रदेश के नेतृत्व में बुधवार को राज्य के सभी जिलों से पहुंचे युवा कार्यकताओं ने 14वीं जेपीएससी परीक्षा परिणाम में कथित धांधली, भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के विरोध में राज्यस्तरीय प्रदर्शन करते हुए जेपीएससी कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार और आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा 14वीं जेपीएससी परीक्षा परिणाम को रद कर पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग उठाई।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने जेपीएससी जैसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने के बजाय युवाओं से आवेदन शुल्क लेकर उनकी मेहनत की कमाई का दुरुपयोग किया गया और रोजगार को एक व्यापार बना दिया गया। शशांक राज ने आरोप लगाया कि राज्य के लाखों युवाओं के भविष्य और सपनों के साथ खिलवाड़ किया गया है। झारखंडी युवाओं के अधिकारों का हनन कर नौकरियों की खरीद-फरोख्त का खेल खेला गया है, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।
उन्होंने कहा कि भाजयुमो द्वारा निकाले गए मशाल जुलूस और राज्यव्यापी जनाक्रोश के दबाव में जेपीएससी अध्यक्ष से जल्दबाजी में इस्तीफा लिया गया। उनके अनुसार यदि पूरी भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी थी तो अध्यक्ष को पद छोड़ने की आवश्यकता क्यों पड़ी। उन्होंने कहा कि यह घटनाक्रम पूरे मामले को और अधिक संदेहास्पद बनाता है।
भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य सरकार द्वारा कराई जा रही सीआईडी जांच और पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब जांच एजेंसियां राज्य सरकार के अधीन कार्य करती हैं, तब निष्पक्ष जांच की उम्मीद करना कठिन है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से की जा रही कार्रवाई केवल जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास है। भाजयुमो की मांग है कि पूरे भर्ती प्रकरण की सीबीआई से जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

सावन महोत्सव मेले में नेत्रदान जागरूकता अभियान चला

रांची : अग्रवाल सभा रांची की महिला समिति शाखा के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित 27वें तीन दिवसीय सावन महोत्सव मेले के दूसरे दिन बुधवार को नेत्रदान जागरूकता अभियान और सावन सिंधारा झूलोत्सव का आयोजन किया गया। सामाजिक जागरूकता और सांस्कृतिक उल्लास से जुड़े इस आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं और शहरवासियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर रोशनी खलखो और उपमहापौर नीरज कुमार उपस्थित रहे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने नेत्रदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक लोगों से इस पुनीत कार्य के लिए आगे आने की अपील की।

झारखंड में स्लॉटर हाउस नियमावली पर सरकार ने मांगा एक माह का समय, हाई कोर्ट में 20 अगस्त को होगी अगली सुनवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने राजधानी रांची सहित राज्यभर में दुकानों पर खुलेआम कटे हुए बकरे और चिकन के प्रदर्शन एवं बिक्री के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर बुधवार को सुनवाई की। इस दौरान राज्य सरकार ने स्लॉटर हाउस (वधशाला) के संचालन के लिए नियमावली (रूल्स एंड रेगुलेशंस) तैयार करने के लिए एक माह का समय मांगा। अदालत ने सरकार का पक्ष सुनने के बाद मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 अगस्त की तिथि निर्धारित की है।

मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ के समक्ष राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि स्लॉटर हाउस के लिए नियमावली का मसौदा तैयार कर वित्त विभाग को भेज दिया गया है। वित्त विभाग से मंजूरी मिलने के बाद इसे कैबिनेट की स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। सरकार ने इस पूरी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए न्यायालय से एक माह का समय देने का आग्रह किया।
सरकार की दलील पर विचार करने के बाद खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त को निर्धारित की। अदालत ने संकेत दिया कि अगली सुनवाई के दौरान नियमावली तैयार करने की दिशा में हुई प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी।
उल्लेखनीय है कि इस मामले में श्यामानंद पांडेय ने जनहित याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि रांची सहित राज्य के विभिन्न शहरों में अनेक मीट विक्रेता दुकानों के बाहर खुलेआम कटे हुए बकरे और चिकन का प्रदर्शन करते हुए उनकी बिक्री करते हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह व्यवस्था खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं है।
याचिका में यह भी कहा गया है कि खुले में मांस का प्रदर्शन और बिक्री संबंधित नियमों एवं दिशानिर्देशों के विपरीत है। साथ ही, यह उच्चतम न्यायालय द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का भी उल्लंघन है। याचिकाकर्ता ने अदालत से राज्य सरकार को इस संबंध में स्पष्ट नियम लागू करने तथा खुले में मांस के प्रदर्शन और बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

घर में घुसकर व्यक्ति की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

रांची : राजधानी रांची के सदर थाना क्षेत्र स्थित कोकर के खोरहाटोली में बुधवार सुबह एक व्यक्ति की हत्या का मामला सामने आया है। अपराधियों ने घर में सो रहे रमेश ठाकुर की लोहे के औजार 'पलाश' से सिर पर वार कर हत्या कर दी। परिजनों की सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, रमेश ठाकुर मंगलवार रात अपने कमरे में अकेले सो रहे थे। बुधवार सुबह जब परिजनों ने कमरे का दरवाजा खोला तो उनका शव खून से लथपथ अवस्था में पड़ा मिला। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि रमेश ठाकुर के दो मकान एक-दूसरे के समीप स्थित हैं। इनमें से एक मकान किराये पर दिया गया है, जबकि उसी मकान में उन्होंने अपने लिए एक कमरा सुरक्षित रखा था, जहां वह रात में सोते थे। पुलिस किरायेदारों सहित आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, रमेश ठाकुर पहले जमीन के कारोबार से जुड़े थे। हाल के दिनों में वह झाड़-फूंक का काम भी करते थे। पुलिस उनके पुराने विवाद, व्यक्तिगत संबंध और अन्य संभावित कारणों की भी जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमलावरों ने लोहे के औजार 'पलाश' से रमेश ठाकुर के सिर पर कई वार किए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं और फॉरेंसिक जांच भी कराई जा रही है।

भाजपा का कांग्रेस ऑफिस घेराव नाकामियों से ध्यान भटकाने की कोशिश : कांग्रेस

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने भाजपा के पार्टी कार्यालय घेराव पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी ने कहा है कि यह आंदोलन नहीं, बल्कि केंद्र सरकार की नाकामियों और जनविरोधी नीतियों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश है। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि भाजपा पिछले 12 वर्षों से केंद्र की सत्ता में है। लेकिन महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक, किसानों की समस्याओं और सरकारी संस्थानों के दुरुपयोग जैसे मुद्दों पर जवाब देने के बजाय विपक्ष को निशाना बना रही है। कांग्रेस ने दावा किया कि भाजपा के घेराव कार्यक्रम का कांग्रेस कार्यकताओं ने मजबूती से जवाब दिया। पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता बारिश में भी कांग्रेस कार्यालय के बाहर डटे रहे और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकताओं ने चंदा चोर वापस जाओ, छात्रों की हत्यारी सरकार शर्म करो और धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो जैसे नारे लगाए। राकेश सिन्हा ने कहा कि भाजपा यह भ्रम न पाले कि कांग्रेस कार्यालयों का घेराव कर वह कांग्रेस की आवाज दबा सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के संघर्ष का रहा है और पार्टी का कोई भी कार्यकर्ता दबाव में आने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा को पहले जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए। युवाओं के लिए रोजगार, पेपर लीक, महंगाई और किसानों से किए गए वादों पर सरकार जवाब देने से बच रही है। इन मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए कांग्रेस को निशाना बनाया जा रहा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष को दबाने की राजनीति कर रही है। पार्टी ने कहा कि कांग्रेस संविधान, सामाजिक न्याय और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करती रहेगी और भाजपा की हर अलोकतांत्रिक कार्रवाई का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगी।

एलन रांची ने किया नीट के झारखंड टॉपर सुहर्ष का अभिनन्दन

रांची : एलन रांची की ओर से नीट-यूजी में झारखंड टॉप करने वाले एलन के क्लासरूम स्टूडेंट सुहर्ष कुमार गुप्ता एवं परिजनों का स्वागत व अभिनन्दन किया गया। एलन रांची सेंटर पर आयोजित इस समारोह में सेंटर हेड हेमंत योगी ने सुहर्ष कुमार गुप्ता को सफलता पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सुहर्ष एलन का क्लासरूम स्टूडेंट है और पूरे झारखंड के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि कोटा की तर्ज पर आने वाले वर्षों में एलन रांची से भी बेहतर परिणाम आएंगे। यहां जेईई व नीट डिवीजन की शुरूआत के साथ ही स्टूडेंट्स व पेरेन्ट्स ने विश्वास जताया है। झारखंड स्टेट टॉपर सुहर्ष कुमार गुप्ता ने नीट-यूजी में ऑल इंडिया रैंक-455 प्राप्त कर झारखंड राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया। पूरे राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार से आने वाले सुहर्ष ने अपनी सफलता की यात्रा साझा करते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पण, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का महत्व समझाया। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों के सभी प्रश्नों का धैर्यपूर्वक उत्तर दिया और अपनी तैयारी के अनुभव साझा किए।

मालती वेलफेयर फाउंडेशन ने 89वीं जयंती पर किया पौधरोपण, बांटे पौधे

सवैया गांव (ओरमांझी) : मालती वेलफेयर फाउंडेशन सोसाइटी की ओर से स्वर्गीय मालती देवी की 89वीं जयंती के अवसर पर सवैया गांव, ओरमांझी में विशेष पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्था के सदस्यों ने पौधरोपण किया तथा स्थानीय ग्रामीणों के बीच पौधों का वितरण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संस्था की अध्यक्ष संध्या रानी भगत ने बताया कि यह कार्यक्रम उनकी माता स्वर्गीय मालती भगत की 89वीं जयंती की स्मृति में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि मानव सेवा करना ही मनुष्य जीवन का सर्वोत्तम उद्देश्य है। साथ ही उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम में संस्था की सचिव साक्षी उरांव, डॉ. जया भगत, तेजस उरांव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

कोडरमा में नीति तारा की शुरूआत

पंचायत स्तर के आंकड़ों से बनेगी विकास योजनाओं की रणनीति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : नीति आयोग के आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत कोडरमा जिले में बुधवार को नीति तारा (ट्रांसफॉर्मेशन, एक्शन, रिजल्ट्स एंड एनालिटिक्स) की शुरूआत की गई। समाहरणालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अपर समाहर्ता संजय पीएम कुजूर ने इसका शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि नीति तारा पहल के माध्यम से पंचायत स्तर के आंकड़ों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर विकास योजनाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणाम आधारित बनाया जाएगा।

स्वास्थ्य, शिक्षा समेत कई क्षेत्रों का होगा आकलन

अपर समाहर्ता ने बताया कि नीति तारा के जरिए स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, पेयजल, स्वच्छता, आवास और आजीविका जैसी मूलभूत सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन किया जाएगा। इससे पिछड़े क्षेत्रों, जरूरतमंद परिवारों और सुविधाओं से वंचित बस्तियों की पहचान कर स्थानीय जरूरतों के अनुसार ग्राम पंचायत विकास योजनाएं तैयार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से सरकारी योजनाओं की नियमित समीक्षा, विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल और समस्याओं के जल्द समाधान में भी सहायता मिलेगी।

मरकच्चो और जयनगर प्रखंडों से होगी शुरूआत

प्रारंभिक चरण में नीति तारा का संचालन जिले के मरकच्चो और जयनगर आकांक्षी प्रखंडों में किया जाएगा। इसके सफल क्रियान्वयन के बाद इसे चरणबद्ध तरीके से जिले के अन्य प्रखंडों और पंचायतों तक विस्तार दिया जाएगा। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधीक्षक अजय कुमार, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुजूर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और आकांक्षी प्रखंडों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

लाया थारी चुनरी कर लो मां श्रृंगार....

जीण माता का मंगल पाठ में शिव वाटिका में हुआ आयोजन, गुप्त 9 कन्या का पूजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : जीण माता समिति के तत्वाधान में शिव वाटिका में मां जीण माता सहित विभिन्न देवी देवताओं का दरबार सजाया गया। इस अवसर पर ज्योत के साथ मंगल पाठ का आयोजन हुआ। पूजा अर्चना पंडित सत्यनारायण शास्त्री एवं वाराणसी के गुंजन पांडे के द्वारा मंत्रोचारण के साथ कराया गया। यजमान के रूप में मधु रमेश कंदोई शामिल हुए। मंगल पाठ में घाटशिला से आई कथावाचक खुशी शर्मा, संदीप गुप्ता ने चुनरी उत्सव, मेहंदी उत्सव, गजरा उत्सव पर व्याख्यान दिया तीन घंटे तक चले इस मंगल पाठ में जीण माता के शिक्षा-दीक्षा से लेकर हर पहलू पर पाठ की गूंज शिव वाटिका में सुनाई दी। राजस्थान के त्रिदेव खाटूश्याम श्री राणीसती दादीजी सालासर बाबा के भजन से कार्यक्रम स्थल गूंजता रहा गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इसके बाद पितर देव जी महाराज, वीर हनुमान, बाबा भोलेशंकर सहित अन्य देवी देवताओं का अनुष्ठान हुआ। कार्यक्रम स्थल पर दरबार सज्जा आकर्षक का केंद्र बिंदु रहा। मंगल पाठ में लाया थारी चुनरी करलो मां श्रृंगार... मेंहदी हाथा में लागी चुनरी माथा पर मैया है ब्यूटीफुल..., म्हारी मैया जी ने पैरावां गजरों आज... मेंहदी रची हाथां में मैया के नाम की...., मंगल भवन या मंगल हारी...जिन माता भवानी...., आओ आओ भोग लगावां....आयो सांवरियो सरकार...., वीर हनुमाना अति बलवाना राम राम रटीयों जी....., जैसे भजनों पर श्रद्धालु भक्त भक्ति के सागर में गोता लगाते रहे। मंगल पाठ के बाद आरती का आयोजन किया गया। वहीं गुप्त नवरात्रा को लेकर 9 कन्याओं एक भैरऊ जी जीण माता के भ्राता हर्षनाथ जी का चरण धोकर आशीर्वाद लिया। वहीं उन्हें प्रसाद एवं उपहार देकर अपने आप को धन्यधान माना मंगल पाठ में 151 महिलाएं राजस्थानी भेषभूषा में शामिल हुए इस दौरान जय जीण माता के जयकारों से गुंजामान होता रहा शिव वाटिका। शिव वाटिका के संचालक सुजीत लोहानी ने कहा कि झुमरीतिलैया में पहली बार जीण माता का यह कीर्तन भक्तों के लिए एक अच्छा प्रयास हुआ है और गुप्त नवरात्रा में भी माता दुर्गा की पूजा अर्चना हुई। कार्यक्रम में प्रसाद के रूप में मीठा चावल, खीर पुडा, हलवा, चना सहित सवा मणी का प्रसाद के भोग का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कैलाश चौधरी, रमेश कंदोई, महेश दारुका, प्रदीप कंदोई, अरविंद चौधरी, बिनोद पिलानिया, विपुल चौधरी, दीपक दारुका, सुनील लोहिया, विवेक सहल, अनूप कंदोई, प्रदीप अग्रवाल, चंद्रशेखर जोशी, प्रदीप खाटूवाला आदि ने मुख्य भूमिका निभायी।

टीबी मुक्त कोडरमा अभियान तेज, 9 दिनों में 458 लोगों की एक्स-रे स्क्रीनिंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : राज्य यक्ष्मा कार्यालय, झारखंड के निर्देश पर कोडरमा जिले को अगले चार माह में टीबी मुक्त कोडरमा बनाने के लक्ष्य के साथ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन से व्यापक टीबी स्क्रीनिंग और इलाजरत मरीजों के घर-घर जाकर संपर्क में आए लोगों की जांच की जा रही है।

जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. रमण कुमार के निर्देशन में 14 से 22 जुलाई तक जयनगर प्रखंड के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों, पंचायत भवनों तथा जिला यक्ष्मा केंद्र में आयोजित स्क्रीनिंग शिविरों में 458 लोगों की टीबी जांच की गई। जांच के दौरान 46 लोगों में टीबी के लक्षण पाए गए, जिनके बलगम के नमूने ट्रूनेट मशीन से जांच के लिए भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट में टीबी की पुष्टि होने पर संबंधित मरीजों का तत्काल उपचार शुरू किया जाएगा। इसी क्रम में बुधवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर मेधातरी क्षेत्र में इलाजरत टीबी मरीजों का गृह भ्रमण कर उनका जियो-टैगिंग किया गया। साथ ही मरीजों के संपर्क में रहने वाले लोगों की टीबी स्क्रीनिंग कर उन्हें संक्रमण से बचाव के लिए टीपीटी (टीबी प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट) दवा उपलब्ध कराई गई।

गृह भ्रमण अभियान में सीएचओ श्वेता कुमारी, एसटीएस धीरेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी, टीबीएचवी सालिक जफर, सहिया एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी शामिल रहे। जिला यक्ष्मा विभाग ने लोगों से टीबी के लक्षण दिखाई देने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में निःशुल्क जांच कराने और समय पर उपचार लेने की अपील की है।

गलत जानकारी देकर लिए गए सात तत्काल फूड रजिस्ट्रेशन निलंबित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : खाद्य सुरक्षा विभाग ने गलत एवं अपूर्ण जानकारी देकर तत्काल प्रणाली के माध्यम से प्राप्त किए गए सात फूड रजिस्ट्रेशन को निलंबित कर दिया है। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी-सह-रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी अभिषेक आनंद ने बताया कि जांच में सभी रजिस्ट्रेशन नियमों के विपरीत पाए गए। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 61 के तहत गलत या भ्रामक जानकारी देकर फूड लाइसेंस अथवा रजिस्ट्रेशन प्राप्त करना दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में अधिकतम 10 लाख रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान है।

निलंबित किए गए प्रतिष्ठानों में एक्वा प्योर वाटर (असनाबाद), ग्लाजा स्वीट्स, साक्षी इंटरप्राइजेज, बालाजी ड्रिंकिंग वाटर, न्यू देव फार्मा, सुकून कैफे और ओम महादेव मिष्ठान (सभी झुमरी तिलैया) शामिल हैं।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने सभी खाद्य कारोबारियों से ऑनलाइन आवेदन में सही एवं पूर्ण जानकारी देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि तत्काल फूड लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन के लिए केवल अत्यावश्यक स्थिति में ही आवेदन करें। आवेदन से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए खाद्य सुरक्षा कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि फूड लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन के लिए केवल एफएसएसएआई की आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करें और किसी अनधिकृत वेबसाइट से आवेदन न करें।

बरकट्ठा विधायक अपना आपा खो चुके हैं, युवाओं को देशद्रोही बताने पर माफी मांगें : महेश कुमार यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : आम आदमी पार्टी, कोडरमा के जिला अध्यक्ष महेश कुमार यादव ने बरकट्ठा के भाजपा विधायक अमित यादव द्वारा जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र-युवा आंदोलन को देशद्रोहियों का काम बताए जाने की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह बयान लोकतंत्र, संविधान और देश के करोड़ों युवाओं का अपमान है।

महेश कुमार यादव ने कहा कि शायद बरकट्ठा विधायक यह भूल गए हैं कि जिस संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था की ताकत से उन्हें एक बार नहीं बल्कि तीन-तीन बार विधानसभा जाने का अवसर मिला, उसी संविधान ने देश के प्रत्येक

नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने और आंदोलन करने का अधिकार भी दिया है। जंतर-मंतर पर बैठे लोग इसी संवैधानिक अधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। उन्हें देशद्रोही कहना संविधान की मूल भावना का अपमान है।

उन्होंने कहा कि जब छात्र, युवा और आम नागरिक शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग करते हैं, तब उनकी बात सुनने के बजाय उन्हें देशद्रोही कहना यह दशार्ता है कि बरकट्ठा विधायक अपना राजनीतिक संतुलन खो चुके हैं। जनप्रतिनिधि का दायित्व जनता की आवाज सुनना होता है, न कि जनता की आवाज को बदनाम करना।

महेश कुमार यादव ने कहा कि देशभक्ति का प्रमाणपत्र बांटने का अधिकार किसी राजनीतिक दल या जनप्रतिनिधि के पास नहीं है। लोकतंत्र में सवाल पूछना, अपनी मांग रखना और शांतिपूर्ण आंदोलन करना संविधान प्रदत्त अधिकार है। यदि सरकार या उसके प्रतिनिधि हर असहमति को देशद्रोह का नाम देंगे, तो यह लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करेगा।

मारवाड़ी युवा मंच ने सभी पूर्व अध्यक्ष, पूर्व सचिव एवं संरक्षक का किया सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : मारवाड़ी युवा मंच, झुमरीतिलैया शाखा द्वारा श्री अग्रसेन भवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में संस्था के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व सचिव एवं संरक्षक गणों का अंगवस्त्र, एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।यह कार्यक्रम झारखंड प्रांतीय रजत जयंती समारोह सृजन से सम्मान तक के अंतर्गत निवर्तमान झारखंड प्रांतीय अध्यक्ष अरुण गुप्ता के सम्मान में किया गया।मंच ने अपने स्थापना काल से लेकर आज तक संस्था को सींचने वाले सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों के योगदान को सराहा।कार्यक्रम के संचालक उपाध्यक्ष प्रतीक संघई ने कहा कि आज मंच जिस ऊंचाई पर है, उसकी नींव इन वरिष्ठजनों के परिश्रम और समर्पण से रखी गई है।सबसे पहले मंच के सभी संरक्षकों का एक-एक कर सम्मान किया गया चंद्रशेखर जोशी,अर्जुन संघई,अरविंद चौधरी,अजय शर्मा,प्रदीप हिसारिया,संजय अग्रवाल,नवीन जैन संरक्षक सम्मान के बाद पूर्व अध्यक्षों, हिमांशु केडिया (2012-14), संजय शर्मा (2015-16), निलेश लड्ढा (2016-17), विवेक सहल (2017-18), रितेश दुग्गड (2018-19) (2019-20), संदीप हिसारिया (2020-21) आशीष शर्मा (2021-22), आयुष पोद्दार (2022-23), राज पच्चीसिया (2023-24) (2024-25), राहुल जैन (2025-26) तत्पश्चात सभी सचिवों का सम्मान किया गया, राकेश जैन (2012-14), मुरली मोदी (2016-17) संजय जैन छाबड़ा (2017-18), संजय जैन ठोल्या (2018-19) आशीष शर्मा (2019-20), उमंग अग्रवाल (2020-21), राकेश भोजनवाला (2021-22), पीयूष सहल (2022-23), आशीष जोशी (2023-24), अंकित केडिया (2025-26) सभी संरक्षक गण पूर्व अध्यक्ष पूर्व सचिव का सम्मान के बाद प्रांतीय भवन संयोजक राज पच्चीसिया का सम्मान किया गया।मंच के पूर्व पदाधिकारी ने मंच के वर्तमान पदाधिकारी का उत्साह बढ़ाया और समाज सेवा करने के इस कार्य में भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

अध्यक्ष मोहित संघई ने कहा झारखंड प्रांत के आज ही के दिन 22 जुलाई 2001 को स्थापना हुई थी और इस के लिए सभी को बधाई और शुभकामनाए दी और कहाहम जिस मंच का नेतृत्व कर रहे हैं, उसे बनाने में पूर्व अध्यक्षों, पूर्व सचिवों और संरक्षकों का बहुत बड़ा योगदान है। उनका मार्गदर्शन आज भी हमारे लिए प्रेरणा है।

सचिव अतुल खेतान ने कहा कि युवा पीढ़ी को अपने वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्यों का सम्मान करना चाहिए।यही हमारी संस्कृति और परंपरा है।सभी सम्मानित अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी मंच को उनके अनुभव और आशीर्वाद की आवश्यकता है।कार्यक्रम में उपाध्यक्ष शिवेश पच्चीसिया कोषाध्यक्ष महावीर खेतान उपसचिव विकास जैन,आशीष केडिया,उमंग सिंघानिया,चिराग हिसारिया,अनुराग हिसारिया,विष्णु चौधरी मंच के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सम्मानित होने वाले सभी पूर्व पदाधिकारियों ने मंच को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया और सभा का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

एक नजर

सरिया को जिला बनाने की मांग को लेकर दो दिवसीय आमरण अनशन शुरू

सरिया : सरिया अनुमंडल मुख्यालय के मुख्य द्वार के समक्ष बुधवार को 'सरिया जिला बनाओ संघर्ष मोर्चा' के बैनर तले दो दिवसीय आमरण अनशन का आयोजन किया गया। इस अनशन कार्यक्रम में क्षेत्र की जनता और विभिन्न संगठनों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता व वरिष्ठ झारखंड आंदोलनकारी त्रिभुवन मंडल ने कहा कि सरिया को एक पूर्ण जिला बनाने की सभी आवश्यक अर्हताएं (योग्यताएं) पूरी होती हैं। उन्होंने सरिया की प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित करते हुए कहा सरिया में रेलवे स्टेशन है और यह जीटी रोड से मात्र 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह क्षेत्र रांची-दुमका मुख्य मार्ग पर पड़ता है, जिससे आवागमन बेहद सुगम है। सरिया क्षेत्र की एक प्रमुख व्यावसायिक मंडी के रूप में स्थापित है। वर्तमान जिला मुख्यालय (गिरिडीह) से सरिया अनुमंडल के आखिरी छोर की दूरी लगभग 92 किलोमीटर है। इतनी लंबी दूरी तय करने में आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। त्रिभुवन मंडल ने जोर देकर कहा कि इस भौगोलिक दूरी को कम करने और प्रशासनिक कार्यों को सुलभ बनाने के लिए गिरिडीह से अलग कर सरिया को नया जिला बनाना बेहद जरूरी है। इस दो दिवसीय आमरण अनशन के दौरान अपनी मांगों को लेकर भारी जनाक्रोश और एकजुटता देखने को मिली। अनशन स्थल पर राजू मंडल, अशोक मंडल, शंकर मंडल, हरि मंडल और काजिम अंसारी समेत सैकड़ों की संख्या में स्थानीय महिला व पुरुष उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

रामगढ़ : जिले में सड़क दुर्घटनाओं में लगातार हो रही वृद्धि के बीच राधा गोविंद विश्वविद्यालय के छात्रों ने जागरूकता संदेश दिया। यातायात नियमों के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से भौतिकी विभाग के छात्रों ने बुधवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सुरक्षित और जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश देते हुए ट्रैफिक नियमों का पालन करने का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक नियमों का पालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, तेज गति से वाहन चलाने के दुष्परिणाम तथा दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। भौतिकी विभाग के विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने सुरक्षित ड्राइविंग की आदत अपनाने, यातायात नियमों का सम्मान करने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया।

विद्यार्थियों के प्रेरक भाषणों ने उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित किया।

जेपीएससी घेराव आंदोलन में शामिल हुए भाजयुमो कार्यकर्ता

रामगढ़ : झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और अभ्यर्थियों के हितों को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने अपनी सक्रियता तेज कर दी है। रांची में आयोजित जेपीएससी घेराव आंदोलन में रामगढ़ के कार्यकर्ता भी शामिल हुए। बुधवार को रामगढ़ से बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ता और प्रतियोगी छात्र रांची पहुंचे। इस जत्थे का नेतृत्व भाजयुमो नेता गौतम कुमार महतो ने किया। कार्यकताओं ने एकजुट होकर युवाओं के अधिकारों की रक्षा और निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की मांग को लेकर अपना समर्थन व्यक्त किया। कार्यकताओं में आंदोलन को लेकर विशेष उत्साह देखा गया और उन्होंने लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करने का संकल्प दोहराया।

संक्षिप्त खबरें

सोनम वांगचुक के समर्थन में एआईएमएसएस का विरोध प्रदर्शन, लाठीचार्ज की निंदा

जमशेदपुर : आंदोलनरत सोनम वांगचुक और लोकतांत्रिक आंदोलन पर कथित दमनात्मक कार्रवाई के विरोध में ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन (एआईएमएसएस) की ओर से बुधवार को अखिल भारतीय विरोध दिवस मनाया गया। इस अवसर पर साकची गोलचक्कर में विरोध प्रदर्शन कर दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए लाठीचार्ज की निंदा की गई। विरोध सभा को संबोधित करते हुए एआईएमएसएस की प्रदेश सचिव सोनोका महतो ने कहा कि देश में नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं समेत प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के खिलाफ और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर शिक्षाविद एवं वैज्ञानिक सोनम वांगचुक आंदोलन कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने आंदोलन स्थल से उन्हें जबरन हटाया और 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया गया, जिसकी संगठन कड़ी निंदा करता है। उन्होंने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से एकजुट होकर लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आने की अपील की। विरोध सभा का संचालन पूर्वी सिंहभूम जिला सचिव शीला रॉय ने किया। मौके पर एआईएमएसएस प्रदेश अध्यक्ष पानमोनी सिंह मुंडा, सोनोका महतो, अंजना भारती, जानो महतो, केशवती नायक, पंचामी लोहार, संगीता शर्मा, रूबी सिंह, जैस्मीन, शिवानी देवगम सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

संजय सेठ के हस्तक्षेप से टीएमएच ने माफ किया एक लाख का बिल, परिवार को मिली राहत

सरायकेला-खरसावां : नीमडीह प्रखंड के टेंगाडीह पंचायत अंतर्गत मातकमडीह गांव निवासी और आजसू पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता मिथुन पाण्डेय के परिवार को संकट की घड़ी में बड़ी राहत मिली है। टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच), जमशेदपुर में इलाज के दौरान उनके पिता भैरव पाण्डेय के निधन के बाद अस्पताल प्रबंधन ने एक लाख रुपये का बिल माफ कर दिया। भैरव पाण्डेय लंबे समय से टीएमएच में भर्ती होकर इलाज करा रहे थे। इलाज के दौरान अस्पताल का कुल बिल 2 लाख 57 हजार 437 रुपये हो गया था। परिजनों ने किसी तरह 94 हजार 500 रुपये जमा कर दिए, लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण शेष राशि का भुगतान करना संभव नहीं था। इसके बाद मिथुन पाण्डेय ने ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो से मदद की गुहार लगाई। मामले की जानकारी मिलने के बाद हरेलाल महतो ने तत्काल भारत सरकार के रक्षा राज्य मंत्री और रांची सांसद संजय सेठ से संपर्क किया और परिवार की आर्थिक स्थिति से अवगत कराया। संजय सेठ के हस्तक्षेप के बाद टीएमएच प्रबंधन ने अस्पताल के बिल में एक लाख रुपये की छूट प्रदान की। इसके बाद बिल से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी कर परिवार को भैरव पाण्डेय का शव सौंप दिया गया। हरेलाल महतो ने अपनी संस्था 'जन सेवा ही लक्ष्य' के तहत संचालित निःशुल्क एंबुलेंस की व्यवस्था कर शव को पैतृक गांव मातकमडीह पहुंचवाया। हरेलाल महतो ने कहा कि संकट के समय जरूरतमंद परिवार की सहायता करना जनप्रतिनिधियों का दायित्व है। उन्होंने इस सहयोग के लिए संजय सेठ का आभार जताया। वहीं, परिजनों ने भी हरेलाल महतो और संजय सेठ के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

देवघर में ऑटो-टोटो चालकों ने अवैध वसूली का लगाया आरोप

देवघर : देवघर में ऑटो और टोटो चालकों ने विभिन्न प्रकार के शुल्क एवं कथित अवैध वसूली से परेशान होने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बेरोजगारी के दौर में किसी तरह ऑटो और टोटो चलाकर परिवार का भरण-पोषण कर रहे चालक प्रतिदिन कई तरह के भुगतान करने को विवश हैं, जिससे उनकी आय पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। चालकों का आरोप है कि जसीडीह स्टैंड से चकाई मोड़ तक संचालित टोटो-टेम्पू मालिक सह चालक संघ, जसीडीह की ओर से प्रतिदिन प्रत्येक ऑटो और टोटो से 70 से 80 रुपये तक वसूले जाते हैं। उनका दावा है कि यह वसूली रात के समय भी जारी रहती है। इसके अलावा स्टैंड में प्रवेश (एंट्री) के नाम पर भी अलग से राशि ली जाती है। चालकों का कहना है कि एक ओर उन्हें कथित रूप से संघ को प्रतिदिन शुल्क देना पड़ता है, वहीं दूसरी ओर नगर निगम का निर्धारित शुल्क भी जमा करना होता है। उनका आरोप है कि दोहरी वसूली के कारण उनकी दैनिक आय का बड़ा हिस्सा खर्च हो जाता है। देवघर रेलवे स्टेशन के बाहर संचालित ऑटो चालकों ने भी इसी प्रकार की कथित वसूली की शिकायत की है।

पतरातू इंस्पेक्टर ऑफिस पहुंचे एसपी निरीक्षण के साथ किया पौधारोपण

रामगढ़ : एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने बुधवार को पतरातू इंस्पेक्टर ऑफिस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय के दस्तावेजों की जांच की। साथ ही सभी अभिलेखों को संधारित करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कांडों के अनुसंधान के दौरान दिए गए निदेर्शों का भी अवलोकन किया। साथ ही अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान को लेकर तैयार की गई सूची पर भी चर्चा की। एसपी ने कहा कि पतरातू क्षेत्र में संगठित अपराध और उनसे जुड़े गुर्गे बड़ी संख्या में सक्रिय रहते हैं। कई लोग गिरफ्तार हो चुके हैं, लेकिन कुछ लोग स्लीपर सेल की तरह काम करते हैं। उन सभी लोगों पर नजर रखने और उनके खिलाफ अभियान चलाने का निर्देश दिया। निरीक्षण करने के बाद इंस्पेक्टर ऑफिस के बाहर एसपी ने पौधारोपण भी किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर लगातार अभियान चलना चाहिए। पतरातु थाना परिसर में पौधे लगाने की जगह काफी है। साथ ही इस क्षेत्र में विकसित हो रहे उद्योगों को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण पर भी ध्यान देना जरूरी है।

नेक्सा शोरूम के पास दिनदहाड़े गोलीकांड का खुलासा, निजी अंगरक्षक गिरफ्तार

चतरा : चतरा शहर स्थित नेक्सा शोरूम के समीप दिनदहाड़े हुई सनसनीखेज गोलीबारी की घटना का पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खुलासा कर दिया है। मामले में आरोपी बलबीर सिंह 37 वर्ष, निवासी अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 30 .06 बोर राइफल, कारतूस तथा एक फोर्ड एंडेवर कार भी जब्त की है। बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सन्नी वर्धन ने बताया कि आरोपी बलबीर सिंह और मृतक अतुल कुमार दोनों रमिया कंस्ट्रक्शन कंपनी में निजी अंगरक्षक के रूप में कार्यरत थे।

एक नजर

हजारीबाग खेल महोत्सव 2026 की तैयारियां तेज जिला ओलंपिक संघ करेगा मेजबानी

हजारीबाग : उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के खिलाड़ियों के लिए 28, 29 एवं 30 जुलाई को आयोजित होने वाले हजारीबाग खेल महोत्सव-2026 की तैयारियां तेज हो गई हैं। जिला प्रशासन के तत्वावधान में होने वाले इस तीन दिवसीय महोत्सव की मेजबानी हजारीबाग जिला ओलंपिक संघ करेगा। प्रतियोगिता में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के सभी जिलों के खिलाड़ी विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इसी को लेकर बुधवार देर शाम उपायुक्त सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष हर्ष अजमेरा, संघ के पदाधिकारी एवं जिले के विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं तथा खेलवार जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि हजारीबाग खेल प्रतिभाओं का जिला रहा है। ऐसे में प्रमंडल स्तरीय खेल महोत्सव का आयोजन जिले के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने सभी खेल संघों से समन्वय बनाकर आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया तथा विभिन्न खेल संगठनों को अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी। बैठक के दौरान जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष हर्ष अजमेरा ने खिलाड़ियों की सुविधाओं एवं खेल अवसंरचना से जुड़े विभिन्न विषय उपायुक्त के समक्ष रखे। उन्होंने जिले में आधुनिक स्विमिंग पूल, वॉलीबॉल कोर्ट सहित अन्य खेल सुविधाओं के विकास की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। उपायुक्त ने इन प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए संबंधित विषयों को बोर्ड की बैठक में रखने और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। बैठक के बाद हर्ष अजमेरा ने कहा कि हजारीबाग में पहली बार इतने व्यापक स्तर पर प्रमंडल स्तरीय खेल महोत्सव आयोजित हो रहा है।

दो लाख की सुपारी देकर प्रेमिका की कराई हत्या, प्रेमी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत जजलो गांव स्थित बंद पत्थर खदान से 26 जून को बरामद युवती दिव्या कुमारी के शव मामले का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए हत्या के मुख्य साजिशकर्ता एवं दिव्या के प्रेमी राहुल यादव को गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को चतरा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सन्नी वर्धन ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार राहुल यादव गया जिले के शेरघाटी थाना क्षेत्र के कुबड़ी गांव का निवासी है। उसे शेरघाटी से गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। एसडीपीओ ने बताया कि इस मामले में हत्या को अंजाम देने वाले आरोपी नेपाली गंझू को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। उसकी निशानदेही, पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पूरे हत्याकांड की साजिश का खुलासा हुआ, जिसके बाद मुख्य आरोपी राहुल यादव की तलाश शुरू की गई। पुलिस जांच में सामने आया कि दिव्या कुमारी और राहुल यादव के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था। इस दौरान राहुल ने शादी का झांसा देकर दिव्या के साथ संबंध बनाए, लेकिन बाद में शादी से इनकार कर दिया। इसके बाद दिव्या ने राहुल के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कराया था, जो न्यायालय में विचाराधीन था। जांच के दौरान यह भी पता चला कि राहुल लगातार दिव्या पर मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहा था, लेकिन दिव्या इसके लिए तैयार नहीं हुई। इसी बीच न्यायालय में दिव्या का बयान होना था। राहुल को आशंका थी कि यदि दिव्या उसके खिलाफ बयान देती है तो उसे सजा हो सकती है। इसी डर से उसने दिव्या की हत्या की साजिश रची। पुलिस के अनुसार, राहुल यादव ने गया जिले के बांकेबाजार थाना क्षेत्र के खरांटी गांव निवासी नेपाली गंझू को दो लाख रुपये की सुपारी देकर दिव्या की हत्या कराई। हत्या के बाद शव को जजलो गांव स्थित बंद पत्थर खदान में फेंक दिया गया, ताकि घटना को दुर्घटना अथवा अज्ञात हत्या का रूप दिया जा सके। एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने बताया कि वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों, पूछताछ और लगातार की गई छापेमारी के आधार पर पुलिस ने पूरे मामले का सफलतापूर्वक खुलासा किया। प्रेस वार्ता के दौरान हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार भी उपस्थित थे।

दो डिसमिल जमीन के विवाद में एसएसबी जवान की हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत आमीन गांव में वर्ष 2023 में दो डिसमिल जमीन के विवाद में हुई एसएसबी जवान शिवकुमार यादव की हत्या के बहुचर्चित मामले में चतरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे इस मामले के तीन प्राथमिक अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इसका खुलासा बुधवार को चतरा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सन्नी वर्धन ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में किया। इस दौरान हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार भी उपस्थित थे। एसडीपीओ ने बताया कि हंटरगंज थाना कांड 142/2023 के तहत फरार चल रहे तीनों आरोपियों को 21 जुलाई को गुप्त सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में सोमर भूईयां उर्फ जगदीश भूईयां पिता स्व. जीतन भूईयां, सुरेन्द्र भूईयां पिता मरछु भूईयां तथा नन्दु कुमार पिता बालो भूईयां शामिल हैं। तीनों आरोपी हंटरगंज थाना क्षेत्र के सोनवर्षा गांव के निवासी हैं।

प्रेस वार्ता में एसडीपीओ ने बताया कि वर्ष 2023 में आमीन गांव में महज दो डिसमिल जमीन को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसक हो गया था। इस दौरान एसएसबी जवान शिवकुमार यादव, जो आमीन गांव के निवासी थे, की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद हंटरगंज थाना में कांड दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की थी, लेकिन मुख्य आरोपी लगातार फरार होने के कारण गिरफ्तारी नहीं हो पा रही थी। उन्होंने बताया कि पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी। आखिरकार गुप्त सूचना और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर तीनों फरार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। साथ ही कहा कि इस हत्या कांड में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान पहले ही की जा चुकी है। उनकी गिरफ्तारी के लिए भी लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हत्या कांड में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और सभी को जल्द कानून के शिकंजे में लाया जाएगा।

सलगा में 50 किसानों के बीच मक्का बीज का किया गया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिद्धौर : गिद्धौर प्रखंड पंचायत अंतर्गत सलगा गांव में बुधवार को खरीफ किसान गोष्ठी के तहत किसानों के बीच मक्का बीज का वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विभाग की ओर से किया गया, जिसमें किसानों को उन्नत खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में बीटीएम प्रभात कुमार सिंह ने कुल 50 किसानों के बीच मक्का बीज का वितरण किया। इस दौरान किसानों को खरीफ मौसम में वैज्ञानिक तरीके से मक्का की खेती करने, उन्नत बीजों के उपयोग तथा बेहतर उत्पादन के लिए आवश्यक कृषि तकनीकों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष किसान उपस्थित रहे। किसानों ने सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे गुणवत्तापूर्ण बीज एवं कृषि योजनाओं की सराहना करते हुए इसका लाभ उठाने की बात कही। अधिकारियों ने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने का आह्वान किया।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का शुभारंभ, अब 50 से 90 प्रतिशत तक सस्ती मिलेंगी दवाइयां

मयूरहंड : चतरा जिले के मयूरहंड प्रखंड मुख्यालय स्थित कुम्हरथान में बुधवार को प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का शुभारंभ उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। केंद्र का उद्घाटन सिमरिया के भाजपा विधायक कुमार उज्ज्वल दासन ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद लोगों ने केंद्र से आवश्यक दवाइयों की खरीदारी की तथा उपलब्ध सुविधाओं और दवा वितरण व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर बताया गया कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल है, जिसके तहत आम लोगों को ब्रांडेड दवाइयों के समान गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाइयाँ 50 से 90 प्रतिशत तक कम कीमत पर उपलब्ध कराई जाती हैं। योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ उपलब्ध कराकर उपचार को सुलभ बनाना है। केंद्र में रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, बुखार, दर्द निवारक दवाओं के अलावा सर्जिकल सामग्री तथा स्वास्थ्य संबंधी दो हजार से अधिक प्रकार की दवाइयाँ किफायती दरों पर उपलब्ध रहेंगी। उद्घाटन समारोह में उपस्थित अतिथियों ने कहा कि जन औषधि केंद्र के खुलने से मयूरहंड एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अब महंगी दवाइयों के लिए शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। सभी ने इस पहल को क्षेत्र के लिए अत्यंत लाभकारी बताते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजना की सराहना की।

आकाशीय बिजली का कहर : वज्रपात से चार बैलों की मौत

कुंदा : कुंदा थाना क्षेत्र के सिक्कीदाग गांव में तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से चार बैलों की मौत हो गई। इस घटना से गांव में शोक का माहौल है, वहीं प्रभावित किसानों को भारी आर्थिक क्षति हुई है। ग्रामीणों के अनुसार सभी पशु घर के पास बने मचान में बंधे हुए थे। इसी दौरान अचानक तेज गर्जना के साथ वज्रपात हुआ, जिसकी चपेट में आने से योगेंद्र गंझू के दो बैल, झबर गंझू का एक बैल तथा दिनु गंझू का एक बैल मौके पर ही मर गया। घटना की सूचना मिलते ही मुखिया अनीता देवी के प्रतिनिधि अखिलेश प्रसाद यादव एवं पंच सदस्य प्रतिनिधि अनिल भोक्ता घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर सांत्वना दी तथा प्रशासन से प्रभावित किसानों को शीघ्र उचित मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की। इस संबंध में अंचल अधिकारी दीपक कुमार मिश्रा ने बताया कि आपदा राहत कोष के तहत नियमानुसार पीड़ित किसानों को सरकारी मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद किसानों को जल्द राहत प्रदान की जाएगी।

Government of Jharkhand
Planning and Development Department

पत्रांकः–यो0वि0(क्रय)–07/2026- 608 राँची,दिनांक–20.07.2026

Notice Inviting Quotation

Sealed Quotations are invited from reputed firms/ Suppliers/ Vendors for supply of a laptop at Department of Planning and Development as per specifications mentioned below. The Quotations will be received by on or before upto dt. 03.08.2026 at 11.00 am and the same will be opened on dt. 03.08.2026 at 3.00 pm in the presence of quotationers.

S.NO	Specifications	QTY
01	**Chip-** 10- core CPU with 4 super cores and 6 efficiency cores.	01
	Media Engine- Hardware- accelerated H.264, HEVC, ProRes and ProRes RAW	
	RAM Memory - Upto 16 GB (Unified memory)	
	Storage- 1TB SSD	
	Display- Liquid Retina XDR display Upto 35.97cm/ 14.2" (diagonal) Liquid Retina XDR display 3024X1964 native resolution at 254 Pixel per inch.	
	Battery and Power- Up to 24 Hours video streaming Up to 16 Hours Wireless Web	
	Charging and Expansion- SDXC Card slot HDMI PORT 3.5 MM headphone jack	
	Keyboard and Trackpad- 78(ANSI) OR 79 (ISO) Touch Id-Ambient light Sensor	
	Camera - 12MP Centre stage camera with support for Desk view 1080p HD Video Recording.	
	Operating System - macOS	

Terms and Conditions:-
1. The Quotations will be submitted in letter pad in room no 127, Department of Planning and Development, Yojna Bhawan, Nepal House, Ranchi.
2. The Quotations should be addressed to "Additional Director-cum-Additional Secretary, Department of Planning and Development.
3. Any Kind of Taxes/ GST (if any) or any others Charges must be Clearly indicated in Quotation.
4. The Firm/Supplier/Vendor must have proper PAN/GST No.

Sd/-
Additional Director-Cum- Additional Secretary
Planning and Development Department

PR 385549 Planning and Development(26-27).D

राष्ट्रीय एकता और संप्रभुता का प्रतीक है तिरंगा इसका सम्मान गौरव की बात है : एनएचआरए

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : राष्ट्रीय ध्वज अंगीकारण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन ने पूरे देशवासियों को बधाई देते हुए तिरंगे के सम्मान और गौरव को बनाए रखने का संकल्प दोहराया। इसी दिन 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने सर्वसम्मति से तिरंगे को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया था। यह निर्णय देश की आजादी से तीन सप्ताह पहले लिया गया था और 15 अगस्त 1947 को तिरंगा स्वतंत्र भारत की आधिकारिक पहचान बना। राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कपिल प्रसाद केशरी ने कहा कि ₹तिरंगा केवल तीन रंगों का ध्वज नहीं है। यह हमारे स्वतंत्रता संग्राम, शहीदों के बलिदान, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह तिरंगे का सम्मान करे और इसके मान-सम्मान की रक्षा करे। राष्ट्रीय संगठन सचिव राजकुमार यादव ने कहा कि केसरिया त्याग और शौर्य का, सफेद शांति और सत्य का, हरा समृद्धि और विकास का प्रतीक है। बीच में स्थित 24 तीलियों वाला अशोक चक्र हमें निरंतर प्रगति और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। झारखंड प्रदेश संयोजक भरत यादव ने कहा कि आज के दिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम जाति, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर देश की एकता और अखंडता के लिए काम करेंगे। तिरंगा ही हमारी पहचान है और यही हमारी ताकत है। प्रदेश सचिव प्रो. हीरामन साव ने कहा कि नई पीढ़ी को तिरंगे के इतिहास और महत्व के बारे में बताना जरूरी है। स्कूलों और कॉलेजों में राष्ट्रीय ध्वज अंगीकारण दिवस को विशेष रूप से मनाया जाना चाहिए ताकि देशभक्ति की भावना मजबूत हो। इस अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने तिरंगे को सलाम किया और सभी नागरिकों से राष्ट्रीय एकता, मानवाधिकारों के सम्मान और संविधान के मूल्यों को मजबूत करने की अपील की।

चोरों ने छत तोड़कर सीएसपी से उड़ाए 1.70 लाख रुपये, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के रांगा थाना क्षेत्र के तलबड़िया चौक पर स्थित इणिडयन बैंक द्वारा अधिकृत सीएसपी से अज्ञात चोरों ने लगभग एक लाख सत्तर हजार रुपये उड़ा लिया, घटना की जानकारी देते हुए सीएसपी संचालक सैफुल इस्लाम पिता नजरुल मोमिन ने बताया कि बुधवार की सुबह लगभग 8:50 बजे सीएसपी पहुँचे शटर खोलकर बगल के ट्रेलर की दुकान में जाकर बैठा,बातचीत करने लगे लगभग दो तीन मिनट बाद मोबाइल पर ऑनलाइन क्लास के लिए नोटिफिकेशन आया 9:00 बजे क्लास था तो बातचीत करने के बाद मैं अपने सीएसपी पहुँचा, जैसे ही अंदर गया तो देखा कि सारा सामान, कागजात, फाइल इधर उधर बिखरा पड़ा है,फिर नगद काउंटर पर नजर पड़ा तो देखा की काउंटर का लॉक टूटा हुआ है और उसमें रखा 1,70000 एक लाख सत्तर हजार रुपये नगद गायब है। संचालक ने बताया कि रोज पैसे सीएसपी से घर लेकर चले जाते है लेकिन मंगलवार की शाम को अचानक तबियत खराब होने की वजह से बाजार जाने के लिए निकला ये सोचकर की वापस आते समय पैसे साथ लेकर चला जाऊँगा, जैसे ही निकला था तो मौसम खराब हो गई थी, वापस घर चला गया और पैसे काउंटर पर ही भूल गया। बुधवार की सुबह आया तो देखा चोरो ने हाथ साफ कर दिए है। कैमरे के चार्जर भी खुले हुए थे। घटना की जानकारी मिलते ही रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे और मामले की छानबीन में जुट गए है,प्रथम दृश्या ऐसा प्रतीत हो रही है कि अज्ञात चोर सीएसपी के एलबेस्टर वाले छत को तोड़कर अंदर घुसे दरवाजे की छिटकीनी को औजारनुमा हथियार के मदद से तोड़े और सीएसपी के अंदर रखे केवल नगद राशि लेकर फरार हो गए है,जाँच के दौरान सीएसपी की छत टूटी हुई पाई गई है। सीएसपी संचालक सैफुल इस्लाम ने बताया कि अज्ञात चोरों ने सीएसपी के अंदर रखे लैपटॉप, कम्प्यूटर एवं फोन इत्यादि को ज्यों की त्यों छोड़ दी है केवल पैसे लेकर फरार हो गए है।

कार्यालयः–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमण्डल
E-mail :forest-gumla@jharkhandmail.gov.in
Mobile No. – 8987790115 Pin Code - 835207
पत्रांक ...../ दिनांक ...../

आवश्यक सूचना

सूचित किया जाता है कि दिनांक 03.05.2026 को गुप्त सूचना के आधार पर कांसीर–गुमला मुख्य मार्ग मुरूमकेला गुठीटोली के पास से 10 पीस साल बोटा एवं 03 पीस लोहा का रड सहित एक स्वराज ट्रेक्टर सं0–अज्ञात, इंजन सं0–391355/SYGO9437 को वनकर्मियों के द्वारा जप्त कर चैनपुर वन परिसर में लाकर सुरक्षित रखा गया है। उक्त जप्त वन पदार्थ सहित वाहन के विरूद्ध प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में अधिहरण की कार्रवाई प्रारम्भ की गई है।

अतः समाचार पत्रों के माध्यम से जप्त वाहन के दावेदार (यदि कोई हो) एवं सम्बन्धित सभी को सूचित किया जाता है कि वे दिनांक 27.07.2026 को प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में 11:00 बजे पूर्वाह्न स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा उपलब्ध साक्ष्यों एवं अभिलेखों के आधार पर एक पक्षीय निर्णय ले लिया जायेगा।

प्राधिकृत पदाधिकारी,
–सह– वन प्रमंडल पदाधिकारी,
गुमला वन प्रमंडल।

PR 385619 Forest, Environment and Climate Changes(26-27)D

स्वतंत्रता सेनानी बाबू शालिग्राम सिंह की पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसैलाब

जनसेवा, शिक्षा और राष्ट्रभक्ति के आदर्शों से मिलती रहेगी नई पीढ़ी को प्रेरणा : सत्यानंद भोक्ता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हंटरगंज : जिले के हंटरगंज प्रखंड स्थित आरएनएम कॉलेज, शालिग्राम रामनारायणपुर परिसर में बुधवार को स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व विधायक एवं प्रख्यात समाजसेवी स्वर्गीय बाबू शालिग्राम सिंह की पुण्यतिथि श्रद्धा, सम्मान और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। आयोजित श्रद्धांजलि सभा में विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता तथा लोकसभा के पूर्व सांसद प्रत्याशी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने स्व. बाबू शालिग्राम सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बाबू शालिग्राम सिंह का जीवन त्याग, संघर्ष, राष्ट्रभक्ति और जनसेवा का अनुपम उदाहरण था। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा आजादी के बाद शिक्षा, समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों में अपना जीवन समर्पित कर दिया। वक्ताओं ने कहा कि स्व. शालिग्राम सिंह ने हमेशा ईमानदारी, सादगी और सेवा को अपने सार्वजनिक जीवन का मूल मंत्र बनाया। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम मानते हुए क्षेत्र में शैक्षणिक संस्थानों के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया, जिसका लाभ आज भी हजारों छात्र-छात्राओं को मिल रहा है। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए अन्य वक्ताओं ने भी उनके सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षणिक योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके बताए आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक गौतम सागर राणा, बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य प्रवीण सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी, प्रो. जनेन्द्र कुमार सिंह, समाजसेवी प्रेम सिंह, पूर्व प्रमुख कमल कुमार केशरी, मुखिया सर्वेश सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों एवं समाजसेवियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यालय, जिला पशुपालन पदाधिकारी, रामगढ़
New Collectorate Building Ground Floor, Block-c, Chhatarmandu, Ramgarh. Pin-825101., e-mail id = dahoahyram@gmail.com

–––––– लोक सूचना * समृद्ध किसान * आत्मनिर्भर गाँव ––––––

PPR मुक्त रामगढ़ अभियान निःशुल्क टीकाकरण चरण–2

रामगढ़ जिले के समस्त पशुपालकों को सूचित किया जाता है कि भेड़ों और बकरियों में फैलने वाले अत्यंत संक्रामक एवं आर्थिक दृष्टि से हानिकारक PPR (Peste des Petits ruminants) रोग की रोकथाम हेतु भारत सरकार द्वारा 15 जुलाई से 14 अगस्त 2026 तक निःशुल्क PPR टीकाकरण अभियान (चरण–2) संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अन्तर्गत प्रशिक्षित टीकाकरण दल आपके गाँव एवं घर तक पहुँचकर आपके पशुओं का पूर्णतः निःशुल्क टीकाकरण करेगें।

टीकाकरण से पूर्व आवश्यक प्रक्रिया
1. UID टैंगिग (Tagging) – प्रत्येक पशु के कान में भारत सरकार द्वारा निर्धारित विशिष्ट पहचान (UID) टैग लगाया जाएगा।
2. भारत पशुधन (Bharat Pashudhan) App में पंजीकरण हेतु आपके मोबाईल नंबर पर प्राप्त OTP टीकाकरण दल के साथ साक्षा करना आवश्यक होगा।

PPR **टीकाकरण क्यों आवश्यक है ?**
- PPR (Peste des Petits ruminants) जैसे अत्यंत संक्रामक रोग से पशुओं की सुरक्षा
- पशुओं की मृत्यु एवं आर्थिक हानि से बचाव।
- रोग नियंत्रण के माध्यम से सुरक्षित एवं समृद्ध पशुधन का निर्माण।

पशुपालकों से अपील

सभी पशुपालकों से विन्रम अनुरोध है कि अपने भेड़ और बकरियों का निःशुल्क PPR टीकाकरण अनिवार्य रूप से कराएँ। टीकाकरण दल को आवश्यक सहयोग प्रदान करें तथा UID टैंगिग एवं OTP सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण करने में सहायता करें।

अधिक जानकारी हेतु अपने क्षेत्र के भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी अथवा प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी से संपर्क करें।

निवेदक
ह०/–
जिला पशुपालन पदाधिकारी, रामगढ़

PR 385598 Animal Husbandry(26-27)#D

आढ़तियों के चंगुल में ग्राहक-किसान, सरकार लाचार

संजय सक्सेना

भारतीय कृषि व्यवस्था की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि खेत की मिट्टी से उपज उगाने वाला किसान और रसोई घर का बजट संभालने वाला आम ग्राहक, दोनों एक ही चक्रव्यूह के दो अलग-अलग शिकार हैं। किसान दिन-रात पसीना बहाकर फसल तैयार करता है, लेकिन जब वह बाजार पहुंचता है तो उसकी जेब खाली रह जाती है। दूसरी तरफ, जब वही ग्राहक बाजार में सब्जियां या अनाज खरीदने जाता है, तो आसमान छूती महंगाई उसकी कमर तोड़ देती है। इस पूरी व्यवस्था के बीच एक ऐसा वर्ग पनप रहा है, जो बिना किसी शारीरिक मेहनत के पूरी मंडी प्रणाली पर अपना नियंत्रण जमाए बैठा है ये हैं बिचौलिए यानी 'आढ़ती'। खेत से लेकर ग्राहक की थाली तक के सफर में जो मुनाफा किसान के घर पहुंचना चाहिए था और जो राहत ग्राहक को मिलनी चाहिए थी, वह सब इन आढ़तियों की तिजोरियों में बंद हो रहा है। आज स्थिति यह बन चुकी है कि आढ़तियों के तय किए रेट पर ही किसान बेचने और ग्राहक खरीदने के लिए मजबूर हैं, और सरकार का तंत्र इस पूरे खेल में पूरी तरह मूकदर्शक बना नजर आता है। आंकड़ों पर नजर डालें तो इस शोषण की भयानक तस्वीर साफ दिखने लगती है। भारत में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएसओ) के आंकड़े बताते हैं कि देश में एक कृषि परिवार की औसत मासिक आय मात्र 10,218 रुपये के करीब है। इस मामूली सी रकम में किसान को अपनी खाद, बीज, डीजल, मजदूरी और परिवार के भरण-पोषण का खर्च चलाना पड़ता है। इसके ठीक विपरीत, रिजर्व बैंक और विभिन्न शोध संस्थानों की रिपोर्ट दर्शाती है कि किसान की उपज के अंतिम बाजार मूल्य (यानी जो दाम ग्राहक चुकाता है) का महज 25 से 35 प्रतिशत हिस्सा ही किसान की जेब तक पहुंच पाता है। उदाहरण के लिए, यदि बाजार में टमाटर या प्याज 60 रुपये प्रति किलो बिक रहा है, तो खेत पर किसान को इसका मुश्किल से 12 से 15 रुपये प्रति किलो ही मिलता है। बाकी का लगभग 65 से 75 प्रतिशत हिस्सा बिचौलियों, आढ़तियों, परिवहन और मंडी के विभिन्न स्तरों पर बंट जाता है। यह आंकड़ा साबित करता है कि असली पसीना बहाने वाले को नाममात्र की मजदूरी मिल रही है, जबकि बीच की कड़ी मुनाफा कूट रही है।

आढ़तियों का यह नेटवर्क इतना मजबूत और संगठित है कि वे मंडी में प्रवेश करते ही किसान की बेबसी का फायदा उठाना शुरू कर देते हैं। कृषि उपज मंडी समितियों (एपीएमसी) का गठन मूल रूप से इसलिए किया गया था ताकि किसानों को शोषण से बचाया जा सके और उन्हें पारदर्शी तरीके से अपनी फसल का सही दाम मिले। लेकिन समय के साथ ये मंडियां आढ़तियों के एकाधिकार का केंद्र बन गईं। आढ़ती ही यह तय करते हैं कि किसान की उपज की बोली किस दाम से शुरू होगी और किस भाव पर उसे खरीदा जाएगा। किसान के पास न तो अपनी फसल को लंबे समय तक स्टोर करने के लिए पर्याप्त शीत गृह (कोल्ड स्टोरेज) हैं और न ही उसके पास इतना धैर्य होता है कि वह दाम बढ़ने का इंतजार करे, क्योंकि उसे अगली फसल के लिए कर्ज चुकाना होता है। आढ़तियों को किसान की इस लाचारी का पूरा अहसास होता है। वे एकजुट होकर कृत्रिम रूप से दाम गिरा देते हैं, जिससे किसान औने-पौने दामों में अपनी उपज बेचने पर मजबूर हो जाता है। दूसरी ओर, जब यही माल मंडी से बाहर निकलकर खुदरा बाजार की ओर बढ़ता है, तो आढ़तियों का दूसरा खेल शुरू होता है। वे बाजार में आपूर्ति को नियंत्रित करके और अपने पास माल का भंडारण करके खुदरा कीमतों को कृत्रिम रूप से बढ़ा देते हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़ों के अनुसार, खाद्य मुद्रास्फीति का सीधा असर आम नागरिक की जेब पर पड़ता है। एक औसत भारतीय परिवार अपनी कुल आय का लगभग 40 से 45 प्रतिशत हिस्सा केवल भोजन पर खर्च करता है। जब आढ़तियों और थोक व्यापारियों के गठजोड़ के कारण सब्जियों और खाद्यान्न के दाम बढ़ते हैं, तो ग्राहक का पूरा मासिक बजट बिगड़ जाता है। ग्राहक मजबूरी में महंगे दामों पर सामान खरीदता है, यह सोचकर कि शायद इसका फायदा किसान को मिल रहा होगा, जबकि हकीकत में किसान पहले ही अपनी फसल कौड़ियों के भाव बेचकर खाली हाथ घर लौट चुका होता है।

इस पूरी व्यवस्था में सरकार और उसके प्रशासनिक ढांचे की भूमिका सबसे ज्यादा निराशाजनक रही है। कागजों पर तो किसान हितैषी कई योजनाएं हैं, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के दावे हैं और आवश्यक वस्तु अधिनियम जैसे कानून मौजूद हैं, लेकिन धरातल पर आढ़तियों पर किसी का नियंत्रण नहीं है। आज तक शायद ही ऐसा कोई उदाहरण देखने को मिला हो, जब किसी बड़े आढ़ती या गठजोड़ पर जमाखोरी या कीमतों में हेरफेर के लिए कोई कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई हो। जब भी महंगाई बढ़ती है, तो सरकारें थोड़े समय के लिए छापेमारी का नाटक करती हैं या आयात-निर्यात नीतियों में बदलाव करके इतिश्री कर लेती हैं, लेकिन आढ़तियों के इस मजबूत ढांचे पर कोई स्थायी जांच कमेटी या सख्त दंडात्मक कार्रवाई कभी नहीं देखने को मिलती। इसका मुख्य कारण आढ़तियों का राजनीतिक रूप से बेहद प्रभावशाली होना है। स्थानीय राजनीति से लेकर राज्य स्तर के नेताओं तक आढ़तियों का एक गहरा आर्थिक-राजनीतिक गठजोड़ काम करता है, जिसके कारण कानून के हाथ इन तक पहुंचते-पहुंचते बौने साबित हो जाते हैं।विश्व बैंक और नीति आयोग के कई अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत में कृषि विपणन में सुधार न होने का सबसे बड़ा कारण मंडी का यह बंद ढांचा है। देश में लगभग 86 प्रतिशत छोटे और सीमांत किसान हैं, जिनके पास एक या दो हेक्टेयर से कम जमीन है। ये छोटे किसान अपनी थोड़ी सी उपज लेकर दूर के बड़े बाजारों में नहीं जा सकते, इसलिए वे अपने नजदीकी आढ़ती पर ही पूरी तरह निर्भर हो जाते हैं। आढ़ती केवल व्यापारी नहीं होते, बल्कि वे इन किसानों को खाद-बीज के लिए अनौपचारिक रूप से कर्ज भी देते हैं। इस कर्ज के जाल में फंसा किसान अपनी फसल किसी अन्य को बेचने की स्थिति में ही नहीं रहता। यह आदतों और मजबूरियों का ऐसा दुष्चक्र बन चुका है, जिससे किसान चाहकर भी बाहर नहीं निकल पाता।

यदि हम वैश्विक तुलना करें तो विकसित देशों में किसान की उपज का लगभग 60 से 70 प्रतिशत हिस्सा सीधे किसान तक पहुंचता है, क्योंकि वहां 'खेत से थाली तक' का सीधा संपर्क या तो सहकारिता के माध्यम से है या फिर पारदर्शी डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए। भारत में 'ई-नाम' जैसी डिजिटल मंडी योजनाओं की शुरूआत जरूर की गई है, ताकि किसान देश की किसी भी मंडी में अपना माल बेच सके, लेकिन तकनीकी साक्षरता की कमी, इंटरनेट की सुस्त व्यवस्था और आढ़तियों के जमीनी दबदबे के कारण यह व्यवस्था भी अब तक आढ़तियों के तिलस्म को पूरी तरह तोड़ने में असफल रही है।परिणामस्वरूप, किसान लगातार कर्ज के बोझ तले दबता जा रहा है और देश में हर साल हजारों किसान आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर होते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े आज भी कृषि क्षेत्र में बढ़ती आर्थिक विषमता और मानसिक तनाव की दर्दनाक गवाही देते हैं। वहीं दूसरी तरफ, शहर का आम ग्राहक अपनी सीमित आय में कटौती करके महंगाई का डंक सहने को विवश है। इन दोनों के आंसुओं के बीच, मंडियों के शेड के नीचे बैठा आढ़ती वर्ग बिना किसी उत्पादन जोखिम के, बिना किसी प्राकृतिक आपदा के खतरे के, हर सीजन में करोड़ों का कारोबार कर रहा है।

तिलक ने गणेश उत्सव और शिवाजी महोत्सव के माध्यम से राजनीतिक चेतना जगाई

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक महान स्वतंत्रता सेनानी, महान विचारक, बेहतरीन शिक्षक और समाज सुधारक के रूप में अपनी अनूठी पहचा बनाई। वे महात्मा गांधी से पहले कांग्रेस के बड़े नेता और गरम दल के शीर्षस्थ नेताओं में शुमार थे। उनकी जयंती 23 जुलाई को मनाई जाती है। उनका जन्म 23 जुलाई, 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी में हुआ था। उन्होंने नारा दिया था- स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा। उनका मानना था कि देश की स्वतंत्रता के लिए सबसे पहले राष्ट्रीय भावना, धार्मिक, सांस्कृतिक एकता स्थापित करना आवश्यक है। इसके लिए उन्होंने चार सिद्धांत स्वराज, स्वदेशी, बहिष्कार और राष्ट्रीय शिक्षा को स्वदेशी विचारधारा के साथ प्रतिपादित किया गया। इस चार सूत्रीय रणनीति ने स्वतंत्रता संग्राम की मजबूत नींव रखी। तिलक ने भारतीयों में आत्मसम्मान, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत की। उन्होंने जनता को राजनीतिक और सामाजिक रूप से जागरूक बनने के लिए प्रेरित किया। तिलक ने गणेश उत्सव को सार्वजनिक रूप दिया। इसका उद्देश्य विभिन्न जातियों और वर्गों के लोगों को एक मंच पर लाकर सामाजिक एकता और राष्ट्रीय भावना को मजबूत करना था। तिलक यह अच्छी तरह जान चुके थे कि केवल अतीत के गौरवगान से कुछ हासिल नहीं होगा। वे जानते थे कि जब तक युवाओं का मजबूत संगठन उठ खड़ा नहीं होगा, तब तक क्रांति का मार्ग प्रशस्त नहीं हो पाएगा। वे यह भी जानते थे कि भारतीय युवाओं में जो सांस्कृतिक चेतना सो गई है, उसे जगाना आवश्यक है। युवाओं के बिना मजबूत संगठन की बात सोची भी नहीं जा सकती। उस दौर में गणेशोत्सव का जो स्वरूप था, वह आज से बिल्कुल भिन्न था। सन 1893 में तिलक ने पुणे में गणेशोत्सव की नींव रखी। धार्मिक आयोजन के रूप में गणेशोत्सव मनाने की परंपरा गांव-गांव और शहर-शहर में बहुत पहले से चली आ रही थी लेकिन जब देश को स्वतंत्रता दिलाने के लिए युवाओं के संगठन की आवश्यकता महसूस हुई, तब तिलक को गणपति बप्पा से बड़ा कोई धार्मिक पुरोधा नहीं मिला। उन्होंने गणेशोत्सव मनाने की जो राष्ट्रीय परंपरा की एक नींव डाल दी, वह 132 वर्ष पूरे होने के बाद भी चल रही है। वे गणों के स्वामी हैं, व्रातपति हैं, समूह के देवता हैं इसलिए समूह से प्यार करते है। राष्ट्र के विकास का आधार मनुष्य के श्रम की पूंजी है इसीलिए तिलक ने गणेशजी को राष्ट्र का आराध्य बनाया। विघ्नहर्ता गणेश जी उन सभी को सुहाते हैं जो कर्म में जुते हुए हैं और अपने मानस में श्रद्धा और विश्वास को स्थापित कर निर्भय हो जाना चाहते हैं। तिलक ने महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती को सार्वजनिक रूप से मनाने की परंपरा शुरू की। शिवाजी के जीवन चरित्र से युवाओं में साहस, देशभक्ति और स्वाभिमान की भावना का विकास हुआ। इसके साथ ही 1880 में न्यू इंग्लिश स्कूल की स्थापना में सहयोग किया। बाद में डेक्कन एजुकेशन सोसायटी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका मानना था कि शिक्षा का राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान होता है। उनका मानना था कि शिक्षा व्यक्ति को आजादी का पाठ अच्छी तरह पढ़ाती है। इसके बाद 3 जुलाई, 1908 को बाल गंगाधर तिलक को अंग्रेजों ने राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। बर्मा के मांडले में 1908 से 1914 तक तिलक को 6 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। 1908 में उन्हें 6 वर्ष के लिए मांडले (बर्मा, वर्तमान म्यांमार) की जेल भेजा गया। बाल गंगाधर तिलक का राजनीतिक करियर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। वे स्वराज की मांग को जन-आंदोलन बनाने वाले प्रमुख नेताओं में थे। तिलक ने 1889 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में प्रवेश किया। प्रारंभ में कांग्रेस के भीतर गरम विचारधारा के प्रमुख नेता माने जाने लगे। उनका मानना था कि केवल प्रार्थना और याचिका से स्वतंत्रता नहीं मिलेगी।

सिंथेटिक ओपिओइडः अमेरिका में कानून और स्वास्थ्य के बीच संतुलन

सैयद सुलेमान अख्तर

अवैध सिंथेटिक दवाओं का बढ़ता प्रचलन वैश्विक मादक पदार्थों के परिदृश्य को बदल रहा है। पारंपरिक मादक पदार्थों के विपरीत, फेंटानिल जैसे सिंथेटिक ओपिओइड को तेजी से बनाया जा सकता है, जटिल अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं के माध्यम से पहुंचाया जा सकता है और भौतिक तथा ऑनलाइन दोनों नेटवर्कों के जरिए वितरित किया जा सकता है। इनकी बढ़ती व्यापकता ने सरकारों को यह सोचने के लिए मजबूर किया है कि वे मादक पदार्थों की तस्करी और लत से कैसे निपटें।

जब पत्रकार प्रांजित डेका और नीति विशेषज्ञ अयाज अहमद वानी इस वर्ष की शुरूआत में मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने पर केंद्रित आईवीएलपी कार्यक्रम के तहत अमेरिका गए, तो उन्होंने ऐसी प्रतिक्रिया देखी जो पारंपरिक कानून प्रवर्तन से कहीं आगे तक जाती है। नीति निमार्ताओं, कानून प्रवर्तन अधिकारियों, शोधकताओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ बैठकों के दौरान उन्होंने देखा कि अमेरिका बदलते मादक पदार्थों के खतरों से निपटने के लिए खुफिया जानकारी, प्रवर्तन, उपचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को किस प्रकार जोड़ता है।

सिंथेटिक दवाएं राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौती के रूप में

वानी के अनुसार, सिंथेटिक ओपिओइड अमेरिका में एक बड़ी राष्ट्रीय चिंता बन चुके हैं। हाल के वर्षों में देश में ओवरडोज से होने वाली मौतों में वृद्धि देखी गई है, जिसका मुख्य कारण सिंथेटिक ओपिओइड, मेथामफेटामाइन और कोकीन का उपयोग रहा है। चुनौती के व्यापक स्तर को देखते हुए अमेरिका की प्रतिक्रिया में मादक पदार्थों की तस्करी और लत को तेजी से ऐसे मुद्दों के रूप में देखा जा रहा है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों को प्रभावित करते हैं। वानी ने बताया कि फेंटानिल, जिसके कारण हर साल हजारों मौतें होती हैं, को अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठनों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़े खतरे के रूप में देखा जाता है।

इसके परिणामस्वरूप, अमेरिकी एजेंसियां, वानी के अनुसार संपूर्ण सरकार दृष्टिकोण अपनाती हैं, जिसमें सीमा सुरक्षा, प्रतिबंध, खुफिया जानकारी एकत्र करना, संपत्ति जब्त करना, कूटनीतिक भागीदारी और सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय शामिल हैं। इस रणनीति का उद्देश्य केवल तस्करी नेटवर्क को बाधित करना ही नहीं बल्कि उपचार, रोकथाम और सामुदायिक पहुंच के माध्यम से मांग को कम करना भी है।

अमेरिकी कानून प्रवर्तन में खुफिया आधारित पुलिस कार्रवाई

यात्रा के दौरान उभरकर सामने आए सबसे मजबूत पहलुओं में से एक खुफिया-आधारित पुलिसिंग का महत्व था। सिंथेटिक ओपिओइड को केवल स्थानीय कानून प्रवर्तन की समस्या मानने के बजाय, अमेरिकी एजेंसियां उन आपराधिक नेटवर्कों पर ध्यान केंद्रित करती हैं जो इनका उत्पादन, परिवहन, वित्तपोषण और वितरण करते हैं। डेका कहते हैं, यहां अमेरिकी दृष्टिकोण अत्यधिक खुफिया-आधारित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर केंद्रित है। सिंथेटिक ओपिओइड को स्थानीय मुद्दा नहीं माना जाता, बल्कि इसे वैश्विक आपराधिक नेटवर्क के हिस्से के रूप में देखा जाता है। ड्रग एन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) के साथ बैठकों के दौरान, आईवीएलपी प्रतिभागियों ने सीखा कि विभिन्न देशों में तस्करी मार्गों का पता कैसे लगाया जाता है और एजेंसियां मादक पदार्थों के वितरण के लिए इस्तेमाल होने वाले वित्तीय प्रवाह तथा ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों की निगरानी कैसे करती हैं।

फेडेरल और राज्य फ्यूजन केंद्रों के बीच डेटा साझा करना

टेक्सास में होमलैंड सिक्योरिटी विभाग और नेशनल नेटवर्क ऑफ फ्यूजन सेंटर्स के साथ बैठकों ने यह दिखाया कि सीमा अधिकारियों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और वित्तीय जांचकताओं द्वारा एकत्र की गई जानकारी को किस प्रकार एक साथ लाकर वास्तविक समय में विश्लेषित किया जाता है। डेका कहते हैं, इस प्रकार की वास्तविक समय में कई स्रोतों से खुफिया जानकारी साझा करना सिंथेटिक दवाओं से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इन्हें पारंपरिक मादक पदार्थों की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बनाया और तस्करी किया जा सकता है।

वानी भी अंतर एजेंसी सहयोग की भूमिका पर जोर देते हैं। वह बताते हैं कि डीईए, एफबीआई और होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशंस के फ्यूजन केंद्र मादक पदार्थ नेटवर्कों की निगरानी के लिए मिलकर काम करते हैं, जबकि फेडेरल, राज्य और स्थानीय कार्यबल जानकारी साझा करते हैं और जांच का समन्वय करते हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य और नशामुक्ति की दिशा में बढ़ता ध्यान

जहां कानून प्रवर्तन अमेरिका की प्रतिक्रिया का एक केंद्रीय हिस्सा बना हुआ है, वहीं प्रतिभागियों ने रोकथाम, उपचार और पुनर्वास पर दिए गए जोर को भी महत्वपूर्ण पाया। डेका कहते हैं, जिस बात ने मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया, वह सार्वजनिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण की ओर स्पष्ट बदलाव था। लत को केवल एक आपराधिक मुद्दा नहीं माना जाता बल्कि एक पुरानी स्वास्थ्य स्थिति के रूप में देखा जाता है, जिसके लिए उपचार और सहायता की आवश्यकता होती है।

मिशिगन में उन्होंने एंजल पहल जैसे कार्यक्रमों को देखा, जो नशे की समस्या से जूझ रहे लोगों को बिना सजा के डर के सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। शोधकताओं के साथ चचाओं में रोकथाम शिक्षा, सामुदायिक भागीदारी और शुरूआती हस्तक्षेप की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। वानी के अनुसार, सामुदायिक भागीदारी व्यापक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वह बताते हैं कि स्वास्थ्यकर्मी, कानून प्रवर्तन एजेंसियां, स्थानीय अधिकारी और सामुदायिक संगठन मिलकर मांग को कम करने और उपचार तक पहुंच बढ़ाने के लिए काम करते हैं। वह कहते हैं, अमेरिका नशीली दवाओं की लत और पदार्थों के उपयोग को एक पुरानी बीमारी के रूप में देखता है और समुदायों को सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से नारकैन जैसे उपचार तक पहुंच प्रदान की जाती है।

डेका लंबे समय तक नशामुक्ति में सहायता के लिए दवा-सहायता प्राप्त उपचार और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के उपयोग की ओर भी संकेत करते हैं। वह कहते हैं, जो बात सबसे अधिक उल्लेखनीय है, वह कलंक को कम करने का प्रयास है, जिससे लोगों के लिए आगे आना और सहायता मांगना आसान हो जाता है।

अमेरिकी ड्रग कोर्ट कैसे न्याय को पुनर्वास से जोड़ते हैं

प्रतिभागियों ने ऐसे तरीकों को भी देखा, जिनका उद्देश्य आपराधिक न्याय प्रणाली को पुनर्वास सेवाओं से जोड़ना था। डेका के लिए सबसे उल्लेखनीय उदाहरणों में से एक ड्रग कोर्ट का उपयोग था। वह कहते हैं, ड्रग कोर्ट की अवधारणा यह दर्शाती है कि सभी मादक पदार्थों से जुड़े अपराधों के लिए जेल भेजना आवश्यक नहीं है। ये अदालतें न्यायाधीशों, वकीलों, निगरानी अधिकारियों और उपचार प्रदाताओं को एक साथ लाती हैं, ताकि पात्र व्यक्तियों को जवाबदेही बनाए रखते हुए सुधार और पुनर्वास की दिशा में मार्गदर्शन दिया जा सके।

वानी ने ड्रग कोर्ट की यात्रा के दौरान इसी प्रकार का मॉडल देखा, जहां अहिंसक अपराधियों को न्यायाधीशों की निगरानी वाले उपचार कार्यक्रमों में भेजा गया। वह बताते हैं कि स्थानीय समुदाय और प्रशासनिक अधिकारी अक्सर पुनर्वास के बाद भी व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त करने और समुदाय में फिर से शामिल होने में सहायता देकर उनका समर्थन जारी रखते हैं।

प्रवर्तन और नीति पारिस्थितिकी तंत्र का समन्वय

दोनों प्रतिभागियों के लिए इस यात्रा ने यह स्पष्ट किया कि आधुनिक मादक पदार्थों की तस्करी सीमाओं से परे है और इसके लिए समन्वित प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता होती है। डेका कहते हैं, जिस बात ने मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया, वह संस्थानों के बीच समन्वय की गहराई और भूमिकाओं की स्पष्टता थी। वॉशिंगटन डीसी की अपनी यात्रा के दौरान मैंने देखा कि नीति, प्रवर्तन और सार्वजनिक स्वास्थ्य अलग-अलग काम नहीं कर रहे हैं बल्कि एक सुव्यवस्थित पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में कार्य कर रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 7864

✱✱✱✱✲ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7863 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

स्वराज और बलिदान के दो अमर प्रतीक

वरुण कुमार

भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं था, बल्कि यह आत्मसम्मान, राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता और स्वाधीनता की अदम्य आकांक्षा का विराट आंदोलन था। इस महान संघर्ष को अनेक विभूतियों ने अपने विचारों, त्याग, संगठन और बलिदान से दिशा दी। इन्हीं महान विभूतियों में दो ऐसे नाम हैं, जिनका जन्म एक ही दिन, 23 जुलाई को हुआ और जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन को दो अलग-अलग किंतु समान रूप से प्रभावशाली धाराएँ प्रदान कीं। एक ओर लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने स्वराज की वैचारिक नींव रखकर राष्ट्रवाद की चेतना को जन-जन तक पहुँचाया, तो दूसरी ओर अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद ने अपने अदम्य साहस, संगठन क्षमता और सर्वोच्च बलिदान से युवाओं में स्वतंत्रता के लिए प्राण न्योछावर करने का उत्साह भर दिया।

23 जुलाई भारतीय इतिहास का ऐसा गौरवशाली दिवस है, जो हमें बताता है कि किसी भी राष्ट्र की स्वतंत्रता केवल युद्धभूमि में नहीं, बल्कि विचार, संगठन, शिक्षा, सामाजिक जागरण और त्याग के सम्मिलित प्रयासों से प्राप्त होती है।

23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी में जन्मे बाल गंगाधर तिलक बचपन से ही मेधावी, स्वाभिमानी और निर्भीक थे। उनके पिता गंगाधर रामचंद्र तिलक संस्कृत के विद्वान एवं शिक्षक थे। पारिवारिक वातावरण में शिक्षा, भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों का विशेष स्थान था, जिसने तिलक के व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित किया।उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने अंग्रेजी शासन की शिक्षा व्यवस्था की सीमाओं को समझा। उनका विश्वास था कि ऐसी शिक्षा, जो भारतीयों में आत्मगौरव और राष्ट्रीय चेतना उत्पन्न न करे, वह अधूरी है। इसी सोच के साथ उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी की स्थापना की और राष्ट्रीय शिक्षा के प्रसार का अभियान प्रारंभ किया।

लोकमान्य तिलक ने पत्रकारिता को जनजागरण का प्रभावी माध्यम बनाया। उन्होंने मराठी भाषा में 'केसरी' तथा अंग्रेजी में 'मराठा' नामक समाचार पत्रों का प्रकाशन प्रारंभ किया। इन पत्रों में प्रकाशित उनके लेख ब्रिटिश शासन की अन्यायपूर्ण नीतियों की निर्भीक आलोचना करते थे। उन्होंने जनता को बताया कि विदेशी शासन केवल आर्थिक शोषण ही नहीं, बल्कि मानसिक दासता भी थोप रहा है।

तिलक की लेखनी इतनी प्रभावशाली थी कि अंग्रेज सरकार उन्हें अपना सबसे बड़ा वैचारिक विरोधी मानने लगी। अनेक बार उन पर राजद्रोह के मुकदमे चलाए गए, लेकिन उन्होंने कभी अपने विचारों से समझौता नहीं किया।भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में यदि किसी एक वाक्य ने करोड़ों भारतीयों के मन में स्वतंत्रता की लौ प्रज्ज्वलित की, तो वह था– स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।

यह केवल एक नारा नहीं था, बल्कि भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की आत्मा बन गया। इस उद्घोष ने युवाओं, किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और सामान्य नागरिकों को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ दिया। तिलक ने स्पष्ट किया कि स्वराज किसी शासक की कृपा नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय का प्राकृतिक अधिकार है।लोकमान्य तिलक समझते थे कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सार्वजनिक गणेशोत्सव और शिवाजी महोत्सव की शुरूआत की, जिससे समाज के विभिन्न वर्ग एक मंच पर आए। इन आयोजनों ने राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और देशभक्ति की भावना को मजबूत किया।

इन उत्सवों के माध्यम से लोगों में संगठन, संवाद और राष्ट्रीय चेतना का विकास हुआ। अंग्रेज सरकार इन्हें केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन के केंद्र के रूप में देखने लगी थी।

1908 में ब्रिटिश सरकार ने लोकमान्य तिलक को राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर बर्मा (वर्तमान म्यांमार) के मांडले कारागार भेज दिया। छह वर्ष के कारावास के दौरान उन्होंने अपने जीवन की महान कृति 'श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य' की रचना की। इस ग्रंथ में उन्होंने कर्मयोग की व्याख्या करते हुए बताया कि राष्ट्र और समाज के लिए सक्रिय कर्म ही सच्चा धर्म है। यह पुस्तक आज भी भारतीय चिंतन की अमूल्य धरोहर मानी जाती है।भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में तिलक गरम दल के प्रमुख नेता थे। लाला लाजपत राय, बिपिन चंद्र पाल और बाल गंगाधर तिलक की त्रयी ₹लाल-बाल-पाल₹ के नाम से प्रसिद्ध हुई। इन नेताओं ने स्वदेशी, बहिष्कार और राष्ट्रीय शिक्षा के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन को नई गति प्रदान की।1916 में उन्होंने एनी बेसेंट के साथ मिलकर होम रूल आंदोलन चलाया, जिसने पूरे देश में स्वशासन की मांग को नई ऊँचाई दी। 1 अगस्त 1920 को उनका निधन हुआ, किंतु उनके विचार आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन गए।

23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के भाबरा (वर्तमान आजाद नगर) में जन्मे चंद्रशेखर आजाद बचपन से ही साहसी, निडर और स्वाभिमानी थे। उनके पिता पंडित सीताराम तिवारी तथा माता जगरानी देवी धार्मिक और देशभक्त प्रवृत्ति के थे।वाराणसी पहुँचे, जहाँ राष्ट्रवादी विचारों से उनका परिचय हुआ। महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन में उन्होंने भाग लिया। गिरफ्तारी के बाद न्यायाधीश ने जब उनका नाम पूछा तो उन्होंने निर्भीक स्वर में उत्तर दिया– नाम - आजाद, पिता का नाम - स्वतंत्रता, निवास - जेल।

उनकी निर्भीकता से प्रभावित होकर लोग उन्हें 'आजाद' कहने लगे, और उन्होंने प्रण लिया कि वे जीवनभर अंग्रेजों के हाथ जीवित नहीं आएँगे।

दैनिक पंचांग

23 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

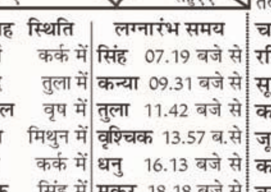

गुरुवार 2026 वर्ष का 204 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 07.04 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 01.43 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शुभ 19.20 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 07.04 बजे तदनन्तर तैतिल 20.06 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 8.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 07'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872779
जूलियन दिन 2461244.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर **तारीख** 08
विशेष नवरात्रि समाप्त, लोकमान्य तिलक जयंती।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.19 बजे से
चंद्र	तुला में	कन्या	09.31 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.42 बजे से
बुध	मिथुन में	वृश्चिक	13.57 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	16.13 बजे से
शुक्र	सिंह में	मकर	18.18 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	20.04 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.37 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	23.08 बजे से
राहुकाल		वृष	00.48 बजे से
1.30 से 3.00		मिथुन	02.46 बजे से
बजे तक		कर्क	04.59 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

बिजली के तार पर गिरी पीपल की डाल, हादसे की आशंका से दहशत

साहिबगंज : शहर स्थित चौक बाजार जो व्यस्त क्षेत्र है जहां दिन भर व्यापारियों और खरीददारों का तांता लगा रहता है वहां एक पीपल के पेड़ की डाल बिजली के तार पर गिर जाने से लोग परेशान दिख रहें हैं, हालांकि अभी तक तो कोई खतरे की बात नहीं दिख रही हैं मगर अगर जल्द ही इस डाल को तार पर से नहीं हटाया गया तो हो सकता है कोई बड़ी घटना को आमंत्रण दे रहा है। बता दें कि जिस रस्ते पर ये डाल बिजली के तार पर गिरी है उस रस्ते से हो कर की श्रद्धालु बाबा डाकिनाथ की पूजा और दर्शन करने भी जाते हैं, ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी खतरे में दिखती है, इससे पहले कि कोई दुर्घटना हो संबंधित विभाग को जल्द ही इस समस्या के समाधान करना चाहिए।

बोरियो संथाली एवं गौरीपुर में जल-जमाव से ग्रामीण परेशान

साहिबगंज : जिले के बोरियो प्रखंड के बोरियो संथाली से पीडब्ल्यूडी सड़क भाया पुआल-मठियो तक बनी सड़क के बोरियो संथाली एवं गौरीपुर के पास रूक-रूक कर हो रही बारिश के कारण सड़क पर जल जमाव हो गया है। जल जमाव से राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। दोनों गांवों के लोगों का कहना है कि जल-जमाव से आने-जाने में परेशानी है। सड़क के बीच जल जमाव होने से डेंगू, मलेरिया के मच्छरों का प्रकोप की आशंका बढ़ गयी है। लोग काफी परेशान हैं। जल जमाव का कारण सड़क के किनारे बनी नाली का जाम होना। बोरियो संथाली एवं गौरीपुर के ग्रामीणों ने नाली को जाम कर रखा है। नाली जाम रहने से बारिश का पानी नाली में न बह कर सड़क के बीचो-बीच जमा हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत यह सड़क 2021 में हीं बनी है। संवेदक के मेंटेनेंस कार्य की अवधि भी समाप्त हो चुकी है। ग्रामीणों की शिकायत है कि यह सड़क जहां-तहां भारी वाहन चलने से गढा नुमा हो गया है।

तेज रफ्तार हाइवा सड़क से उतरा, बड़ा हादसा टला

हिरणपुर : जिले के पाकुड़-हिरणपुर मुख्य मार्ग पर सोनाजोड़ी आईटीआई कॉलेज के समीप बुधवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। तेज रफ्तार से जा रहा एक हाइवा अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया। दुर्घटनाग्रस्त वाहन का पंजीकरण संख्या डब्ल्यूबी59एच4944 था। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चालक अचानक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद हाइवा सड़क छोड़कर नीचे जा उतरा। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पाकुड़ पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस दुर्घटना के कारणों की पड़ताल करने के साथ-साथ फरार चालक की तलाश में जुटी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पाकुड़-हिरणपुर मुख्य मार्ग की स्थिति लंबे समय से जर्जर बनी हुई है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो जाने से वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। उनका आरोप है कि कई बार संबंधित विभाग का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया गया, लेकिन अब तक सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई।

एसआईआर अभियान को लेकर बीडीओ ने किया मतदान केंद्र का निरीक्षण

राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के तहत बुधवार को अमड़ापाड़ा प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) प्रमोद कुमार गुप्ता ने कन्या मध्य विद्यालय स्थित मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ, बीएलए-2 की तीसरी बैठक तथा चुनाव पाठशाला से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और अभियान में तेजी लाने पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित प्रपत्रों के भरने, उनके सत्यापन तथा ऑनलाइन प्रविष्टि की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी पारदर्शिता और गंभीरता के साथ संपन्न किए जाएं, ताकि कोई भी पात्र

मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के कार्यकर्ता दीपांकर भगत, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता, वॉलिंटियर कंचन मधुर एक्का, ग्रामीण रंजीत भगत, सुनील मंडल सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता मौजूद रहे। मौके पर बीडीओ प्रमोद कुमार गुप्ता ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से एसआईआर अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से नहीं छूटना चाहिए। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में एसआईआर फॉर्म भरकर जमा करने तथा फॉर्म में सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता और निष्पक्षता लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है, इसलिए सभी संबंधित पक्षों को समन्वय के साथ इस अभियान को सफल बनाने में अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

अमड़ापाड़ा में एसआईआर अभियान का जायजा लेने बूथों पर पहुंचे जेएमएम नेता

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों और नेताओं ने बुधवार को प्रखंड की विभिन्न पंचायतों का दौरा कर मतदान केंद्रों (बूथों) पर चल रहे एसआईआर अभियान की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान नेताओं ने बीएलओ से इनुमरेशन फॉर्म भरने एवं ऑनलाइन एंट्री की स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा कार्य में तेजी लाने पर जोर दिया। दौरे के क्रम में जामुगड़िया पंचायत में जेएमएम के प्रखंड सचिव जहीरुद्दीन मियां ने बूथों का निरीक्षण कर अभियान की प्रगति की समीक्षा की। वहीं बोहड़ा पंचायत के भिलाई गांव में अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला सचिव दिलीप मरांडी ने बीएलओ से एसआईआर अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों का विस्तृत ब्योरा लिया। इसी प्रकार सिंगारसी, डूमरचीर और जराकी पंचायत के विभिन्न बूथों का निरीक्षण युवा मोर्चा के जिला सचिव अमित भगत, जिला सदस्य मंटू भगत तथा प्रखंड सह सचिव संतोष भगत ने किया। वहीं अमड़ापाड़ा संथाली एवं बासमती पंचायत में जिला सदस्य संजीत भगत और अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रखंड सह सचिव महफूज आलम ने बूथों का निरीक्षण कर अभियान की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान नेताओं ने बीएलओ और संबंधित कर्मियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर इनुमरेशन फॉर्म भरने तथा ऑनलाइन एंट्री का कार्य पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ पूरा करने का आग्रह किया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के समाहरणालय में जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में वनाधिकार अधिनियम के अंतर्गत पात्र लाभुकों को वनाधिकार पट्टा प्रदान किए जाने की प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आगामी विश्व आदिवासी दिवस (09 अगस्त) के अवसर पर आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह की तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार के निदेर्शानुसार 09 अगस्त, विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें माननीय मुख्यमंत्री द्वारा पात्र लाभुकों के बीच वनाधिकार पट्टों का वितरण किया जाएगा। इसे देखते हुए सभी संबंधित विभागों एवं समितियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने कहा कि जिन वनाधिकार दावों का निस्तारण लंबित है, उनकी प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि ग्राम वनाधिकार समिति से प्रस्तावों को नियमानुसार पारित कराते हुए शीघ्र अनुमंडल स्तरीय वनाधिकार समिति को भेजा जाए। अनुमंडल स्तर से स्वीकृत प्रस्तावों को समय पर जिला स्तरीय वनाधिकार समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाए, ताकि 03 अगस्त को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय समिति की बैठक में उनका अनुमोदन किया जा सके। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी प्रस्तावों का परीक्षण पूरी पारदर्शिता एवं निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप किया जाए, ताकि पात्र लाभुकों को समय पर वनाधिकार पट्टा उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि वनाधिकार अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन आदिवासी एवं परंपरागत वनवासियों के अधिकारों की रक्षा और उनके सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

अवैध वसूली के आरोप पर कॉलेज में हंगामा युवा कांग्रेस ने किया प्राचार्य का घेराव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राजमहल स्थित बी.एल.एन.एल. बोहरा डिग्री कॉलेज में विद्यार्थियों से कथित अवैध वसूली और जर्जर क्लासरूम की समस्या को लेकर बुधवार को युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कॉलेज के प्राचार्य का घेराव किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कॉलेज परिसर में संचालित कैफे को हटाने की भी मांग उठाई। युवा कांग्रेस का आरोप है कि कॉलेज परिसर में संचालित कैफे में विद्यार्थियों से अनुचित तरीके से पैसे वसूले जा रहे हैं। संगठन का कहना है कि इस संबंध में विद्यार्थियों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही हैं। पहले भी प्राचार्य को इस मामले से अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष

तनवीर राजा ने कहा कि कॉलेज प्रशासन विद्यार्थियों के हितों की अनदेखी कर रहा है। उन्होंने मांग की कि कथित अवैध वसूली पर तत्काल रोक लगाई जाए, अवैध रूप से संचालित कैफे को बंद किया जाए तथा जर्जर क्लासरूम की शीघ्र मरम्मत कराई जाए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो युवा कांग्रेस चरणबद्ध जन आंदोलन शुरू करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी कॉलेज प्रशासन की होगी।

घेराव कार्यक्रम में जाहिद कलमी, रोशन कुमार, तौफीक आलम, गुलाब शेख, समाउल शेख, रॉकी, ईशान अली सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा, साहिबगंज में बाढ़ का खतरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य के साहिबगंज जिले में एक मात्र गंगा नदी है, जहां गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से तटीय और दियारा इलाकों में दहशत का माहौल है। बिहार के बक्सर से लेकर पश्चिम बंगाल के फरक्का तक गंगा में तेजी से उफान आया है। कोशी जैसी सहायक नदियों में पानी आने के कारण साहिबगंज में गंगा का जलस्तर लगभग एक सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ रहा है।

24.68 मीटर पर पहुंचा जलस्तर

केंद्रीय जल आयोग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, बीते मंगलवार को साहिबगंज में गंगा का जलस्तर 24.68 मीटर दर्ज किया गया। यदि इसी रफ्तार से पानी बढ़ता रहा तो अगले 5 से 6 दिनों में यह चेतावनी रेखा 26.25 मीटर

को पार कर सकता है। साहिबगंज में गंगा का खतरे का निशान 27.25 मीटर निर्धारित है।

108 गांवों की 60 हजार आबादी पर खतरा

गंगा तटीय क्षेत्र के लगभग 83 किलोमीटर के दायरे में 108 गांव आते हैं। इन गांवों की 60 हजार से अधिक आबादी हर साल बाढ़ का सामना करती है। जलस्तर बढ़ने से दियारा के निचले हिस्सों और कृषि योग्य जमीनों में पानी घुसने लगा है। इससे किसानों की खड़ी फसलें डूबने के कगार पर हैं। साथ ही मवेशियों के लिए चारे की किल्लत भी शुरू हो गई है। संभावित बाढ़ को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। सदर अंचल के अंचलाधिकारी सह प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी बासुकीनाथ टुडू ने तटीय और दियारा क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। अंचलाधिकारी ने बताया कि बाढ़ पीड़ितों के लिए अस्थायी आश्रय स्थल, मवेशियों के चारा और राहत सामग्री के लिए टेंडर प्रक्रिया पहले ही पूरी कर ली गई है। बाढ़ की स्थिति बनते ही प्रभावित लोगों तक तुरंत राहत पहुंचाई जाएगी। फिलहाल प्रशासन ने लोगों से नदी किनारे न जाने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। उन्होंने बताया कि बीते कुछ दिनों से गंगा के जलस्तर पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

डीएसपी ने की अनुसंधान पदाधिकारियों के साथ मासिक अपराध की समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना परिसर में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस उपाधीक्षक रविकांत साव की अध्यक्षता में थाना के सभी अनुसंधान पदाधिकारियों के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान थाना क्षेत्र में दर्ज विभिन्न कांडों की बारीकी से समीक्षा की गई। पुलिस उपाधीक्षक रविकांत साव ने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर देते हुए अनुसंधान की गति तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गंभीर मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक केस में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान उन्होंने अनुसंधान पदाधिकारियों से केस डायरी की प्रगति, साक्ष्य संकलन,

आरोपियों की गिरफ्तारी एवं चार्जशीट दाखिल करने की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। साथ ही फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कि जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शी और निष्पक्ष जांच बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीड़ितों के साथ संवेदनशील व्यवहार करें और हर मामले में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें।बैठक में थाना प्रभारी शशि कुमार सिंह सहित सभी पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे महाप्रबंधक आवागमन के पहले एडीआरएम ने रेलवे स्टेशन व रेलवे स्कूल का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : हावड़ा जोन के महाप्रबंधक मिलिंद देवसकर के 27 जुलाई को प्रस्तावित साहिबगंज दौरे को लेकर रेलवे प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में मालदा रेल मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक अमरेंद्र कुमार मौर्य बुधवार को विशेष सैलून से अधिकारियों की टीम के साथ साहिबगंज पहुंचे और प्रस्तावित कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एडीआरएम रेलवे हाई स्कूल परिसर पहुंचे जहां उन्होंने चल रहे मेजर रिपेयर वर्क सहित विभिन्न विकास कार्यों की

विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया। इसके अलावा परिसर में साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण एवं अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया। जीएम के प्रस्तावित दौरे के दौरान रेलवे हाई स्कूल का निरीक्षण तथा गंगा तट स्थित अंग्रेजों के समय के ऐतिहासिक हेरिटेज भवन से जुड़े विकास कार्यों का उद्घाटन प्रस्तावित है। इसे लेकर मालदा रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों का लगातार साहिबगंज दौरा हो रहा है और विभिन्न विभाग तैयारियों को अंतिम रूप दे रही है। एडीआरएम ने बताया कि रेलवे हाई स्कूल में चल रहे मेजर रिपेयर वर्क का जायजा लिया गया है। उन्होंने कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए शेष बचे कार्यों को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। रेल सूत्रों के अनुसार, जीएम के प्रस्तावित निरीक्षण कार्यक्रम को देखते हुए सभी विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सुरक्षा, यात्री सुविधाओं, विकास कार्यों तथा कार्यक्रम स्थलों की व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि निरीक्षण के दौरान सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें। निरीक्षण के दौरान आरपीएफ कमांडेंट वरुण कुमार बेहेरा, साहिबगंज स्टेशन प्रबंधक गुड्डू शाह, सहायक अभियंता वेदव्यास सरण सहित मालदा रेल मंडल के कई अधिकारी, आरपीएफ महिला एसआई एवं रेलकर्मी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

बरमसिया मोड़ के पास अवैध कोयला लदा टेम्पो जब्त, दो गिरफ्तार

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ ज़िले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के बरमसिया मोड़ के पास पुलिस ने अवैध कोयला परिवहन करते हुए एक टेम्पो को पकड़ा है। इस संबंध में अमड़ापाड़ा थाना कांड संख्या 57/26, दिनांक 21.07.2026 के तहत धारा 303 (2)/ 305(ई)/ 371(2)/ 317(5)/ 3(5) बीएनएस एवं 30(ए) कोयला खान अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मौके से दो प्राथमिकी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान - 1. कमल किशोर मंडल, पिता सीताराम मंडल, ग्राम ऊपर मांझियड़ा, थाना दुमका मुफस्सिल। 2. कॉर्नेल टुडू, पिता स्माइल टुडू, ग्राम चिरुडीह, थाना काठीकुंड, जिला दुमका के रूप में हुई है। इसकी जानकारी अमड़ापाड़ा थाना प्रभारी अनूप रोशन भेंगरा ने दी। उन्होंने बताया कि अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, एक्सपायरी खाद्य सामग्री जब्त, दुकानदारों से वसूला जुर्माना

साहिबगंज : जिले के खाद्य सुरक्षा (फूड सेफ्टी) विभाग की टीम ने राजमहल शहर के विभिन्न प्रमुख बाजारों में छापेमारी कर नियम उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। इस कार्रवाई से हड़कंप मचने के बाद कई दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर भाग खड़े हुए। मिली जानकारी के अनुसार, फूड सेफ्टी ऑफिसर आशीष कुमार वर्मा, नवरंग देव और पोटका के राजीव कुमार के नेतृत्व में टीम ने शहर के मुख्य बाजार, स्टेशन चौक, गांधी चौक, निबंधन कार्यालय तथा मलखा बाबा खान के आसपास स्थित दर्जनों चाय, किराना और कोल्ड ड्रिंक्स की दुकानों में सघन जांच अभियान चलाया।जांच के दौरान विमल चाय दुकान, राजू पान दुकान और रोहन चाय दुकान समेत कई प्रतिष्ठानों से एक्सपायरी (समयावधि पार) कोल्ड ड्रिंक्स, बिस्किट एवं अन्य खाद्य सामग्रियां बरामद की गईं। टीम ने नियमानुसार इन सभी अमानक व असुरक्षित सामग्रियों को जब्त कर लिया।साथ ही, लापरवाही बरतने वाले दुकानदारों से मौके पर ही हजारों रुपये का जुमार्ना वसूला गया और भविष्य में ऐसा करने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की सख्त हिदायत दी गई। फूड सेफ्टी विभाग की इस अचानक हुई कार्रवाई की खबर जैसे ही बाजार में फैली, स्थानीय व्यापारियों में हड़कंप मच गया। कार्रवाई से बचने के लिए क्षेत्र के कई बड़े दुकानदार अपनी-अपनी दुकानों में ताला लगाकर मौके से खिसक गए। अधिकारियों का कहना है कि आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी विक्रेता को बख्शा नहीं जाएगा और इस तरह के औचक निरीक्षण अभियान आगे भी जारी रहेंगे। मौके पर राजमहल थाना के एसआई ओम प्रकाश चौहान दलबल के साथ मौजूद थे।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर सभी बूथों पर हुई चुनाव पाठशाला

साहिबगंज : जिले के सभी प्रखंडों में एसआईआर का अंतिम प्रक्रिया चल रही है। वहीं इसे अंतिम रूप देने के लिए बुधवार को प्रखंड क्षेत्र के सभी बूथों में चुनाव पाठशाला का आयोजन किया गया। इस पाठशाला में बीएलओ के अलावा विशेष नियुक्त वालंटियर, बीएलए-2, पंचायत सहायक के सहित सामाजिक तथा राजनीतिक कार्यकर्ता के अलावा अन्य मतदाता शामिल हुए। इस पाठशाला का शुभारंभ सबसे पहले बीएलओ द्वारा सभी का स्वागत कर मतदाता गहन पुनरीक्षण 2026 के बारे में कई बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। तत्पश्चात बीएलओ ने संबंधित बूथ में कुल पंजीकृत मतदाता, 22 जुलाई 2026 तक हस्ताक्षर सहित मतदाताओं का प्राप्त ईनयुमिरेशन फॉर्म, तथा संग्रह किए जाने वाले फॉर्म एवं असंग्रहणीय केटेगरी अर्थात एएसडीडी मतदाताओं की सूची का विवरण की जानकारी बीएलओ द्वारा उच्च स्वर में पढ़कर सुनाया गया। इस सभी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की गई। इसके बाद उपस्थित इस कार्य में नियुक्त पदाधिकारी सहित अन्य के साथ विचार विमर्श कर सर्वसम्मति से हस्ताक्षर किए गए। अंत में उपस्थित सभी से अपील किया कि क्षेत्र में उपरोक्त सूची में ऐसा किसी मतदाता के बारे में जानते हैं तो अवश्य जानकारी दें ताकि वैध भारतीय नागरिक जो 1 अक्तुबर 2025 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी हो अथवा सामान्य रूप से निवास कर रहे हो। ताकि इस प्रक्रिया में भाग लेने में वंचित न रह सके। इसके साथ ही बीएलओ द्वारा अंत में बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 31 के अंतर्गत यदि कोई विदेशी नागरिक ईनयुमिरेशन फॉर्म पर हस्ताक्षर कर जमा किया हो तो यह एक दंडनीय अपराध के श्रेणी में आता है। वहीं वैसे भारतीय नागरिक जो अन्य देशों की नागरिकता प्राप्त कर चुका है वो भी ईनयुमिरेशन फॉर्म हस्ताक्षर कर जमा ना करें। विदेशी व्यक्ति एसआईआर प्रक्रिया में भाग ना लें। मौके पर बीएलओ, वालंटियर, पंचायत सहायक के अलावा अन्य मौजूद थे।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बीएलओ सम्मानित

पाकुड़ : ज़िले में भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार झारखंड में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को समाहरणालय में आयोजित कार्यक्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित बीएलओ ने अपने-अपने मतदान केंद्रों पर एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य निर्धारित अवधि से पूर्व शत-प्रतिशत पूर्ण कर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के सफल क्रियान्वयन में उल्लेखनीय योगदान दिया। सम्मानित होने वाले बीएलओ में 05-पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-350 की बीएलओ जासमिनारा बीबी, बूथ संख्या-388 की बीएलओ नीलिमा सरकार, लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-83 की बीएलओ कल्पना कुमारी तथा महेशपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-92 की बीएलओ शालू बेगम एवं बूथ संख्या-65 की बीएलओ रुमी मंडल शामिल हैं। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने सभी सम्मानित बीएलओ को बधाई देते हुए कहा कि निर्वाचन संबंधी कार्यों में समर्पण, समयबद्धता एवं उत्तरदायित्व लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और निर्धारित समय सीमा से पूर्व शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करना उनकी कार्यनिष्ठा, प्रतिबद्धता एवं दक्षता का परिचायक है।

बोकारो स्टील प्लांट के एडीएम बिल्डिंग गेट पर शव के साथ जाम, अनुकंपा नियोजन की मांग तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के एडीएम बिल्डिंग के मुख्य गेट पर बुधवार को बीएसएल कर्मी सुभाष चंद्र मोदी की मौत के विरोध में परिजन और स्थानीय लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पिछले छह दिनों से सुभाष चंद्र मोदी का शव मर्चरी में रखा हुआ है, लेकिन प्रबंधन की ओर से आश्रित को नियोजन (अनुकंपा नौकरी) को लेकर कोई स्पष्ट आश्वासन नहीं दिया गया। नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने एडीएम बिल्डिंग के मेन गेट को जाम कर दिया, जिससे आवागमन प्रभावित रहा और प्रशासन को मौके पर भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात करने पड़े।

काम के दौरान हादसा, इलाज के दौरान मौत

परिजनों के अनुसार, बीएसएल कर्मी सुभाष चंद्र मोदी 30 जून को प्लांट में ड्यूटी के दौरान हादसे का शिकार हो गए, जब काम के दौरान उनके सिर में गंभीर चोट लगी। पहले उन्हें प्लांट मेडिकल में प्राथमिक उपचार के लिए ले जाया गया, इसके बाद हालत गंभीर होने पर अन्य अस्पतालों में रेफर किया गया जहां लंबा इलाज चला। इलाज के दौरान 17 जुलाई को उनकी मौत हो गई, जिसके बाद से शव मर्चरी में ही रखा हुआ है और परिजन नियोजन की मांग को लेकर आंदोलन की राह पर हैं।

परिजनों और स्थानीय नेताओं के आरोप

परिजनों का आरोप है कि हादसा प्लांट परिसर में ड्यूटी के दौरान हुआ और वही चोट उनकी मौत का कारण बनी, इसलिए इसे औद्योगिक दुर्घटना मानते हुए आश्रित को जल्द से जल्द नौकरी दी जानी चाहिए। परिवार का कहना है कि इलाज के दौरान कई बार अस्पताल बदलना पड़ा और बेहतर उपचार के बावजूद सुभाष चंद्र मोदी को बचाया नहीं जा सका, अब कम से कम प्रबंधन को परिवार के भविष्य की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। स्थानीय जनप्रतिनिधि भी प्रदर्शन में शामिल हुए और उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शीघ्र निर्णय लेते हुए नियोजन नहीं दिया गया तो आंदोलन और उग्र होगा।

सभी गेट जाम करने की चेतावनी, सुरक्षा बल तैनात

प्रदर्शनकारियों ने एडीएम बिल्डिंग के मुख्य गेट पर नारेबाजी करते हुए कहा कि अनुकंपा नियुक्ति पर जल्द फैसला न होने पर वे प्लांट के सभी गेटों को जाम कर देंगे और बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा।

स्थिति को देखते हुए प्रशासन और बीएसएल प्रबंधन ने एडीएम बिल्डिंग के आसपास उक्त्र्र और अन्य सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके और कर्मचारियों तथा अधिकारियों की आवाजाही नियंत्रित की जा सके। देर शाम तक परिजन शव को मर्चरी से नहीं उठाने पर अड़े रहे और नियोजन की लिखित घोषणा की मांग करते रहे।

प्रबंधन पर सवाल, जांच और नियोजन की मांग

सामाजिक प्रतिनिधियों और स्थानीय नेताओं ने बीएसएल प्रबंधन से पूरे मामले की जांच कर हादसे की जिम्मेदारी तय करने, परिवार के लिए मुआवजा और आश्रित को तत्काल नौकरी देने की मांग उठाई। उनका कहना है कि प्लांट में लगातार हो रहे हादसों पर सख्त सुरक्षा मानक लागू किए जाएं, ताकि भविष्य में किसी कर्मचारी की जान इस तरह जोखिम में न पड़े। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक प्रबंधन ठोस कदम नहीं उठाता, तब तक आंदोलन अलग-अलग रूपों में जारी रहेगा।

एक नजर

तालाब में डुबने से पिता-पुत्र की दर्दनाक मौत

चास (बोकारो) : ग्राम पंचायत खमारबेंदी के निवासी रघु रजवार (आयु लगभग 34 वर्ष) तथा उनका पुत्र शिबू रजवार (आयु लगभग 7 वर्ष) की सोमवार को तालाब में डुबने से मौत हो गई। घटना से संबंधित सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आपदा से परिवार को ढाढ़स बंधाया, लेकिन तब तक दोनों की दम तोड़ चुकी थी। पुलिस तथा स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृतक पिता-पुत्र के साथ किन परिस्थितियों में तालाब में गए और कैसे डुब गए, इस बात का विस्तृत कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना के तुरंत बाद परिजनों की चीख-पुकार और गांववालों की आवाजाही शुरू हो गई। पूर्व प्रत्याशी और जेएलकेएम के स्थानीय नेता अर्जुन रजवार सहित उनके परिवारजन मौके पर पहुंचकर मृतक परिवार को सांत्वना दी और परिजनों का सहारा बने। परिजनों व आसपास के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल बताया जा रहा है। घटना से पूरे गाँव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने नियमों व सावधानियों का पालन करने के लिए एक-दूसरे से अपील की है और बच्चों को पानी के किनारे अकेला न छोड़ने की चेतावनी दी है। स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और आगे की जांच जारी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का अधिक स्पष्ट निष्कर्ष सामने आएगा।

तुपकाडीह नहर रोड पर चलना हुआ मुशिकल

बोकारो : तुपकाडीह से तेनू बोकारो नहर रोड होकर सेक्टर नाइन तक जाने वाली सड़क पर इनदिनों चलना मुश्किल हो गया है। लगभग पांच किमी पर स्तिथ बीएसएल के कूलिंग पोंड एक तक रोज छोटी बड़ी दुर्घटना होती रहती है। रोड के जर्जरावस्था का कारण इस पर चलने वाले भारी वाहन हैं जो रोज प्लांट के केनाल गेट से छाई और लोहे का कचरा लेकर निकलते हैं। लगभग दो दर्जन हाइवा डम्फर के चलने और कभी मरम्मती नहीं होने के कारण रोड में बन आए बड़े बड़े गडढों के कारण रोजाना प्लांट में काम करने वाले मजदूर व गमनागमन करने वाले परेशान हो रहे हैं। इनदिनों रह रह कर हो रही बारिश के कारण रोड जानलेवा साबित हो रहा है। विस्थापितों के हितैषी बिक्रम कुमार ने बोकारो विधायक और धनबाद सांसद ढुलू महतो से इस रोड को बनाने की मांग की है।

संयुक्त किसान मोर्चा ने निकाली आक्रोश रैली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बुधवार को संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले चासझ्धर्मशाला मोड़ से बोकारो उपायुक्त कार्यालय तक सैकड़ों किसानों और मजदूरों ने आक्रोश रैली निकाली, जो उपायुक्त कार्यालय के पास सभा में बदल गई। सभा की अध्यक्षता झारखंड क्रांतिकारी मजदूर यूनियन के महासचिव डी.सी. गोहाई ने की। आयोजकों ने कहा कि भारतझ्अमेरिका मुक्त व्यापार समझौता किसानों और मजदूरों के हित में नहीं है और इससे कृषि भूमि व स्थानीय उत्पादन को भारी नुकसान होगा। सभा में चासझ्चन्दनकियारी इलाके में त्रुटिपूर्ण नए सर्वे-सेटलमेंट रद्द करने की भी मांग उठी।

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के राज्य सचिव कुमुद महतो ने बताया कि समझौते की आधिकारिक घोषणा अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 6 फरवरी 2026 को की थी और इस जुलाई में उस पर हस्ताक्षर संभव है; इसके तहत कई अमेरिकी कृषि व औद्योगिक उत्पादों पर आयात शुल्क समाप्त या घटा दिए जाएंगे, जिससे स्थानीय किसान प्रभावित होंगे। किसान सभा के जिला अध्यक्ष विश्वनाथ बनर्जी ने कहा कि बिजली संशोधन विधेयक व निजीकरण व स्मार्ट मीटर लागू होने से ग्रामीण व घरेलू उपभोक्ताओं पर बिजली का बोझ बढ़ेगा।

सभासदों ने महिलाओं की स्थिति, बढ़ती महिला हिंसा और शराबबंदी की भी आवाज उठाई। रेखा महतो, नुनी वाला उरांव व अन्य वक्ताओं ने महिलाओं की सुरक्षा, समानता और शराब निषेध की मांग रखी। संयुक्त किसान मोर्चा चन्दनकियारी के संयोजक जगन्नाथ रजवार ने कहा कि सर्वे-सेटलमेंट में कई तकनीकी और जातिगत त्रुटियाँ हैं, जिनका निराकरण न होने से किसानों की जमीन व पहुंच प्रभावित हो रही है।

सभा के अंत में प्रमुख वक्ताओं में डी.सी. गोहाई, हरिपद महतो, विश्वनाथ बनर्जी, नुनी वाला उरांव, रेखा महतो, गीता कुमारी,डॉ. गोपाल महतो, खगेन हॉसदा, बीरबल राय, बासुदेव गोप, महादेव शर्मा, झारु रजवार, राम लाल महतो, धिरेन महतो, शान्ति राम रजवार, अशोक महतो, बासुदेव महतो, राकेश कुमार महतो, अंकित कुम्भकार, राजु टुडू, ज्योति लाल महतो, राजु रजवार, हाबू लाल महतो, कमल प्रसाद महतो, विन्देश्वर महतो सहित पाँच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने उपायुक्त को 20 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा। रैली सभा में कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

बीडीओ के आवास में रसेल वाइपर मिलने से हड़कंप, टला बड़ा हादसा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बेरमो (बोकारो) : प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) मुकेश कुमार के सरकारी आवास के रसोईघर में बुधवार को जहरीला रसेल वाइपर सांप मिलने से कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। घटना के समय बीडीओ कुछ ही देर पहले उसी किचन से बाहर निकले थे, जिससे किसी प्रकार की अप्रिय घटना होने से बच गई।

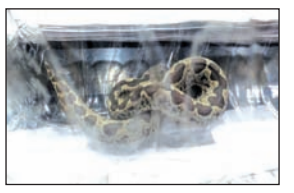

पुलिस और ग्रामीण सूत्रों ने बताया कि बीडीओ के ड्राइवर ने किचन में सांप देखा और तुरंत इसकी जानकारी मुकेश कुमार को दी। सूचना मिलने पर आसपास के लोगों को हटाकर, प्रशिक्षित कर्मियों की मदद से सांप को सुरक्षित तरीके से पकड़ा गया और आबादी से दूर किसी सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया। इस दौरान किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बीडीओ के आवास परिसर में पहले भी करैत (क्रेट) जैसे जहरीले सांप निकलने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। लगातार ऐसे जहरीले सांपों का आवास में मिलना वहां की साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह उठाने लगा है। कई लोगों ने आवास परिसर और आसपास के खेतों में साफ-सफाई व नियमित निगरानी कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना को टाला जा सके।

प्रखंड प्रशासन ने कहा है कि आवास परिसर की निगरानी और साफ-सफाई को और सख्त किया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर पेशेवर वन विभाग एवं सांप पकड़ने वाली टीमों की सहायता ली जाएगी। स्थानीय लोगों ने भी आवास के आसपास अनावश्यक कचरा व झाड़ियों को हटाने का आग्रह किया है ताकि सांपों का आवास घटाया जा सके।

मोहम्मद मुस्ताक ने कार्यकर्ताओ के साथ झामुमो की सदस्यता ग्रहण की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मंगलवार को चास क्षेत्र के अंसारी मोहल्ला निवासी मोहम्मद मुस्ताक ने सैकड़ों समर्थकों के साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सदस्यता ग्रहण की। जिला अध्यक्ष रतन लाल मांझी और महानगर अध्यक्ष मंटू यादव की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम स्थल पर मो मुस्ताक ने कहा कि वे क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं को उठाने के लिए राजनीतिक मंच से सक्रियता दिखाएंगे। उन्होंने स्थानीय सुधार, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को अपनी प्राथमिकता बताया। रतन लाल मांझी ने मोहम्मद मुस्ताक का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी में नए सदस्य जुड़ने से संगठन मजबूत होगा और आगामी स्थानीय मुद्दों पर बेहतर समन्वय संभव होगा। मंटू यादव ने भी संबोधन कर आगामी कार्यक्रमों व जनसंपर्क बढ़ाने पर जोर दिया।

सदस्यता ग्रहण के बाद कई स्थानीय युवाओं और समाजसेवियों ने भी झामो के साथ जुड़ने की इच्छा जताई।

डीएवी सेक्टर-4 में राष्ट्रीय झंडा दिवस के अवसर पर देशभक्ति का संदेश, तिरंगे की शान देश की पहचान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीएवी सेक्टर-4, बोकारो स्टील सिटी में राष्ट्रीय झंडा दिवस के सुअवसर पर राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत-प्रोत विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, गौरव और समर्पण की भावना व्यक्त की।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को राष्ट्रीय ध्वज के गौरवपूर्ण इतिहास, उसके महत्व तथा देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रतीक के रूप में उसकी भूमिका से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों ने तिरंगे के सम्मान और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को समझते हुए राष्ट्रहित में सदैव योगदान देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री एस. के. मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा, हमारा राष्ट्रीय ध्वज केवल तीन रंगों से बना एक ध्वज नहीं, बल्कि यह भारत की गौरवशाली विरासत, विविधता में एकता, साहस, शांति और प्रगति का प्रतीक है। तिरंगा हमें सदैव यह प्रेरणा देता है कि हम अपने राष्ट्र के प्रति निष्ठावान रहें और अपने कार्यों से देश की प्रतिष्ठा को ऊँचा उठाएँ। प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है कि वह राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करे और देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत बनाने में अपना योगदान दे।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देशभक्ति केवल नारों और उत्सवों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि हमारे आचरण, अनुशासन, ईमानदारी और जिम्मेदार नागरिक बनने के संकल्प में भी दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से राष्ट्र के प्रति प्रेम, संविधान के मूल्यों के प्रति सम्मान तथा समाज और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय ध्वज को फहराने से संबंधित जरूरी बातें एवं उसके सम्मान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी हासिल की। सभी विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं राष्ट्र के गौरव को बनाए रखने के संकल्प लिया।

महिला समिति, बोकारो द्वारा 'सावन महोत्सव-2026' का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : महिला समिति, बोकारो द्वारा बोकारो क्लब में पारंपरिक उत्साह के साथ 'सावन महोत्सव-2026' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति की मेंबर्स हरे रंग के पारंपरिक परिधानों से सुसज्जित होकर कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती शुभम रंजन के आगमन एवं स्वागत के साथ हुआ। उपस्थित सदस्यों ने आत्मीयता एवं उत्साहपूर्वक अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यक्रम के दौरान उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता भारद्वाज के नेतृत्व में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं, जिनमें सावन की थीम पर आधारित कविताएँ, गीत एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए गए। समारोह में पारंपरिक सावन झूला विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। साथ ही नई सदस्याओं का स्वागत किया गया, सावन के पारंपरिक गीत प्रस्तुत किए गए तथा स्वल्पाहार की भी व्यवस्था की गई। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेलों से कार्यक्रम सुसज्जित रहा।

सावन महोत्सव-2026 के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में श्रीमती अपर्णा को 'सावन क्वीन' चुना गया, जबकि श्रीमती शालिनी प्रथम रनर-अप एवं श्रीमती अमिता झा द्वितीय रनर-अप रहीं। मेहंदी प्रतियोगिता में श्रीमती चंदना ने प्रथम तथा श्रीमती संध्या राज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। केश-विन्यास के लिए श्रीमती अनिता ठाकुर को सम्मानित किया गया, जबकि श्रीमती रूपाली को 'सावन स्पेशल पुरस्कार' प्रदान किया गया। सभी विजेताओं का चयन महिला समिति की अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय महिला समिति की सचिव श्रीमती ऋचा प्रियदर्शिनी ने किया।

इस आयोजन को सफल बनाने में समिति की उपाध्यक्ष श्रीमती अल्का मनवटी, श्रीमती देवजानी मिश्रा एवं श्रीमती आशा दत्त, कोषाध्यक्ष श्रीमती अभिरुचि प्रिया, उप-कोषाध्यक्ष श्रीमती संघमित्रा पात्र, सुरभि प्रभारी श्रीमती अनिशा झा, विद्यालय प्रभारी श्रीमती नीतू सुनीत एवं श्रीमती आशा राज, सिलाई एवं सैनिटरी इकाई प्रभारी श्रीमती प्रीति राजेश तथा श्रीमती आरती कुमार, श्रीमती समिता मोहंती, श्रीमती कल्पना वर्मा, श्रीमती यामिनी श्री एवं श्रीमती रश्मि का उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

संक्षिप्त खबरें

जियाडा बोकारो प्रक्षेत्र की बैठक में औद्योगिक विकास एवं आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण पर हुई चर्चा

बोकारो : जियाडा औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण, बोकारो प्रक्षेत्र की एक महत्वपूर्ण बैठक उपायुक्त, बोकारो सह क्षेत्रीय निदेशक, जियाडा बोकारो प्रक्षेत्र श्री अजय नाथ झा की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में बोकारो के विभिन्न औद्योगिक एवं व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया तथा अपने-अपने संगठनों की ओर से एजेंडा एवं सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक के दौरान सभी संगठनों के प्रतिनिधियों ने औद्योगिक क्षेत्र से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधियों ने औद्योगिक क्षेत्र की दूरसंचार संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए बीएसएनएल के अधिकारियों के साथ एक अलग बैठक आयोजित कराने का अनुरोध किया। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने औद्योगिक क्षेत्र की जर्जर आधारभूत संरचना पर विशेष ध्यान आकर्षित करते हुए सड़कों, नालियों, स्ट्रीट लाइट, जलापूर्ति व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के पुनर्निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण की मांग की। उन्होंने कहा कि उद्योगों के सुचारु संचालन एवं नए निवेश को आकर्षित करने के लिए आधारभूत सुविधाओं का बेहतर होना अत्यंत आवश्यक है। बैठक में उपायुक्त सह क्षेत्रीय निदेशक श्री अजय नाथ झा ने सभी औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि वे बीएसएल के साथ प्रस्तावित पीएलसी बैठक के लिए अपने-अपने संगठनों का विस्तृत एजेंडा शीघ्र उपलब्ध कराएं। साथ ही उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र में प्रदूषण, रोजगार सृजन, यातायात प्रबंधन तथा अन्य प्रमुख समस्याओं एवं उनके समाधान संबंधी विस्तृत प्रतिवेदन 15 दिनों के भीतर प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया। बैठक में जियाडा बोकारो के उपनिदेशक मनोज कुमार, सहायक विकास पदाधिकारी सनी कुमार, बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, उद्योग संकल्प, बोकारो लघु उद्योग भारती तथा एससी-एसटी उद्यमी विकास संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सिल्ली के पलासडीह में 63 केवीए ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड की गोड़ाडीह पंचायत अंतर्गत पलासडीह गांव में बुधवार को 63 केवीए बिजली ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो ने विधिवत पूजा-अर्चना कर किया। ट्रांसफॉर्मर लगने से पिछले कई दिनों से बिजली संकट झेल रहे ग्रामीणों को राहत मिली है। ग्रामीण दिनेश कुमार महतो ने बताया कि गांव में लगा 63 केवीए का बिजली ट्रांसफॉर्मर खराब हो गया था, जिसके कारण उपभोक्ताओं को अंधेरे में रहने को मजबूर होना पड़ रहा था। ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए कार्तिक चन्द्र महतो के प्रयास से नया ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध कराया गया, जिसके बाद गांव में बिजली आपूर्ति बहाल हो गई। ट्रांसफॉर्मर लगने के बाद पलासडीह के ग्रामीणों ने खुशी जताते हुए कार्तिक चन्द्र महतो के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि बिजली बहाल होने से अब लोगों को रोजमर्रा के कार्यों में सुविधा मिलेगी और बच्चों की पढ़ाई भी बेहतर तरीके से हो सकेगी। इस अवसर पर सिल्ली प्रखंड कांग्रेस महासचिव शमशेर आलम, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सहदेव मांझी, मुकेश कुमार, श्रवण महतो, मन्सू ठाकुर, फेकन महतो, धीरेन्द्र महतो, संजय महतो, गौतम महतो, लम्बोदर महतो, लखी चरण महतो, प्रेमानंद महतो, अभिनाश महतो सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम में बिजली मिस्त्री चन्द्र मोहन महतो, गंगाधर महतो, जयप्रकाश महतो और सुफल वेदिया भी उपस्थित थे।

कलस्टर स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का डीएवी सरिया में आगाज

सरिया : सरिया स्थित श्रीरामकृष्ण डीएवी पब्लिक स्कूल में बुधवार को कलस्टर स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में डीएवी सरिया, भंडारीडीह, ललपनिया, दुगदा, कथारा और स्वांग के छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपनी रणनीतिक सोच और बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक विनोद कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने गणेश वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि विनोद कुमार सिंह ने कहा कि शतरंज ऐसा खेल है, जो विद्यार्थियों में एकाग्रता, धैर्य, अनुशासन, तार्किक चिंतन और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता विकसित करता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील की। कहा कि शतरंज का खेल हमें जीवन का पाठ सिखाता है । शतरंज के खेल की तरह जीवन में भी उतार-चढाव,हार जीत लगा रहता है पर संघर्ष कर जो आगे बढता है वही असली चैम्पियन है ।विद्यालय के प्राचार्य मनीष कुमार सिन्हा ने स्वागत भाषण में कहा कि शतरंज केवल जीत-हार का खेल नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों और अभिभावकों का स्वागत करते हुए प्रतियोगिता की सफलता की शुभकामनाएं दीं। उद्घाटन के बाद मुख्य अतिथि विनोद कुमार सिंह ने प्रतियोगिता के औपचारिक शुभारंभ की घोषणा की, जिसके साथ विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों के बीच मुकाबले शुरू हुए। खिलाड़ियों ने पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन और खेल भावना के साथ अपनी बाजियां खेलीं।

अखिल भारतीय किसान महासभा का एकदिवसीय धरना सम्पन्न

सरिया : बुधवार को भाकपा माले की किसान संगठन अखिल भारतीय किसान महासभा का एकदिवसीय धरना सरिया अनुमंडल कार्यालय के समक्ष दिया गया । धरना का नेतृत्व संगठन के जिला महासचिव बिजय सिंह कर रहे थे जबकि संचालन केदार मंडल ने किया । वहीं बतौर आतिथि भाकपा माले के राज्य कमिटी सदस्य भोला मंडल उपस्थित रहे । धरना को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि अबतक उपयुक्त बर्षा नहीं होने के कारण किसानों को सुखाड की आशंका सत्ता रही है ।

संक्षिप्त डायरी

राजगीर: इको-टूरिज्म का हब बनेंगे नालंदा के ऐतिहासिक कमल सरोवर और पुष्करणी तालाब

पटना (एजेंसी) राजगीर में अब कमल सरोवर बर्ड वाचिंग का प्रमुख केंद्र बनेगा, वहीं पुष्करणी तालाब का जीर्णोद्धार इको-टूरिज्म और वाटर स्पोर्ट्स की गतिविधियों से जुड़ा होगा। यह पहल नालंदा को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर लाएगी। प्राचीन नालंदा की ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहरों को अब विश्वस्तरीय पर्यटन पहचान मिलने जा रही है. जिलाधिकारी उदिता सिंह के निर्देश पर कमल सरोवर और ऐतिहासिक पुष्करणी तालाब को इको-टूरिज्म और वाटर स्पोर्ट्स के बड़े केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है. इससे नालंदा आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को प्रकृति, इतिहास और आधुनिक सुविधाओं का एक अद्भुत संगम देखने को मिलेगा. कमल सरोवर बनेगा बर्ड वाचिंग का प्रमुख केंद्र जिला प्रशासन प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के समकालीन कमल सरोवर को प्रकृति पर्यटकों और पक्षी प्रेमियों के लिए संवार रहा है. यह सरोवर पहले से ही प्रवासी और स्थानीय पक्षियों का एक महत्वपूर्ण आश्रय स्थल माना जाता है. यहां प्रतिवर्ष लगभग 235 प्रजातियों के प्रवासी पक्षी पहुंचते हैं, जिसे देखते हुए इसे बिहार के प्रमुख बर्ड वाचिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है. पुष्करणी तालाब के जीर्णोद्धार पर खर्च होंगे 4.31 करोड़ भारत-चीन मैत्री के प्रतीक ह्वेनसांग मेमोरियल हॉल के पास स्थित ऐतिहासिक पुष्करणी तालाब के जीर्णोद्धार का काम तेजी से चल रहा है. जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत इसके सौंदर्यीकरण और हरित क्षेत्र विस्तार पर 4.31 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा रहे हैं. प्रशासन यहां आधुनिक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित कर वाटर स्पोर्ट्स और अन्य मनोरंजक गतिविधियों की शुरूआत करने जा रहा है. स्थानीय कला को बढ़ावा देने के लिए बनेगा नालंदा हाट पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति से जोड़ने और पारंपरिक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 'नालंदा हाट' की स्थापना की जाएगी. इससे स्थानीय कला और हस्तशिल्प को एक नया राष्ट्रीय मंच प्राप्त होगा. इतिहासकारों के अनुसार, शुंगकाल में निर्मित पुष्करणी तालाब प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय से भी पुराना है, जहां कभी बौद्ध भिक्षु पवित्र स्नान और धार्मिक अनुष्ठान किया करते थे. पर्यटन सर्किट से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी रफ्तार पर्यटन विशेषज्ञों के अनुसार कमल सरोवर, पुष्करणी तालाब, ह्वेनसांग मेमोरियल हॉल, बड़गांव और कुंडलपुर को मिलाकर एक एकीकृत पर्यटन सर्किट तैयार किया जा रहा है. यह पहल नालंदा को ऐतिहासिक धरोहर के साथ-साथ नौका विहार और इको-टूरिज्म के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में स्थापित करेगी. इस योजना के धरातल पर उतरने से स्थानीय रोजगार, होटल व्यवसाय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलने की पूरी उम्मीद है.

NEET पेपर लीक: पटना में गाड़ियों पर चढ़कर प्रदर्शन करते रहे छात्र, नीचे पुलिस समझाने की कोशिश करती रही

पटना (एजेंसी) NEET पेपर लीक : पटना में छात्रों ने नीट पेपर लीक और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर राजभवन मार्च निकाला. पुलिस ने बैरिकेडिंग तोड़ रहे प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, वाटर कैनन और आंसू गैस का इस्तेमाल किया. इस दौरान कई छात्र और मीडियाकर्मी घायल हुए. पटना से नितीश सिंह की रिपोर्ट NEET पेपर लीक : नीट पेपर लीक मामले, जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज के विरोध और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर बुधवार को छात्र संगठनों ने राजभवन मार्च निकाला. जैसे ही प्रदर्शनकारी जेपी गोलंबर पहुंचे, पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेडिंग कर दी. इसके बाद पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और हल्का लाठीचार्ज किया. भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के

गोले भी दागे गए. बैरिकेडिंग तोड़ने पर बढ़ा तनाव ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राजभवन की ओर बढ़ रहे थे. इस दौरान छात्रों ने बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की, जिससे पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोंकझोंक हुई. हालात बिगड़ने पर पुलिस ने बल प्रयोग किया. कई छात्र और मीडियाकर्मी हुए घायल लाठीचार्ज और भगदड़ के दौरान कई छात्रों के साथ कुछ मीडियाकर्मी भी घायल हो गए. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार और निजीकरण के खिलाफ उनका आंदोलन आगे भी जारी रहेगा. डाकबंगला चौराहा तक पहुंचे प्रदर्शनकारी पुलिस कार्रवाई के बावजूद बड़ी संख्या में छात्र बैरिकेडिंग तोड़कर डाकबंगला चौराहा तक पहुंच गए. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एसएसपी कार्तिकेय शर्मा, सिटी एसपी मध्य ममता कल्याणी और पटना सदर एसडीएम काम्या मिश्रा भी मौके पर पहुंचे. अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया और आगे बढ़ने से रोका. डाकबंगला चौराहा डाकबंगला चौराहा प्रदर्शन से गांधी मैदान इलाके में लगा जाम छात्रों के प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई के कारण गांधी मैदान, जेपी गोलंबर, डाकबंगला चौराहा, फ्रेजर रोड, आयकर गोलंबर, एग्जीबिशन रोड, बाकरगंज और न्यू डाकबंगला रोड समेत कई प्रमुख इलाकों में घंटों तक भीषण जाम लगा रहा. इससे आम लोगों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. प्रदर्शनकारियों का आईजी की एस्कॉर्ट गाड़ी पर हमला जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग तोड़ने के बाद बड़ी संख्या में छात्र डाकबंगला चौराहा पहुंच गए, जहां प्रदर्शन और हंगामा लगातार बढ़ता गया. हालात को नियंत्रित करने के लिए पहले एसएसपी कार्तिकेय शर्मा और पटना सदर एसडीएम काम्या मिश्रा मौके पर पहुंचे, लेकिन प्रदर्शन नहीं थमा. इसके बाद आईजी जितेंद्र राणा और डीएम कुंदन कुमार भी घटनास्थल पहुंचे. इसी दौरान प्रदर्शनकारियों ने आईजी की एस्कॉर्ट गाड़ी पर हमला कर दिया. हालांकि पुलिस ने तुरंत स्थिति पर नियंत्रण पा लिया. छात्रों ने डाकबंगला चौराहा पर लगी बैरिकेडिंग भी तोड़ दी और पूरे चौराहे की घेराबंदी कर नारेबाजी व प्रदर्शन जारी रखा, जिससे इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना रहा.

बिहार के इस जिले में 37.19 करोड़ की लागत से बनेगी सड़क, शहर में कनेक्टिविटी होगी मजबूत

पटना (एजेंसी) बिहार के भोजपुर जिले में लगभग 37 करोड़ 19 लाख रुपये की लागत से सड़क बनाई जाएगी. इस सड़क के बनने से लोगों को जाम की समस्या से राहत मिल सकेगी. इसके साथ ही शहर में सड़क कनेक्टिविटी मजबूत हो सकेगी. बिहार के आरा शहर में रोजाना ट्रैफिक जाम, पतली सड़कों और बारिश के दिनों में जलजमाव की परेशानी आने वाले समय में आपकी हद तक खत्म हो सकती है. शहर की यातायात व्यवस्था को पूरी तरह बदलने की दिशा में एक बड़ी शुरूआत हो चुकी है. यूआईडीएफ (अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड) परियोजना के तहत करीब 37 करोड़ 19 लाख रुपये की लागत से सड़क चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का काम शुरू कर दिया गया है. यहां सड़क को किया जाएगा चौड़ा इस प्रोजेक्ट के तहत

शीश महल चौक से सब्जी मंडी, मीरगंज और गंगी होते हुए एनएच-922 तक सड़क का चौड़ीकरण किया जाएगा. यह मार्ग शहर की सबसे व्यस्त सड़कों में गिना जाता है, जहां हर दिन हजारों गाड़ियां गुजरती हैं. सड़क के बेहतर होने से ट्रैफिक का दबाव कम होगा और लोगों का सफर पहले से कहीं अधिक तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक बनेगा. आरण्य देवी मंदिर पहुंचना होगा आसान इस परियोजना की सबसे खास बात यह है कि आरण्य देवी मंदिर तक पहुंच पहले से कहीं आसान हो जाएगी. मंदिर को सीधे बेहतर सड़क नेटवर्क से जोड़ा जाएगा. इसके अलावा आरण्य देवी मंदिर से एनएच-922, आरा-बड़हरा रोड, पुलिस लाइन चौक, लाइन रोड, पुराने पुलिस स्टेशन, मौलाबाग, पाकड़ी चौक, क्लब मोड़ और सिविल कोर्ट जैसे प्रमुख इलाकों की सड़कों का भी चौड़ीकरण और आधुनिकीकरण किया जाएगा. इससे पूरे शहर की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और लोगों का समय बचेगा. दो लेन में बनाई जाएगी सड़क परियोजना के तहत सड़क को दो लेन में विकसित किया जाएगा. करीब 33 फीट चौड़ी सड़क के दोनों ओर पक्के शोल्डर और लगभग साढ़े तीन-तीन फीट चौड़ी नालियों का निर्माण होगा. इससे बारिश वाले दिनों में जल जमाव की समस्या कम होगी और पैदल यात्रियों को भी सुरक्षित रास्ता मिलेगा. निर्माण के दौरान सड़क की मजबूती, बेहतर जल निकासी और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाएगा. सड़क बनने से फायदा नेशनल हाउसिंग बैंक के वित्तपोषण से चल रही इस परियोजना का निर्माण कार्य जय माता दी एवं मां सीता कंस्ट्रक्शन की ओर से किया जा रहा है. सड़क चौड़ीकरण के लिए जहां आवश्यकता होगी, वहां सरकारी जमीन भी खाली कराई जाएगी ताकि काम में किसी तरह की बाधा न आए. ऐसे में परियोजना समय पर पूरी हुई तो शहर को आधुनिक सड़क नेटवर्क, बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था, आसान धार्मिक और व्यावसायिक आवागमन के साथ विकास की नई रफ्तार मिलेगी.

बिहार विधानसभा मानसून सत्र: सदन में तेजस्वी के गायब होने की चर्चा, बीजेपी टछअ ने किया कटाक्ष

पटना (एजेंसी) बिहार विधानसभा के मॉनसून सत्र का आज तीसरा दिन है. आज भी विपक्ष ने कई मुद्दों को लेकर हंगामा किया. बुधवार को सदन में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के गायब होने पर चर्चा की गई. साथ ही सीएम सम्राट ने किसानों को राहत भी दी. बिहार विधानसभा का मानसून सत्र चल रहा है. आज तीसरे दिन सदन में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के गायब रहने पर चर्चा की गई. बताया जा रहा है कि तेजस्वी यादव इन दिनों विदेश दौरे पर हैं. सदन में बीजेपी विधायक ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधा. बीजेपी और जेडीयू नेता ने कसा तंज बीजेपी विधायक बैधनाथ प्रसाद ने सदन में तेजस्वी यादव के गायब रहने का मुद्दा उठाया. उन्होंने कहा, तेजस्वी यादव अपने पद का निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं. वे बिहार के विकास

में अपना योगदान छोड़कर अमेरिका-ईरान युद्ध में मध्यस्थता कर रहे हैं. इतना ही नहीं जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार ने भी इस मामले में चुटकी ली. जेडीयू एमएलसी ने कहा, तेजस्वी यादव अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे प्रॉब्लम को खत्म करने गए हैं. यह समस्या यूनाइटेड नेशन से खत्म नहीं हो पा रही है. वे 9 ग्रह में से किस ग्रह पर हैं, इसकी जानकारी राजद को भी नहीं है. इस तरह से तेजस्वी यादव की गैरमौजूदगी में सत्ता पक्ष ने उन्हें निशाने पर लिया. विपक्ष ने उठाया किसानों का मुद्दा सदन की कार्यवाही के दौरान आज किसानों का भी मुद्दा उठा. सीएम सम्राट चौधरी ने उन्हें खास राहत दी है. विपक्ष ने किसानों के लिए सूखे का मुद्दा उठाया और हंगामा करते हुए वेल तक पहुंच गए. उन्हें बिजली नहीं मिलने की वजह से सिंचाई और फसल प्रभावित होने की बात कही गई. सीएम सम्राट ने विपक्ष को दिया जवाब इस सीएम सम्राट ने कहा, कम बारिश की वजह से किसानों को परेशानी हो रही है. इस स्थिति पर लगातार सरकार की नजर बनी हुई है. साथ ही किसानों को किसी तरह की परेशानी सिंचाई में नहीं हो, इसके लिए सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक बिजली दी जा रही है. इसे लेकर सभी जिलाधिकारियों (डीएम) को निर्देश दिया है कि जहां भी कोई समस्या हो, उसका तुरंत समाधान किया जाए.

बिहार के इस जिले में 28.42 करोड़ से बनेगा एयरपोर्ट का रनवे, जल्द उड़ान भरेंगे विमान

पटना (एजेंसी) बिहार में अब एयर कनेक्टिविटी को भी मजबूत करने पर फोकस किया जा रहा है. ऐसे में बीरपुर एयरपोर्ट से जुड़ा अपडेट है. इस एयरपोर्ट के रवने विस्तार, टैक्सीवे, एप्रन समेत अन्य बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 28.42 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे. बिहार के बीरपुर एयरपोर्ट के विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हो गई है. भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (अअक) ने बीरपुर एयरपोर्ट को कोड-2बी श्रेणी के विमान संचालन के अनुकूल बनाने के लिए टेंडर जारी किया है. 28.42 करोड़ की लागत से रनवे, टैक्सीवे, एप्रन और अन्य जरूरी एयरसाइड बुनियादी ढांचे का विकास होगा. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी दी है. सीएम सम्राट ने एक्स पर क्या-क्या लिखा? सीएम ने एक्स पर लिखा, '10 मार्च 2026 को जारी 36.38 करोड़ रुपये की निविदा, जिसके अंतर्गत प्री-फैब्रिकेटेड टर्मिनल भवन, प्री-इंजीनियर्ड एटीसी टावर, प्री-इंजीनियर्ड फायर स्टेशन और अन्य विमानपत्तन भवनों का निर्माण किया जाना है, का कार्य भी

संवेदक को आवंटित कर दिया गया है'. आगे उन्होंने लिखा, 'इस प्रकार, उड़ान योजना के अंतर्गत बीरपुर हवाई अड्डे के विकास पर कुल 64.80 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है, जिससे कोसी क्षेत्र में हवाई संपर्क सुदृढ़ होगा और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी'. बीरपुर एयरपोर्ट का विकास होने से फायदे बीरपुर एयरपोर्ट का विकास होने से कोसी-सीमांचल क्षेत्र को काफी फायदा हो सकेगा. अभी सुपौल, अररिया, मधेपुरा या फिर सीमांचल के किसी भी जिले के लोगों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए पटना या बागडोगरा पर निर्भर होना पड़ता है. लेकिन बीरपुर एयरपोर्ट से जब विमान उड़ान भरने लगेंगे तब लोगों को काफी हद तक सहूलियत मिल सकेगी. इसके साथ ही यह एयरपोर्ट भारत-नेपाल बॉर्डर के पास होने के कारण प्रशासनिक नजरिए से मददगार साबित होने वाला माना जाएगा. बीरपुर एयरपोर्ट का विकास होने से एयर कनेक्टिविटी मजबूत होने के साथ-साथ स्थानीय व्यापार को बढ़ावा, पर्यटन को बढ़ावा, निवेश को बढ़ावा और इसके आस-पास के जिलों में इंफ्रास्ट्रक्चर भी मजबूत हो सकेगा.

बेगूसराय के 16 टीचरों को मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026, बछवाड़ा प्रखंड के दो प्रधानाचार्य भी सूची में शामिल,

पटना (एजेंसी) राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए बेगूसराय जिले के 16 शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों को जिला चयन समिति के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है. यह सत्यापन प्रक्रिया जिला स्तर पर चयन का पहला चरण है. बेगूसराय जिले के 16 प्रधानाध्यापकों और शिस्टक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है. जिला शिक्षा पदाधिकारी ने इन सभी शिक्षकों को 24 जुलाई को जिला चयन समिति के सामने उपस्थित होने का कड़ा निर्देश दिया है. इस दौरान सभी चयनित शिक्षकों को अपने जरूरी दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा. पोर्टल पर अपलोड दस्तावेजों की होगी गहन जांच जिला शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार ने सभी चयनित शिक्षकों को निर्धारित समय पर समिति के समक्ष

पहुंचने को कहा है. निर्देश के अनुसार शिक्षकों को पोर्टल पर अपलोड किए गए सभी अभिलेखों की एक-एक प्रति अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करनी होगी. इन सभी दस्तावेजों की गहन जांच और भौतिक सत्यापन के बाद ही जिला स्तर पर चयन प्रक्रिया पूरी की जाएगी. बछवाड़ा प्रखंड के दो प्रधानाचार्य भी सूची में शामिल शॉर्टलिस्ट किए गए इन 16 उत्कृष्ट शिक्षकों में बछवाड़ा प्रखंड के दो होनहार शिक्षक भी शामिल हैं. इनमें रानी एक पंचायत स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य शिवनाथ प्रसाद का नाम प्रमुखता से शामिल है.

कोसी नदी पर बिहार का सबसे लंबा पुल 96 प्रतिशत बनकर तैयार, भागलपुर से इन दो जिलों की दूरी 60 किमी हो जाएगी कम

पटना (एजेंसी) बिहार में कोसी नदी पर राज्य का सबसे लंबा पुल बनाया जा रहा है. इससे जुड़ा अपडेट है कि इस पुल का 96 प्रतिशत से भी ज्यादा काम पूरा हो गया है. इस पुल के बनने से लोगों को सहूलियत मिलेगी. खासकर भागलपुर से सहरसा और मधेपुरा की दूरी लगभग 60 किलोमीटर कम हो जाएगी. बिहार में कई सारे रोड प्रोजेक्ट्स और पुलों का निर्माण किया जा रहा है. ऐसे में कोसी नदी पर बिहार का सबसे लंबा पुल बनाया जा रहा है. यह पुल बिहार के लिए एक गेमचेंजर साबित हो सकता है. अगर सब कुछ तय समय के मुताबिक रहा, तो अगले आठ महीने में इस पुल पर गाड़ियों की आवाजाही शुरू हो जाएगी. इसके साथ ही लाखों लोगों

का सफर आसान होगा और कई जिलों के बीच की दूरी भी काफी कम हो जाएगी. कितने रुपये किए जायेंगे खर्च? करीब 28.918 किलोमीटर लंबी पुल सह सड़क परियोजना का 96.6 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है. यह परियोजना लगभग 996.30 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की जा रही है. पुल के चालू होते ही भागलपुर से मधेपुरा और सहरसा की दूरी करीब 60 किलोमीटर कम हो जाएगी. इसका सबसे बड़ा फायदा नेपाल जाने वाले यात्रियों को मिलेगा. इन दो एनएच को जोड़ा जाएगा इस परियोजना के तहत एनएच-31 और एनएच-106 को आपस में जोड़ा जा रहा है. सुपौल की ओर सड़क निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि मधेपुरा के फुलौत में कोसी नदी पर बन रहा 6.94 किलोमीटर लंबा फोरलेन पुल अब अंतिम फेज में है. टोटल 128 स्पैन में से 126 स्पैन तैयार किए जा चुके हैं और अब सिर्फ अंतिम स्पैन पर काम चल रहा है. ये कंपनी कर रही पुल का निर्माणइस मेगा प्रोजेक्ट का निर्माण मे. एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कर रही है. शुरूआत में लक्ष्य जून 2024 तक काम पूरा करने का था, लेकिन कई कारणों से निर्माण की रफ्तार प्रभावित हुई. इसके बाद सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने परियोजना की समय-सीमा बढ़ाकर 28 फरवरी 2027 कर दी. माना जा रहा है कि 96.60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और अधिकांश भुगतान भी मिल चुका है. व्यापार, शिक्षा, रोजगार को बढ़ावा फिलहाल एक तरफ पुल के अंतिम हिस्से को पूरा किया जा रहा है, तो दूसरी ओर अप्रोच रोड पर तेजी से काम चल रहा है. डब्ल्यूएमएम, डीबीएम और बिटुमिनस लेयर बिछाने का कार्य भी अंतिम दौर में है. यह परियोजना पूरी होने के बाद केवल यात्रा का समय ही नहीं घटेगा, बल्कि व्यापार, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और नेपाल से सीमा पार संपर्क को भी नई गति मिलेगी.

नैनीताल के पास बसा ये हिल स्टेशन जन्नत से नहीं है कम, खूबसूरत नजारे देख बन जाएगा आपका दिन

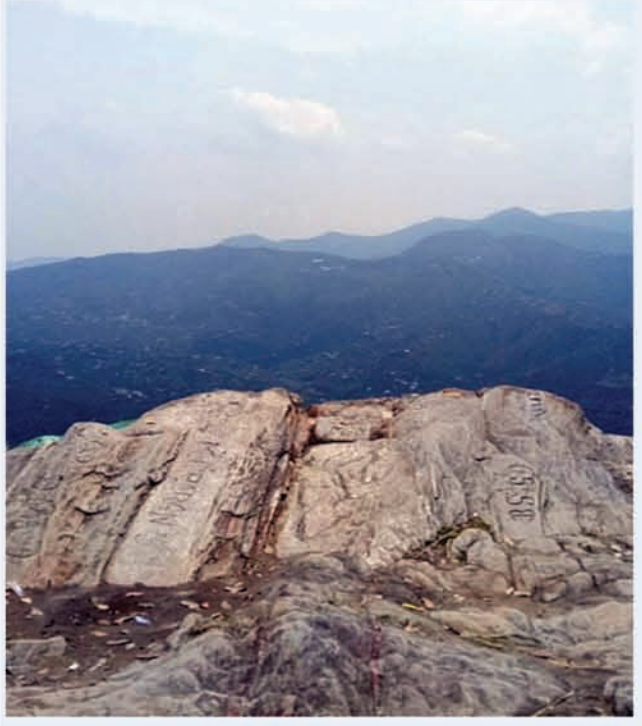

दिल्ली से करीब 300 किमी की दूरी पर नैनीताल स्थित है। जोकि उत्तराखंड का फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। गर्मी से लेकर मानसून के समय भी दिल्ली एनसीआर वाले नैनीताल में वीकेंड पर जाते हैं। नैनीताल अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। लेकिन जब पर्यटक नैनीताल मौज-मस्ती के लिए पहुंचते हैं, तो सिर्फ नैनीताल की फेमस जगहों को एक्सप्लोर करके चले जाते हैं। लेकिन यहां से काफी पास में स्थित मुक्तेश्वर जैसी अद्भुत जगह को एक्सप्लोर करना भूल जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित मुक्तेश्वर की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास में स्थित कुछ बेहतरीन और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

उत्तराखंड में मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर नैनीताल जिले में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक गांव है। जोकि मुख्य शहर से करीब 48 किमी दूर है। हालांकि मुक्तेश्वर को कई लोग एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन मानते हैं। यह अल्मोड़ा से करीब 42 किमी दूर स्थित है। वहीं भीमताल से यह जगह 42 किमी दूर है।

क्यों फेमस है मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर गांव उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित है और कई खास चीजों के लिए फेमस है। मुक्तेश्वर सबसे ज्यादा मुक्तेश्वर मंदिर के लिए जाना जाता है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक भगवान शंकर ने इस जगह एक राक्षस का वध किया था।

यहां की पौराणिक मान्यताओं के अलावा शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। मुक्तेश्वर, नैनीताल या फिर अल्मोड़ा की तुलना में कम भीड़-भाड़ वाली जगह है। यहां पर आप घने जंगल, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घास के मैदान और झील-झरने मुक्तेश्वर की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं।

मुक्तेश्वर पर्यटकों के लिए है खास

पर्यटकों के लिए मुक्तेश्वर किसी जन्नत से कम नहीं है। खासकर यहां की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। यहां पर आपको नैनीताल से काफी कम भीड़ मिलेगी। इसलिए एकांत की तलाश करने वाले लोगों के लिए मुक्तेश्वर जन्नत से कम नहीं है।

आप यहां की खूबसूरती को निहारने के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं। मुक्तेश्वर की वादियों में रॉक क्लाइम्बिंग से लेकर रैपलिंग, कैंपिंग और ट्रेकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें

मुक्तेश्वर मंदिर

मुक्तेश्वर में पहुंचकर आप सबसे पहले मुक्तेश्वर मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। जोकि भगवान शिव को समर्पित है। आप यहां पर ट्रेकिंग करके पहुंच सकते हैं।

चौली की जाली

चौली की जाली को नेचर लवर्स के लिए जन्नत माना जाता है। आप यहां से हिमालय की खूबसूरती को करीब से निहार सकते हैं।

भालू गढ़ वॉटरफॉल

मुक्तेश्वर से कुछ ही किमी की दूरी पर भालू गढ़ वॉटरफॉल एक फेमस पिकनिक स्पॉट है। बारिश के मौसम में इस वॉटरफॉल की खूबसूरती देखने लायक होती है।

ऐसे पहुंचे नैनीताल से मुक्तेश्वर

बता दें कि नैनीताल से मुक्तेश्वर पहुंचना बेहद आसान है। इसके लिए आप नैनीताल बस स्टैंड से टैक्सी या फिर कैब से पहुंच सकते हैं। इसके साथ ही आप रेंट पर स्कूटी लेकर भी मुक्तेश्वर पहुंच सकते हैं।

भीड़भाड़ से दूर इन ऑफबीट हिल स्टेशन पर बनाएं घूमने का प्लान, सुकून की तलाश भी होगी पूरी

शहरों की गर्मी और उमस से परेशान होकर लोग पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। लेकिन इस समय मसूरी, ऋषिकेश और नैनीताल जैसे फेमस हिल स्टेशन के समय भारी ट्रैफिक और भीड़ से खचाखच भरे हैं। वीकेंड पर तो यहां का हाल और भी बुरा हो जाता है। क्योंकि हजारों की संख्या में लोग गर्मियों में यहां की ओर निकल पड़ते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आप पहाड़ों पर जाने पर भी क्या सुकून मिलेगा।

दिल्ली एनसीआर के लोगों के लिए मसूरी, नैनीताल और ऋषिकेश सस्ते और जल्दी पहुंचने वाले हिल स्टेशन हैं। लेकिन इन जगहों पर भारी ट्रैफिक और भीड़ मिलने के कारण लोगों की छुट्टियां का मजा किरकिरा हो रहा है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऑफबीट डेस्टिनेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। जोकि फेमस तो हैं, लेकिन यहां पर आपको भीड़भाड़ नहीं मिलेगी।

कौड़ियाला

अगर आप मसूरी के आसपास कोई शांत जगह ढूंढ रहे हैं, तो आप कौड़ियाला जा सकते हैं। ऋषिकेश से कौड़ियाला करीब 38 किमी दूर है। आपको यहां पर ऋषिकेश जैसा ट्रैफिक देखने को नहीं मिलेगा। आप यहां पर कैंपिंग कर सकते हैं और सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं। पहाड़ों पर शांति का एहसास लेना एक अलग अनुभव है। इसलिए आपको ऐसी जगह पर जाने का प्लान बनाना चाहिए, जहां पर ज्यादा लोगों की भीड़ नहीं होती है।

देवप्रयाग

देवप्रयाग भी घूमने के लिहाज से एक अच्छी जगह है। मसूरी-नैनीताल और ऋषिकेश की भीड़ से बचने के लिए आप

देवप्रयाग में सुकून और शांति का एहसास ले सकते हैं। आप यहां पर सुबह-सुबह संगम स्थल पर पानी के किनारे बैठ सकते हैं। फिर यहां पर शाम की आरती में शामिल हो सकते हैं। वहीं देवप्रयाग के पास में स्थित धारी देवी के दर्शन के लिए जा सकते हैं।

भीमताल

अगर आप नैनीताल के आसपास कोई शांत जगह की तलाश कर रही हैं, तो भीमताल बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। पहाड़ों पर घूमने का प्लान बना रहे लोगों को रास्ते में मिलने वाला ट्रैफिक परेशान कर सकता है। लेकिन भीमताल पहुंचने के बाद आपको सुकून का एहसास होगा। भले ही आपको घूमने के लिए यहां पर ज्यादा जगहें नहीं मिलेंगी। लेकिन भीड़ और ट्रैफिक से राहत मिलेगी। नैनीताल से भीमताल की दूरी करीब 24 किमी की दूरी स्थित है। यहां पर पहुंचने में करीब 1 घंटे का समय लगेगा।

मसूरी से 84 किमी दूर यह हिल स्टेशन प्रकृति प्रेमियों के लिए है स्वर्ग, आप भी प्लान करें ट्रिप

देहरादून से करीब 33 किमी दूर स्थित मसूरी उत्तराखंड का एक फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। दिल्ली एनसीआर से लेकर देश के अन्य कई राज्यों से भी पर्यटक मसूरी घूमने के लिए पहुंचते हैं। कुछ लोग मसूरी की कुछ फेमस जगहें हैप्पी वैली या धनौल्टी को एक्सप्लोर करते हैं। लेकिन 85 किमी दूर स्थित बरनीगढ़ जैसी बेहतरीन और अद्भुत जगह को भूल जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी मसूरी जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको बरनीगढ़ को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बरनीगढ़ की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास मौजूद कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आप चाहें को वीकेंड पर बरनीगढ़ को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कहां है बरनीगढ़

बरनीगढ़ की खासियत और इस जगह की खूबसूरती को जानने से पहले आपको बता दें कि इस जगह को कई लोग बर्नीगाड और बरनीगाड के नाम से भी जाना जाता है। यह उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में पड़ता है। यह उत्तरकाशी जिले से करीब 32 किमी दूर है।

बरनीगढ़ मसूरी और चकराता हिल स्टेशन से लगभग 108 किमी, बड़कोट से 35 किमी और देहरादून से करीब 129 किमी दूरी पर स्थित है।

क्यों फेमस है बनीरगढ़

मसूरी और देहरादून की भीड़-भाड़ से दूर शांत बरनीगढ़ को शांत और मनमोहक वादियों के लिए जाना जाता है। यह उत्तरकाशी जिले का एक छिपा हुआ खजाना माना जाता है। मानसून में यहां की खूबसूरती देखने लायक होती है।

यहां पर घास के मैदान, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, नदी और झरने आदि बरनीगढ़ की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। अपनी खूबसूरती के कारण यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग मानी जाती है। बरनीगढ़ उत्तराखंड की पारंपरिक लाइफस्टाइल के लिए जाना जाता है।

पर्यटकों के लिए खास है बरनीगढ़

यह जगह पर्यटकों के लिए कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। जो लोग मसूरी की भीड़ या ट्रैफिक आदि में नहीं फंसना चाहते हैं, तो उनके लिए बरनीगढ़ जन्नत की तरह माना जाता है। यह जगह अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। बरनीगढ़ अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर प्रेमियों के लिए परफेक्ट माना जाता है। यहां पर आप हाइकिंग, ट्रेकिंग और कैम्पिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। साथ ही आप बरनीगढ़ में यादगार फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

आप बरनीगढ़ में पांडव निर्मित प्राचीन शिव मंदिर के साथ बरनीगढ़ व्यू पॉइंट देख सकती हैं। बरनीगढ़ के आसपास आप खाबला गांव, लाखा मंडल मंदिर, नौवगांव, कलोगी गांव और देवल व्यू पॉइंट जैसी बेहतरीन और शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

ऐसे पहुंचे मसूरी से बरनीगढ़

बता दें कि मसूरी से बरनीगढ़ पहुंचना काफी आसान है। आप मसूरी में गांधी चौक से कैब या टैक्सी लेकर जा सकती हैं। या आप चौक से स्कूटी रेंट पर लेकर बरनीगढ़ पहुंच सकती हैं। स्कूटी का प्रतिदिन का किराया 500 रुपए के आसपास होता है।

दिल्ली से 400 किमी दूर यह हिल स्टेशन स्वर्ग से नहीं है कम, वीकेंड पर बनाएं ट्रिप का प्लान

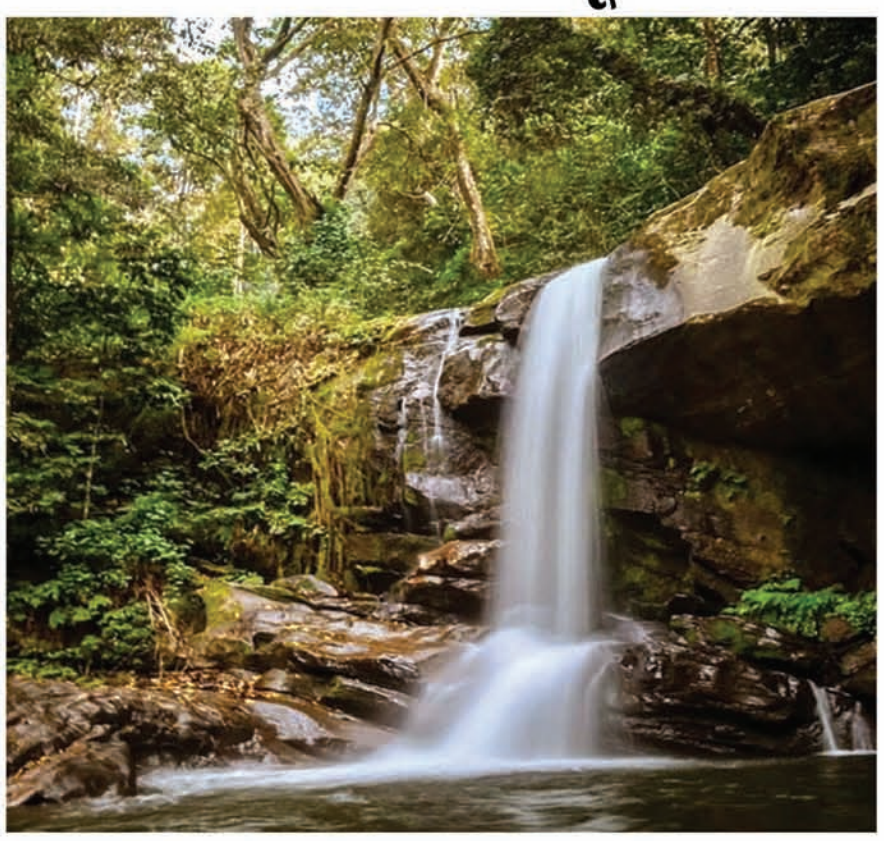

जब भी लोग हिल स्टेशन की बात करते हैं, तो शिमला, मसूरी और मनाली जैसे नाम जहन में आते हैं। लेकिन इन जगहों पर पर्यटकों की भीड़ होती है, ऐसे में अगर आप शांत और प्राकृतिक खूबसूरती की तलाश में हैं, तो हिमाचल प्रदेश की कम जानी-पहचानी लेकिन बेमिसाल जगह बरोट घाटी घूमने के लिए जा सकते हैं। दिल्ली से बरोट घाटी की दूरी करीब 400 किमी है। यह जगह इतनी शांत, हरी-भरी और सूरम्य है कि आप यहां पर पहुंचकर कहेंगे कि यह असली स्वर्ग है।

बरोट घाटी में बहुत शांति है और यहां का नजारा बेहद सुंदर, प्रकृति के करीब और झरनों की आवाज से भरी है। यहां पर इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क सीमित है। जिससे आप रिलैक्स कर सकते हैं। यहां के सस्ते होमस्टे, सादगी भरे और हिमाचली संस्कृति से जुड़े होते हैं। आप सिर्फ दो दिन के वीकेंड ट्रिप पर हिमाचल प्रदेश के बरोट घाटी को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कहां है बरोट घाटी

बता दें कि हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बरोट घाटी स्थित है। इसको %मिनी स्विटजरलैंड% भी कहा जाता है। हालांकि यह एक ऑफबीट डेस्टिनेशन है। जो कि घने देवदार के जंगल, झरने, उहल नदी और ट्रेकिंग ट्रेल्स के लिए जाना जाता है। यहां पर घूमने के सबसे अच्छा समय मार्च से जून और सर्दियों में अक्तूबर से नवंबर के बीच होता है।

ऐसे पहुंचे बरोट घाटी

राजधानी दिल्ली से बरोट घाटी की दूरी करीब 400-450 किमी है। हालांकि यहां पहुंचना सस्ता, आसान और एडवेंचर से भरा है। यहां आने के लिए ट्रेन या बस से पठानकोट या फिर जोगिंदरनगर तक जा सकते हैं। फिर आगे का रास्ता आपको टैक्सी से तय करना होगा।

सबसे पहले दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से एचआरटीसी की बस से जोगिंदर नगर पहुंचे। इसका किराया 800-900 रुपए हो सकता है। रात की बस लें, जिससे कि सुबह तक जोगिंदर नगर पहुंच जाएं। अब जोगिंदर नगर में पहुंचकर ब्रेकफास्ट करें और फिर बरोट घाटी के लिए स्थानीय बस से यात्रा करें। जोकि सुबह के समय आसानी से मिल जाती है। इसका किराया करीब 80 रुपए होगा। जोगिंदर नगर से बरोट घाटी की दूरी करीब 30 किमी है।

बरोट घाटी ट्रिप की योजना

ट्रिप के पहले दिन दोपहर तक जोगिंदर नगर पहुंचकर होम स्टे में फ्रेश होकर घूमने के लिए निकल जाएं। पहले दिन आप ब्रिटिश काल का डैम देखने के लिए जा सकते हैं। यह डैम अंग्रेजों के समय का बना है, जो आज भी अपनी सुंदरता और इंजीनियरिंग से चौंकाता है।

इसके बाद आप प्राकृतिक फव्वारा और आसपास के गांव की सैर करने जा सकते हैं। यहां पर छोटे-छोटे गांव, साफ हवा और पगडंडियों के बीच घूमना मन को शांति देता है। फिर वापस आकर होम स्टे में आराम करें।

यहां घूमें दूसरे दिन

अगले दिन सुबह जल्दी उठकर लापास जलप्रपात के लिए निकल जाएं। साथ ही यहां पर झरने के पास बैठकर चाय और मैगी का लुत्फ उठाना न भूलें। इसके अलावा पास का लापास गांव भी घूमें। जहां पर आपको अनोखा देसी हीटर देने को मिलेगा।

लापास गांव से लौटने के दौरान शॉर्टकट रास्ते से चोकड़ी बारोट वैली जाएं। यहां पर रास्ते में आपको घाटियां, घने देवदार के जंगल और एक बहती हुई जलधारा आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। नेचुरल फ्रीजर और ट्राउट फिश फार्म जैसे कई अनूठे नजारे आपकी इस ट्रिप को यादगार बना देंगे।

इस ट्रिप के दौरान बरोट की अनोखी विरासत के दीदार करना न भूलें। यहां पर एक ऐसी पुरानी कोठी डॉटर्स हाउस है, जिसको ब्रिटिश दौर में एक बेटी को उपहार दिया गया था। वर्तमान समय में यह कोठी टूरिस्ट होमस्टे में बदल चुकी है। आप चाहें तो यहां रुक भी सकते हैं।

सीरीज शुरू होने से एक दिन पहले जिम्बाब्वे ने घोषित की टीम, त्सिगा को मौका

हरारे, एजेंसी। भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम का एलान कर दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों के बीच पहला मैच गुरुवार को होगा और इससे एक दिन पहले ही टीम घोषित हुई है। 15 सदस्यीय टीम में पहली बार विकेटकीपर बल्लेबाज तफादजवा त्सिगा को शामिल किया गया है। इसके साथ ही ऑलराउंडर वेस्ली मधेवेरे और पेसर न्यूमैन न्यामहुरी की जिम्बाब्वे टी20 टीम में वापसी हुई है।

ये तीनों खिलाड़ी क्लाइव मडेंडे, टिनोटेंडा मापोसा और ताशिंगा मुसेकिवा की जगह टीम में आए हैं, जो हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ खेलने वाली टीम का हिस्सा थे। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 23 जुलाई को खेला जाना है। वहीं, दूसरा मैच 25 जुलाई और अंतिम मैच 26 जुलाई को होगा। सीरीज के सभी मुकाबलों की मेजबानी हरारे का हरारे स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

जिम्बाब्वे की ओर से 10 टेस्ट मैच खेल चुके त्सिगा ने अब तक सफेद गेंद की क्रिकेट में अपना डेब्यू नहीं किया है। बांग्लादेश सीरीज के दौरान टेस्ट और वनडे टीम में शामिल रहे मधेवेरे जुलाई 2025 के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं। वह अब तक जिम्बाब्वे की ओर से कुल 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। वहीं, न्यामहुरी चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं। चोट के चलते वह बांग्लादेश के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं रहे थे। न्यामहुरी की जगह बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लेने वाले तनाका चिवांगा टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं।

सिकंदर रजा करेंगे अगुआई

टीम की कमान सिकंदर रजा के हाथों में सौंपी गई है। बांग्लादेश के खिलाफ रजा की अगुआई में जिम्बाब्वे का प्रदर्शन शानदार रहा था। टीम ने एकमात्र टेस्ट और वनडे सीरीज को दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने नाम किया था। हालांकि, टी20 सीरीज में जरूर जिम्बाब्वे को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। मेजबान टीम के सामने भारत की मुश्किल चुनौती होगी। हालांकि, टीम इंडिया को हाल ही में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा है। भारत और जिम्बाब्वे की आखिरी भिड़ंत टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 स्टेज में हुई थी, जहां भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराया था।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, तनाका चिवांगा, बेन करन, ब्रैड इवांस, वेस्ली मधेवेरे, तदीवानाशे मारुमानी (विकेटकीपर), वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजारबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा, और तफादजवा त्सिगा (विकेटकीपर)।

लगातार तीसरा स्वर्ण जीतने पर टिकीं मीराबाई चानू की निगाहें, 48 किलो वर्ग में होगा आखिरी टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू ग्लासगों में 26 जुलाई को इतिहास रचने उत्तरेंगी। चानू लगातार तीसरे राष्ट्रमंडल खेल में स्वर्ण जीतने उतरेंगी, जो उनका लगातार चौथा पदक होगा। फिर भी उनकी निगाहें राष्ट्रमंडल से ज्यादा एशियाई खेलों पर हैं। बर्मिंघम में तैयारी कर रहीं मीरा ने अमर उजाला को बताया कि किसी भी बड़े खेल से पहले खिलाड़ी की कोशिश उच्चस्तरीय फॉर्म पाने की रहती है, लेकिन वह ग्लासगो में ज्यादा जोर नहीं लगाएंगी। उनकी 200 किलो वजन उठाने की भी कोशिश नहीं रहेगी। वह अपनी पीक 19 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों में हासिल करेगी, जहां उनकी कोशिश अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ (205 किलोग्राम वजन) को पीछे छोड़ने की होगी।

एशियाड में 49 किलो में खेलेंगी चानू

चानू ग्लासगों में 48 किलो में खेलेंगी, जबकि एशियाड में उन्हें 49 किलो में खेलना है। चानू को मालूम है कि यह 48 किलो में उनका अंतिम टूर्नामेंट है। यह भार अब ओलंपिक से बाहर हो गया है। मीरा ने इस भार में साल 2014 में रजत, 2018 में गोल्डकोस्ट में स्वर्ण और 49 किलो में बर्मिंधम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। चानू कहती हैं कि वह फुल लोड नहीं लेकर एशियाड के लिए अच्छी तरह रिकवरी करना चाहती हैं।

चाहकर भी नहीं बन पा रही थीं ध्वजवाहक

चानू पहली बार भारतीय दल की ध्वजवाहक बनने जा रही है। मीरा कहती हैं हैं कि उनका सपना था कि वह किसी खेल के उद्‌घाटन समारोह में तिरंगा उठाएं। हमेशा उद्घाटन के अगले दिन कंपटीशन रहने के चलते वह चाहकर भी ध्वजवाहक नहीं बन पाती थीं। इस बार कंपटीशन समारोह के बाद है, जिससे उन्हें यह मौका मिल गया। भारतीय टीम के कोच विजय शर्मा के मुताचिक, मीरा के सामने नाइजीरिया की रूथ असोडको और मलयेशिया की इरिन जेन हेनरी की चुनौती हैं। रूथ ने बीते वर्ष भारत में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में 167 किलो से रजत और इरिन ने 161 किलो से कांस्य जीता था। ऐसे में मीरा के सामने यहां बड़ी चुनौती नहीं है।

कुलदीप ने काउंटी क्लब यॉर्कशायर से किया करार

लीड्स। भारतीय टीम के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने बुधवार को इंग्लिश काउंटी क्लब यॉर्कशायर से करार किया है। कुलदीप मौजूदा सीजन में टीम के लिए आठ मुकाबले खेलेंगे। कुलदीप पिछले कुछ समय से भारतीय प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बन रहे हैं। लेकिन अब वह काउंटी क्रिकेट में खेलेंगे। कुलदीप वनडे कप के पांच मैच खेलने के साथ ही तीन लाल गेंद क्रिकेट के मुकाबले खेलेंगे।

यॉर्कशायर क्लब ने अपनी वेबसाइट पर जानकारी देते हुए कहा, यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब को भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को विदेशी खिलाड़ी के तौर पर साइन करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। 31 साल के कुलदीप वन डे क' के पांच मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे और इसके बाद सितंबर में काउंटी चैंपियनशिप के आखिरी चार में से तीन मैचों के लिए हेडिंग्ले लौटेंगे।

यॉर्कशायर से जुड़ने पर उत्सुक कुलदीप

यॉर्कशायर से जुड़ने पर कुलदीप ने कहा, यॉर्कशायर से जुड़कर मुझे बहुत खुशी हो रही है और मैं इस मौके के लिए आभारी हूं। यॉर्कशायर के गौरवशाली इतिहास वाले क्लब का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सचमुच सम्मान की बात होगी। मुझे हमेशा से इंग्लिश कंडिशन्स में खेलने की चुनौती पसंद रही है और मैनेजमेंट से बात करने के बाद मैं टीम से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हो गया हूं।

अनुष्का के साथ वृंदावन पहुंचे कोहली, प्रेमानंद महाराज के किए दर्शन, कीचड़ में नंगे पैर चले

वृंदावन। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली बुधवार को पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन पहुंचे जहां दोनों ने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली इससे पहले आईपीएल 2026 खत्म होने के बाद भी प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। मालूम हो कि आरसीबी ने इस सीजन खिताब अपने नाम किया था। 29 जुलाई को गुरू पूर्णिमा है और इससे पहले ही कोहली ने अनुष्का संग प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए हैं।

कोहली और अनुष्का को श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में नंगे पैर घूमते हुए देखा गया और उनके इस दौरे के वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। ऑनलाइन वायरल हो रहे कई वीडियो में इन दोनों को कड़ी सुरक्षा के बीच आश्रम पहुंचते हुए देखा जा सकता है। अनुष्का और विराट दोनों ने ही फेस मास्क पहनकर अपनी पहचान छिपाने की कोशिश की। आश्रम से बाहर निकलते समय विराट और अनुष्का ने हाथ में प्रसाद लिया हुआ था और वे कीचड़ भरे रास्तों पर नंगे पैर चल रहे थे।

प्रेमानंद महाराज के दर्शन लिए अनुष्का ने सिंपल सफेद सलवार-सूट पहना, जबकि विराट टी-शर्ट और पैंट में कैजुअल लुक में नजर आए। प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने से पहले, यह दोनों आश्रम परिसर में घूमते हुए दिखे। कोहली और अनुष्का की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

रोहित ने लगाई लंबी छलांग नंबर-1 की दौड़ हुई रोमांचक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर लॉर्ड्स में खेली गई शानदार 138 रन की पारी का इनाम भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में मिला है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) द्वारा जारी साप्ताहिक रैंकिंग में रोहित 14 रेटिंग अंक की बढ़त के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं और अब वह शीर्ष स्थान की दौड़ में मजबूती से शामिल हो गए हैं।

डेरिल मिचेल का दबदबा

फिलहाल न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 802 रेटिंग अंकों के साथ नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं। भारत के शुभमन गिल 801 अंकों के साथ महज एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 767 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर कायम हैं। रोहित शर्मा 758 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऐतिहासिक शतक का मिला इनाम

रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे में 110 गेंदों पर 138 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने 17 चौके और पांच छक्के लगाए। खास बात यह रही कि वह लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। भारत को 388 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करना था। हालांकि रोहित की शानदार पारी के बावजूद टीम इंडिया 27 रन से मुकाबला हार गई और तीन मैचों की सीरीज 1-2 से गंवा बैठी।

संन्यास की अटकलों पर रोहित का जवाब

सीरीज के निर्णायक मुकाबले से पहले रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन उन्होंने अपने बल्ले से सभी सवालों का जवाब दिया। मैच के बाद रोहित ने कहा, 'जब से मैंने डेब्यू किया है, तब से मेरे बारे में बातें होती रही हैं और जब तक मैं खेलूंगा, होती रहेंगी। मेरे लिए सबसे अहम बात मैदान पर प्रदर्शन करना और टीम की सफलता में योगदान देना है। अगर शोर नहीं होगा तो मजा भी नहीं आएगा।'

इंग्लैंड को भी हुआ फायदा

भारत-इंग्लैंड वनडे सीरीज के बाद इंग्लैंड के कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। जो रूट 249 रन बनाने के बाद चार स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंच गए। बेन डकेट 11 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर पहुंच गए। जैकब बेथेल पांच स्थान की बढ़त के साथ 64वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे ऊपर अफगानिस्तान के राशिद खान पहले और पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे स्थान पर हैं।

भारत के लिए सकारात्मक संकेत

ताजा आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में भारत के तीन बल्लेबाज शुभमन गिल, विराट कोहली और रोहित शर्मा टॉप-4 में शामिल हैं। इससे साफ है कि भारतीय बल्लेबाजी इस समय विश्व क्रिकेट में सबसे मजबूत इकाइयों में से एक बनी हुई है। खास तौर पर गिल और रोहित की हालिया फॉर्म ने नंबर-1 रैंकिंग की जंग को बेहद रोमांचक बना दिया है।

इंग्लैंड में नहीं चला बल्ला, जिम्बाब्वे के खिलाफ दम दिखाने के लिए तैयार वैभव, आत्मविश्वास बरकरार

हरारे। भारतीय बल्लेबाजी के उभरते युवा सितारे वैभव सूर्यवंशी ने स्वीकार किया है कि पिछले चार महीनों में उनके करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टी20 सीरीज से पहले वैभव का आत्मविश्वास पूरी तरह से बरकरार है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज होनी है जिसका पहला मैच गुरुवार को हरारे में खेला जाएगा।

टीम में बनाई जगह

15 वर्षीय सूर्यवंशी ने आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत के आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे की टी20 टीम में जगह बनाई थी। बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में दूसरे टी20 में उन्होंने अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। इसके साथ ही वह सचिन तेंदुलकर के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़कर भारत के लिए डेब्यू करने वाले सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन गए।इसके बाद वैभव ने अगले तीन मैच खेले, लेकिन वह केवल मामूली स्कोर ही बना सके। पांचवें और अंतिम टी20 में संजू सैमसन की वापसी के बाद उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। भारत यह सीरीज 0-4 से हार गया। महज तीन पारियों के बाद युवा सलामी बल्लेबाज को बाहर करने के टीम प्रबंधन के फैसले पर कई पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल उठाए और आलोचना की। अंतिम मैच से बाहर किए जाने के बाद यह युवा खिलाड़ी भावुक नजर आया था। कम उम्र में ऐसी निराशाओं का सामना करने पर सूर्यवंशी ने बताया कि आसपास के लोगों से मिले समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ने और ध्यान केंद्रित करने में मदद की।

प्रक्रिया का पालन जरूरी

सूर्यवंशी ने बीसीसीआई डॉट टीवी से कहा, हां, पिछले चार महीनों में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। यह क्रिकेट का हिस्सा है और ऐसा होता रहेगा। लेकिन मुझे प्रक्रिया का पालन करना है और टीम के लिए अपना 100 प्रतिशत देना है। यह एक स्वाभाविक बात है कि मुझे जिस मार्गदर्शन या अभ्यास की आवश्यकता है, कोच मुझे वह उपलब्ध करा रहे हैं। बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और आत्मविश्वास भी है।फरवरी में भारत के सफल अंडर-19 विश्व कप अभियान में सूर्यवंशी की अहम भूमिका रही थी। इसी मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने महज 80 गेंदों में 175 रनों की तूफानी पारी खेलकर भारत को चैंपियन बनाया था। इस मैदान की यादों को साझा करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक बहुत ही यादगार मैदान है। सिर्फ चार महीने पहले हमने यहां अंडर-19 विश्व कप का फाइनल खेला और जीता था। भारत का प्रतिनिधित्व करना हर किसी का सपना होता है और यह एक बहुत खास पल है।

दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों तक तकनीक की पहुंच से ही साकार होगा 'डिजिटल झारखंड' का सपना : मुख्यमंत्री

रांची (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवा को झारखंड मंत्रालय में सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग के अद्यतन कार्यों एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में ई-गवर्नेंस परियोजनाओं, डिजिटल सेवाओं के विस्तार, साइबर सुरक्षा, डेटा प्रबंधन, सरकारी सेवाओं के डिजिटलीकरण तथा आईटी आधारित नवाचारों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान डिजिटल झारखंड विजन 2029 पर विशेष चर्चा हुई, जिसमें अधिकारियों ने आई.टी पार्क निर्माण की रूपरेखा एवं साइट प्लान प्रस्तुत किया और मुख्यमंत्री ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। साथ ही चीफ मिनिस्टर डेटा इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म के विकास पर भी विचार-विमर्श हुआ, जिसके माध्यम से सभी विभागों के डेटा एवं पोर्टलों का समेकित आकलन किया

जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि प्रत्येक विभाग एवं प्रत्येक जिले में आईटी अधिकारियों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता बढ़े। उन्होंने सभी विभागों के डेटा को केंद्रीकृत प्रणाली में एकीकृत करने पर बल दिया, जिससे बेहतर समन्वय और निर्णय प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके। बैठक में झारखंड स्टेट डेटा सेंटर को सुदृढ़ बनाने तथा डेटा की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की गई। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा, डिजिटल झारखंड का सपना तभी साकार होगा, जब तकनीक का लाभ राज्य के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से पहुंचे। इसके लिए यह आवश्यक है कि डिजिटल सेवाओं का विस्तार अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी नागरिक सूचना और सेवाओं से वंचित न रहे। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को नवाचार, पारदर्शिता और दक्षता के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक आम लोगों के जीवन को सरल, सुलभ और सुगम बनाए। उन्होंने आगे कहा कि आधुनिक तकनीकों के समुचित उपयोग से न केवल प्रशासनिक कार्यप्रणाली अधिक सुदृढ़ और जवाबदेह बनेगी, बल्कि सेवा वितरण प्रणाली में भी गति आएगी। डिजिटल माध्यमों के सशक्त उपयोग से शासन में पारदर्शिता बढ़ेगी, योजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार होगा और राज्य को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में ठोस एवं स्थायी प्रगति सुनिश्चित की जा सकेगी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड के कार्यों की समीक्षा करते हुए राज्य के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की व्यापक मैपिंग कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी क्षेत्रों में डिजिटल संसाधनों की वास्तविक स्थिति का आकलन कर योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्य सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने आगामी तीन वर्षों में राज्य के सभी पंचायतों को 5जी नेटवर्क से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित करने को कहा, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों तक भी उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल कनेक्टिविटी उपलब्ध हो सके। उक्त बैठक में भारतनेट फेज-3, कनेक्टिंग झारखंड तथा स्टेट वाइड नेटवर्क जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने इन परियोजनाओं को राज्य के डिजिटल विकास की आधारशिला बताते हुए कहा कि एक मजबूत, सुरक्षित और एकीकृत डिजिटल नेटवर्क राज्य सरकार की कार्यप्रणाली की रीढ़ सिद्ध होगा। इसके माध्यम से डेटा, वॉयस एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी, जिससे प्रशासनिक कार्यों में गति, पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित की जा सकेगी।

विपक्ष की आवाज दवा सरकार संसद में चर्चा से बच रही : रामगोपाल यादव

-सपा सांसद ने सदन के गतिरोध और राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने संसद में जारी गतिरोध को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार किसी भी महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा कराने की इच्छुक नहीं है। उन्होंने कहा कि जैसे ही कोई विपक्षी सांसद अपनी बात रखने के लिए खड़ा होता है, कुछ ही मिनटों में सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी जाती है, जिससे लोकतांत्रिक संवाद प्रभावित हो रहा है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान सपा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि यदि सरकार चर्चा के लिए तैयार होती तो संसद में बार-बार हंगामे की नौबत नहीं आती। उनका आरोप था कि सुबह से शाम तक सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित किए जाने से यह स्पष्ट हो जाता है कि सरकार विपक्ष की बात सुनने से बच रही है। उन्होंने कहा कि पूरा विपक्ष इस मुद्दे पर एकजुट है और लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा के लिए अपनी आवाज उठाता रहेगा। रामगोपाल यादव ने राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर भी सवाल उठाते हुए दान राशि के प्रबंधन में पूरी पारदर्शिता की मांग की। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान देशभर के लोगों ने श्रद्धापूर्वक योगदान दिया था। उनके अनुसार, महिलाओं ने अपने गहने तक दान किए और विभिन्न समुदायों के लोगों ने मंदिर निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट होना चाहिए कि चंदे में मिली राशि कब और किस प्रकार बैंकों में जमा हुई तथा उसका पूरा लेखा-जोखा सार्वजनिक किया जाए।

मंदिरों की दान प्रक्रिया पारदर्शी हो

उन्होंने तिरुपति मंदिर की व्यवस्था का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां दान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और रसीदें जारी की जाती हैं। उनका मानना है कि राम मंदिर से जुड़े चंदे के मामले में भी ऐसी ही व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए।

मुंबई में आतंकी साजिश का हुआ खुलासा

-यूपी एटीएस की जांच में आईएसआई कनेक्शन के संकेत

बलरामपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने मुंबई में संभावित आतंकी साजिश का खुलासा करते हुए दावा किया है कि बलरामपुर निवासी शहरोज पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाकिस्तानी गैंगस्टरों के संपर्क में था। एटीएस के अनुसार, आरोपी मुंबई में अपना नेटवर्क तैयार कर हिंदूवादी नेताओं और संगठनों को निशाना बनाने की योजना पर काम कर रहा था, जिससे सांप्रदायिक तनाव फैलाया जा सके। जांच एजेंसी का दावा है कि शहरोज को पाकिस्तान के गैंगस्टर शहजाद भट्टी और कथित आईएसआई एजेंट जसवीर चौधरी से निर्देश मिल रहे थे। उसे राजस्थान के श्रीगंगानगर जाकर ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से भेजे जाने वाले हथियार और विस्फोटक प्राप्त करने को कहा गया था। हथियार हासिल करने के बाद उसे मुंबई लौटकर आगे के निर्देश मिलने थे। एटीएस के मुताबिक, आरोपी अभी नेटवर्क के शुरुआती परीक्षण चरण में था, जहां उसकी गोपनीयता और निर्देशों के पालन की क्षमता परखी जा रही थी। जांच एजेंसी अब उसके मोबाइल, सोशल मीडिया अकाउंट, कॉल डिटेल, बैंकिंग रिकॉर्ड, डिजिटल लेनदेन और विदेशी संपर्कों की फोरेंसिक जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसे विदेश से आर्थिक सहायता मिल रही थी या नहीं। पूरे मामले की जांच जारी है।

राहुल गांधी से जुड़े आय से अधिक संपत्ति मामले में हाईकोर्ट सख्त

-सीबीआई के हलफनामे पर जताई नाराजगी, विस्तृत प्रगति रिपोर्ट तलब

लखनऊ (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोपों की जांच से जुड़े मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के हलफनामे पर नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि हलफनामा पूर्व आदेश के अनुरूप नहीं है और इससे जांच की वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं होती। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आर.एस. चौहान और न्यायमूर्ति बी.आर. सिंह की पीठ कर्नाटक निवासी एस. विग्नेश शिशिर की याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने की मांग की गई है। अदालत ने सीबीआई मुख्यालय के संयुक्त निदेशक अथवा संबंधित जोन प्रमुख को स्वयं शपथपत्र दाखिल कर अगली सुनवाई तक विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। वहीं, ईडी के हलफनामे पर अदालत ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि एजेंसी ने आवश्यक प्रारंभिक कार्रवाई की है। अदालत ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, वित्त मंत्रालय, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय और एसएफआईओ को भी चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी।

भारी बारिश से उत्तराखंड में 142 सड़कें प्रभावित, कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी

देहरादून (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तराखंड के कई जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने राज्य के कई अन्य हिस्सों में आंधी-तूफान, बिजली गिरने और भारी बारिश का भी अनुमान लगाया है। आईएमडी के मुताबिक मौजूदा मौसम की स्थिति 25 जुलाई तक बनी रहने की उम्मीद है। बुधवार को राज्य के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। वहीं, राज्य के सभी जिलों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ बिजली चमकने और तीव्र से अति तीव्र बारिश का अनुमान है। विभाग ने आशंका जताई है कि संवेदनशील इलाकों में हल्के से मध्यम भूस्खलन और चट्टान गिरने की घटनाएं हो सकती है। इसके अलावा, पहाड़ी क्षेत्रों में कहीं-कहीं सड़कों और राजमार्गों में अवरोध हो सकता है। कहीं-कहीं नालों और नदियों का अतिप्रवाह भी हो सकता है। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश से देहरादून में तापमान में काफी गिरावट आई है। तेज बारिश के कारण नाले उफान पर आ गए, जिससे कई सड़कों पर जलभराव हो गया, जबकि कई इलाकों में घरों में पानी घुस गया। सड़कों पर पानी भरने और खराब ड्राइविंग स्थितियों के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश का असर उत्तराखंड के अन्य इलाकों में भी देखा गया, जहां मौसम संबंधी दिक्कतों के कारण मंगलवार को 142 सड़कें बंद कर दी गई थीं। शाम तक अधिकारी इनमें से 54 सड़कों पर यातायात बहाल करने में सफल रहे।

यमुना में 5 किलोमीटर तक हजारों मृत मछलियां, कानपुर देहात में दहशत

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर देहात में यमुना नदी के करीब पाँच किलोमीटर लंबे हिस्से में हजारों मृत मछलियां मिलने से हड़कंप मच गया। नयापुरवा से मनकी पक्के घाट और क्योटरा तक नदी किनारे बिछी मछलियों को देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई। यह घटना पानी की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने पहले इतनी बड़ी संख्या में मछलियों को मरते नहीं देखा। कुछ मछलियां पानी में तड़पती भी दिखाई दीं। हालांकि, कुछ ग्रामीण मृत मछलियों को अपने घरों में भी ले गए, जिस पर विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य जोखिम की चेतावनी दी है। प्रदूषित या रसायनयुक्त पानी से मरी मछलियों का सेवन गंभीर विषाक्तता का कारण बन सकता है। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि ऊपरी क्षेत्रों से आए प्रदूषित या रसायनयुक्त पानी और नदी में बीओडी (बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड) के स्तर में वृद्धि इसकी मुख्य वजह है। जिला कार्यकारी अधिकारी (मत्स्य) रमाकांत निरंजन ने बताया कि बीओडी बढ़ने से घुलित ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है, जिससे मछलियों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और उनकी मौत हो जाती है। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी मनोज चौरसिया ने इसकी पुष्टि की कि बारिश के दौरान नदी में सिल्ट और अपशिष्ट पदार्थ बहकर आते हैं, जो जलीय जीवों को प्रभावित करते हैं। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के आसपास कोई औद्योगिक इकाई नहीं है, इसलिए प्रदूषित पानी ऊपरी क्षेत्रों से ही आया होगा। नदी के किनारों पर कम जलस्तर और पानी के ठहराव से हानिकारक तत्वों का प्रभाव बढ़ गया हो सकता है। पानी के नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मछलियों की मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा।

दादा, भले ही आज आप मेरे साथ नहीं हैं, मेरी जिंदगी के साथी को सलाम

-अजित पवार की जयंती पर पत्नी सुनेत्रा पवार ने किया भावुक पोस्ट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जयंती पर उनकी पत्नी और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट किया। सुनेत्रा पवार ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- दादा, कई सालों से मैंने आपका जन्मदिन इतनी खुशी, जोश और गर्व के साथ मनाया। घर और परिवार खुशियों से भर जाता, चारों ओर दुआओं की बारिश होती लेकिन आज आपकी जयंती मनाते हुए मेरा दिल पूरी तरह टूट रहा है। आज भी मेरा दिल इस कड़वी सच्चाई को मानने से इनकार करता है।

सुनेत्रा ने आगे लिखा- दादा, मेरी जिंदगी के हर मोड़ पर आप मेरी सबसे बड़ी ताकत बनकर मेरे साथ खड़े रहे। आपका वह मजबूत सहारा, मुश्किल समय में पीठ थपथपाना और आपका साथ, आज यह सब अचानक गायब हो गया है। सब कुछ एकदम खाली सा लग रहा है, मुझे यकीन ही नहीं हो रहा। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि समय मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सहारा इतनी जल्दी छीन लेगा। उन्होंने लिखा- आज, जब मैं आपका यह जन्मदिन मना रही हूं, तो मेरा दिल दर्द से भर गया है; मेरी आंखों के आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे। दादा, भले ही आज आप मेरे साथ नहीं हैं लेकिन आपकी सोच, आपकी यादें, लोगों के प्रति आपकी सेवा की भावना, आपका अनुशासन और आपका दिया हुआ प्यार हमेशा मेरी हर सांस में, मेरे होने के हर रेशे में जिंदा रहेगा। मेरी जिंदगी के साथी को, आपकी पवित्र यादों को, दिल से और इज्जत से सलाम!

बता दें महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजीत पवार और जय अजीत दादा पवार ने दिवंगत नेता अजीत पवार की जयंती के मौके पर आधी रात को बारामती के विद्या प्रतिष्ठान कैंपस में उनके मेमोरियल पर फूल चढ़ाए। उन्होंने महाराष्ट्र के विकास में उनके योगदान, उनकी समाजसेवा और लोगों की भलाई के लिए उनके समर्पण को याद किया। उन्होंने कहा कि अजीतदादा पवार की दृष्टि, विकास पर फोकस करने वाला नेतृत्व और समाजसेवा की विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

काले कपड़े पहन संसद पहुंचे सांसदों ने किया जोरदार प्रदर्शन

-पेपर लीक और शिक्षा की बदहाली को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर अड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर निकाले गए संसद तक मार्च में छात्रों के साथ की गई बर्बरता के विरोध में बुधवार सुबह प्रमुख विपक्ष के सांसद काले लिवास पहन संसद पहुंचे। संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने काले कपड़े में जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत अखिलेश यादव व अन्य विपक्षी सांसद नारे लगाते नजर आए।

संसद के मानसून सत्र के पहले दिन से ही पेपर लीक और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा वाला मुद्दा गूंज रहा है। विपक्ष ने संसद तक मार्च के दौरान युवाओं पर की गई पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार को घेरा है। मंगलवार को पीएम आवास के करीब कांग्रेस के धरने के दौरान राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं को हिरासत में लिया गया और कुछ

समय बाद उन्हें छोड़ दिया गया। इसके बाद यह प्रदर्शन दिल्ली के साथ-साथ अन्य राज्यों तक पहुंच गया है। जगह-जगह लोग प्रदर्शन कर गिरफ्तारियां दे रहे हैं। इसे देखते हुए बुधवार सुबह सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के तौर पर अनेक सांसद काले लिवास में संसद पहुंचे हैं और प्रदर्शन किया है।

संसद के मानसून सत्र में यह मुद्दा लगातार गूंजा है। विपक्ष पेपर लीक के साथ ही देश की बिगड़ी शिक्षा व्यवस्था को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़ा है। इसके अलावा अब प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की बर्बर कार्रवाई को लेकर सरकार को घेर रहा है। बताया जा रहा है कि इस कारण दिल्ली के बाहर भी प्रदर्शन तेज हो गए हैं। अनेक प्रमुख शहरों से प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए आने की सुचनाएं आ रही हैं।

अच्छी बारिश के लिए कराई गधों की शादी, बैंड-बाजों से निकाली बारात

-आंध्र प्रदेश के कई इलाकों में मानसून की धीमी रफ्तार से किसान चिंतित

अनंतपुर (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कई इलाकों में मानसून की धीमी रफ्तार ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में नमी की कमी और समय पर बारिश न होने से फसलों पर संकट गहराने लगा है। ऐसे हालात में अनंतपुर जिले के कुर्लापल्ली गांव के लोगों ने अच्छी बारिश की कामना के लिए एक अनोखी परंपरा निभाई, जिसने सोशल मीडिया पर भी लोगों का ध्यान खींचा। गांव वालों ने पूरे रीति-रिवाज और पारंपरिक रस्मों के साथ दो गधों का विवाह कराया। गांव वालों का मानना है कि सालों से चली आ रही इस लोक परंपरा को निभाने से प्रकृति मेहरबान होती है और अच्छी बारिश का आशीर्वाद मिलता है। उनके लिए यह केवल एक रस्म नहीं, बल्कि कठिन समय में उम्मीद और आस्था का प्रतीक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वायरल वीडियो में दोनों गधों को दूल्हा-दुल्हन की तरह रंग-बिरंगे कपड़ों, फूलों की मालाओं से सजाया। इसके बाद ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच पूरे गांव में उनकी बारात निकाली। रास्ते में लोग बारात का स्वागत करते नजर आए। कई घरों के सामने महिलाओं ने पानी अर्पित कर अच्छी बारिश और भरपूर फसल की कामना की है। गांव के मंदिरों में भी विशेष पूजा-अर्चना की गई ताकि जल्द बारिश हो और सूखे की स्थिति से राहत मिल सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि पीढ़ियों से किसान सूखे जैसे हालात में इस तरह के धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान करते आए हैं।

इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून की कमजोर प्रगति ने आंध्र प्रदेश के कई जिलों में खेती को प्रभावित किया है। मौसम विभाग के मुताबिक अनंतपुर सहित कुछ क्षेत्रों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है। इसका असर खरीफ की बुवाई और फसलों की बढ़वार पर भी देखने को

मिल रहा है। पर्याप्त बारिश न होने के कारण किसानों को उत्पादन घटने और आर्थिक नुकसान की चिंता सता रही है। यह खबर वायरल वीडियो पर आधारित है। ऐसे समय में यह अनोखा आयोजन सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि उन किसानों की भावनाओं और उम्मीदों की झलक भी है, जिनकी आजीविका पूरी तरह बारिश पर निर्भर करती है।

सीएम थलपति ने कहा- नीट परीक्षा पूरी तरह खत्म करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में धांधली और पेपर लीक के आरोपों को लेकर विरोध का माहौल बना हुआ है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक महीने से जारी प्रदर्शनों के बीच तमिलनाडु में तमिल सिनेमा के दिग्गज अभिनेता थलपति विजय की राजनीतिक पार्टी तमिझगा वेत्री कज़गम (टीवीके) ने नीट परीक्षा पर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। पार्टी ने मांग की है कि केवल परीक्षा में धांधली रोकना ही काफी नहीं है, बल्कि नीट प्रवेश परीक्षा को हमेशा के लिए पूरी तरह समाप्त कर दिया जाना चाहिए।

छात्रों के भविष्य और राज्यों के संवैधानिक अधिकारों की वकालत करते हुए टीवीके ने शिक्षा नीति में बड़े बदलाव का प्रस्ताव रखा है। पार्टी का मानना है कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए शिक्षा को संविधान की समवर्ती सूची से हटाकर राज्य सूची में हस्तांतरित किया जाना चाहिए। पार्टी नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि इसमें कोई कानूनी

बाधा आती है, तो एक अंतरिम उपाय के तहत विशेष समवर्ती सूची बनाई जानी चाहिए, ताकि राज्य सरकारों को अपनी मेडिकल शिक्षा और प्रवेश प्रक्रिया पर पूर्ण नियंत्रण मिल सके। पार्टी के अनुसार, यह दृष्टिकोण उनके नेता विजय द्वारा पहले ही रेखांकित किया जा चुका है।

इस राजनीतिक हलचल के बीच टीवीके ने राज्य की सत्ताधारी पार्टी डीएमके पर भी निशाना साधा। पार्टी ने आरोप लगाया कि वे चुनावों के दौरान नीट को रद्द करने के झूठे वादे करके जनता और छात्रों के साथ धोखे की राजनीति नहीं करते। गौरतलब है कि 2021 के विधानसभा चुनावों में डीएमके ने सत्ता में आने पर राज्य में नीट समाप्त करने का आश्वासन दिया था।

इसके अलावा, थलपति विजय ने नीट के विरोध में प्रदर्शन करने वाले प्रसिद्ध रैपर थेरुकुरल अरिवु से भी मुलाकात की। अरिवु ने नीट परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर राज्य सचिवालय के बाहर धरना दिया था। शुरुआत में पुलिस द्वारा हटाए जाने के बाद, मुख्यमंत्री के निर्देश पर अरिवु को सचिवालय के भीतर लाया गया, जहां विजय ने उनसे भेंट की। इस मुलाकात के दौरान अरिवु ने राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा को लेकर अपनी गंभीर चिंताएं व्यक्त कीं। तमिलनाडु सरकार लंबे समय से मांग करती रही है कि राज्य के मेडिकल कॉलेजों में दाखिला 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर ही होना चाहिए।

असम में बाढ़ से 21 लोगों की मौत, कई गांव डूबे, 5.64 लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में बाढ़ से पिछले 24 घंटों में 21 और लोगों की मौत हो गई, जबकि राज्य के 16 जिलों में 5.64 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। यह जानकारी एएसडीएमए ने देर रात जारी बुलेटिन में दी। बुलेटिन के मुताबिक सबसे ज्यादा प्रभावित शिवसागर जिले में 13 लोगों की मौत हुई है। चराइदेव में पांच, गोलाघाट में दो और जोरहाट में एक व्यक्ति की जान गई। इसके साथ ही इस साल राज्य में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 31 हो गई है। सीएम हिमंत विश्वा सरमा ने कहा कि वह बुधवार से बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट में एएसडीएमए के हवाले से बताया गया है कि बाढ़ से गोलाघाट, कामरूप, होजाई, डिब्रूगढ़, बिश्वनाथ, धेमाजी, सोनितपुर, उदालगुड़ी,

नगांव, चराइदेव, कामरूप (मेट्रो), जोरहाट, तिनसुकिया, कार्बी आंगलोंग, लखीमपुर और शिवसागर सहित 16 जिलों में 5,64,600 से अधिक लोग प्रभावित हैं। सोमवार को 15 जिलों में प्रभावित लोगों की संख्या 3.63 लाख से ज्यादा थी। बुलेटिन के मुताबिक 44 राजस्व मंडलों के 872 गांव अब भी जलमग्न हैं। सबसे ज्यादा 3,59,535 लोग शिवसागर जिले में प्रभावित हैं। इसके बाद जोरहाट में 87,662 और चराइदेव में 72,646 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं. राज्य में फिलहाल 71 राहत शिविर संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें 12,284 विस्थापित लोगों को ठहराया है। इसके अलावा 202 राहत वितरण केंद्र भी संचालित किए जा रहे हैं।

सिंधु जल समझौते पर भारत का रुख और सख्त: बहाली से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंधु जल समझौते को लेकर भारत ने अपना रुख और कड़ा कर लिया है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह समझौता अब अपने मौजूदा स्वरूप में लागू नहीं रहेगा। सीमा पार आतंकवाद को पाकिस्तान द्वारा लगातार दिए जा रहे समर्थन के विरोध में भारत ने साफ कर दिया है कि पुरानी शर्तों और व्यवस्था के तहत अब कोई बातचीत या समझौता संभव नहीं है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, यद्यपि भारत फिलहाल विश्व बैंक की मध्यस्थता से 1960 में हुई इस संधि से पूरी तरह बाहर निकलने पर तुरंत विचार नहीं कर रहा है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में इसे जारी रखना अपने राष्ट्रीय हित में नहीं मानता।

पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने इस समझौते को स्थगित कर दिया था। अब भारत का कहना है कि भविष्य में यदि नदियों के जल बंटवारे पर कोई व्यवस्था बनती भी है, तो वह बिल्कुल नए ढांचे और नई शर्तों के तहत होगी। यद्यपि सिंधु जल समझौते में बाहर निकलने का कोई सीधा एग्जिट क्लॉज नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रथागत कानूनों के तहत यदि कोई एक पक्ष समझौते या सुरक्षा माहौल का गंभीर उल्लंघन करता है, तो दूसरा देश संधि को आंशिक या पूर्ण रूप से निलंबित कर सकता है। पाकिस्तान का सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना भारत के लिए एक गंभीर उल्लंघन है। भारत का स्पष्ट मानना है कि एक संप्रभु राष्ट्र होने के नाते उसे ऐसी किसी संधि में बने रहने के लिए विवश नहीं किया जा सकता, जो देश के हितों के खिलाफ हो।

दूसरी ओर, पाकिस्तान इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाकर खुद को पीड़ित के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान का आरोप है कि भारत के इस फैसले से उसके नागरिकों की जल सुरक्षा पर संकट खड़ा हो गया है। हालांकि, भारतीय अधिकारियों का मानना है कि पाकिस्तान की असल समस्या पानी की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसका खराब जल प्रबंधन और बुनियादी ढांचे में निवेश न करना है। संधि निलंबित होने के बावजूद भारत मानवीय आधार पर पाकिस्तान को बाढ़ से जुड़ी चेतावनियां और डेटा साझा कर रहा है। नई दिल्ली ने साफ कर दिया है कि संधि का निलंबन तब तक जारी रहेगा जब तक कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद पर पूरी तरह और भरोसेमंद तरीके से रोक नहीं लगा देता।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**